✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

✷ पटना संस्करण

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 36 ✷ अंक : 303 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, गुरुवार, 2 अप्रैल 2026 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद, पटना एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

असम के तिनसुकिया में चुनाव प्रचार के दौरान लोगों से मिलते झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन

पथ प्रमंडल औरंगाबाद ने शहर में फिर शुरू किया 15 करोड़ की लीपापोती का खेल

जहां जरूरत वहां नहीं होता निर्माण, पूर्व से निर्मित संरचनाओं के नाम पर होती है बंदरबाट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। औरंगाबाद शहर में पथ प्रमंडल औरंगाबाद ने एक बार फिर से बने बनाए नाले को फिर से बनाने और बनी बनाई सड़क को फिर से बनाने का खेल शुरू कर दिया है। इसके लिए 15 करोड़ रुपए खर्च का प्राक्कलन बना है। मजेदार बात यह है कि कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल औरंगाबाद को वे इलाके नजर नहीं आते, जहां वास्तव में सड़क की जरूरत है या नाले की जरूरत है। शायद बनी बनाई संरचनाओं के नाम पर थोड़ी मरम्मत कर करोड़ों रुपए की बंदरबाट की सुविधा वहां नहीं है। सूत्रों के अनुसार जसोईया मोड़ से रमेश चौक तक सड़क चौड़ीकरण और नाला निर्माण पर साढे 15 करोड़ रुपए का खर्च करने का प्राक्कलन तैयार किया गया है। विदित हो कि इतनी ही दूरी में कई बार नाला निर्माण हुआ है तथा चार नाले समानांतर रूप से आज भी कार्यरत हैं। सड़क के दोनों और फुटपाथ और सड़क के बीच एक विशाल नाला दोनों ओर बनाया गया है जो अभी भी पूरी तरह कार्यरत है और इसमें कहीं से कोई कमी नहीं आई है। इसी प्रकार जसोइया मोड़ से लेकर रमेश चौक तक की सड़क औरंगाबाद जिला मुख्यालय की सबसे लंबी सड़क है जो फोर लेन है। फोरलेन के बाद भी दोनों तरफ एक-एक लेन सर्विस रोड है। इस प्रकार यह सड़क सिक्स लेन चौड़ी हो जाती है। इस खंड के अतिरिक्त रमेश चौक से ओवर ब्रिज तक तथा रमेश चौक से लेकर धर्मशाला मोड़ तक सड़क अत्यंत संकरी है। वहां पर नालों की स्थिति भी ठीक नहीं है लेकिन वहां पर निर्माण न कर कार्यपालक अभियंता उसी जगह निर्माण करा रहे हैं जहां पहले से ही सारी संरचनाएं सही हालत में उपलब्ध हैं। लोगों का कहना है की रमेश चौक से धर्मशाला तक जबर्दस्त सड़क जाम रहता है और यहां बेहतर सड़कों की जरूरत है। उसी प्रकार महाराजगंज रोड को भी चौड़ा करने की जरुरत है लेकिन हुक्मरानों की निगाह सिर्फ सबसे बेहतर इलाके तक ही जाती है जहां आम तौर पर जाम की समस्या नहीं होती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस प्रकार से औरंगाबाद जिला मुख्यालय में सड़क जाम की समस्या अपनी जगह बनी रहेगी क्योंकि जहां सबसे ज्यादा जाम लगता है वहां चौड़ीकरण का कोई प्रावधान नहीं है। जलजमाव की समस्या भी बनी रहेगी क्योंकि जहां सबसे ज्यादा जल जमाव होता है वहां नाले बनाने का प्रावधान नहीं है और वहां नाले बनाए जा रहा है जहां पहले से चार-चार नाले हैं और सिक्स लेन चौड़ी सड़क है। जानकारों का कहना है की बनी बनाई संरचना की थोड़ी बहुत मरम्मत कर पूरी राशि को व्यय हुआ दिखा दिया जाना पुराना खेल रहा है और इस बार फिर से इस खेल की (शेष पृष्ठ 11 पर)

सरकारी राशि की लूट हो तो आपको क्या दिक्कत है : कार्यपालक अभियन्ता

इस संबंध में पूछे जाने पर कार्यपालक अभियंता ने कहा कि यह सरकार का डिसीजन है और उसके अनुसार राशि खर्च होगी । उन्होंने इस संवाददाता से ही उल्टा सवाल किया कि आपको क्या दिक्कत है? उन्हें अवगत कराया गया कि पिछले 5 वर्षों के दौरान कम से कम 10 बार इस सड़क की मरम्मत हुई है या जीर्णोद्धार कराया गया है। कार्यपालक अभियंता ने कहा कि सरकारी राशि की लूट हो तो आपको क्या दिक्कत है?

प्राक्कलन के नाम पर होता है बड़ा खेल

बिहार सरकार के पथ प्रमंडल सहित कई विभागों में प्राक्कलन के नाम पर बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। किसी भी विकास कार्य के लिए वास्तविक लागत से कई गुना अधिक राशि का प्राक्कलन तैयार किया जाता है। इससे सरकारी खजाने पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और संसाधनों की बर्बादी होती है। कथित रूप से इस प्रक्रिया में अधिकारियों, ठेकेदारों और कुछ जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत सामने आती है। प्राक्कलन को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है ताकि कमीशनखोरी की गुंजाइश बनी रहे। इसका सीधा असर विकास कार्यों की गुणवत्ता पर पड़ता है। अधूरे या निम्न स्तर के निर्माण कार्य जनता की परेशानी बढ़ाते हैं। सड़क, पुल और अन्य आधारभूत ढांचे अपेक्षित मानकों पर खरे नहीं उतरते। जनता के टैक्स का पैसा सही दिशा में उपयोग नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता, सख्त निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है।

जसोइया मोड़-रमेश चौक छोड़ इधर भी देखिये हुज़ूर

शहर जाम से कराह रहा और शहर के नीति नियंताओं की नज़र कई कारणों से सिर्फ जसोईया मोड़-रमेश चौक तक ही सिमटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सबसे जरुरत जहां है वहां ध्यान नहीं दिया जा रहा। वास्तव में करमा रोड का चौड़ीकरण किया जाए तो पटना जाने के लिए ज्सोइया मोड़ पर ट्राफिक दबाव कम होगा और लोगों को पटना की तरफ जाने का वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। इसी प्रकार क्लब रोड का चौड़ीकरण हो तो एक सामानांतर मार्ग मिलेगा और मुख्य सड़क पर ट्राफिक दबाव कम होगा। टिकरी रोड, नवाडीह रोड भी अरसे से चौड़ीकरण की बाट जोह रही। इसी प्रकार नागा बीघा रोड को दो लेन बना कर बाइपास से जोड़ा जाए तो मुख्य सड़क पर ट्राफिक दबाव कम होगा। रमेश चौक से लेकर धर्मशाला मोड़ तक सड़क का फोर लेन होना जरुरी है क्योंकि अभी से ही इस पर काफी यातायात है और जब कलेक्ट्रेट उधर शिफ्ट होगा तो हालात भयावह होंगे।

नालंदा भगदड़ मामले में चार पुजारी गिरफ्तार, पांच पुलिसकर्मी निलंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा में मंगलवार को शीतला माता मंदिर में भगदड़ के बाद पुलिस ने मंदिर के चार पुजारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इन पुजारियों से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार पुजारियों की पहचान अनुज कुमार पांडे, अवधेश कुमार मिश्रा, विवेकानंद पांडे और निरंजन कुमार पांडे के रूप में हुई है। शीतला माता मंदिर में भगदड़ के जिम्मेदार स्थानीय पंडा पर ग्रामीण और श्रद्धालुओं ने पैसे लेकर दर्शन कराने का आरोप लगाया है। कहा जा रहा है कि सीसीटीवी कैमरे में इसकी जांच की जाएगी। पुलिस भगदड़ को लेकर हर एक एंगल से जांच-पड़ताल करने में जुटी है। इसके साथ ही दीपनगर थानाध्यक्ष समेत 5 पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। इसके अलावा मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष समेत 20 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने बुधवार को मंदिर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि ये कहीं न कहीं प्रबंधन के स्तर पर चूक हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मंदिर का पंजीकरण और बेहतर प्रबंधन अनिवार्य है। भविष्य में फिर इस तरह की घटना ना हो, इसके लिए अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। भगदड़ में 9 लोगों की जान जाने से परिजनों के बीच मातम पसरा है। बुधवार को ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिजनों का ढाढस बांधा और घटना के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही हादसे के बाद गांव में कहीं ना कहीं भय का माहौल है। इसकी वजह से आज कई दुकानें बंद हैं।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण कर बिपार्ड स्किल पार्क की व्यवस्थाओं को सुधारने का दिया निर्देश

प्रशिक्षुओं की सुविधाओं का रखें ख्याल : नीतीश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना स्थित बिपार्ड स्किल पार्क के दक्षता भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वाल्मी परिसर में संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत अवलोकन किया। साथ ही प्रशिक्षुओं के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं, मेस व्यवस्था और छात्रावासों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हिमाद्री छात्रावास समेत अन्य हॉस्टलों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और परिसर को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कक्षाओं में पढ़ रहे प्रशिक्षुओं से बातचीत की और उन्हें मन लगाकर प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है और कौशल विकास के जरिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

दिया जा रहा है। उन्होंने बड़े ही सहज अंदाज में छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि वे मन लगाकर तकनीकी कौशल प्राप्त करेंगे तो उन्हें रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री का यह 'आत्मनिर्भर' बनने का गुर उन युवाओं के लिए संजीवनी की तरह था, जो बेहतर भविष्य की तलाश में दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का सख्त तेवर भी देखने को मिला। उन्होंने बिपार्ड स्किल पार्क की व्यवस्थाओं को देखते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सीएम ने हिमाद्री छात्रावास और अन्य आवासीय सुविधाओं का भी जायजा लिया और अधिकारियों से कहा कि पूरे परिसर को न केवल व्यवस्थित रखें बल्कि यहां रहने वाले छात्रों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए हर संभव संसाधन उपलब्ध करा रही है और इसका लाभ सीधे छात्रों तक पहुंचना चाहिए। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव सह बिपार्ड के महानिदेशक (शेष पृष्ठ 11 पर)

निवेशकों के लिए पारदर्शी माहौल बना रही सरकार : दिलीप

पटना(नबिटा ब्यूरो)। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेशकों के लिए बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार ने एमनेस्टी पॉलिसी 2025 और एग्जिट पॉलिसी 2025 के तहत आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ाकर अब 30 जून 2026 कर दी है। एमनेस्टी पॉलिसी 2025 के तहत उद्योगों से जुड़े पुराने और लंबित मामलों को सुलझाने का मौका दिया जा रहा है, जिससे उद्यमियों को राहत मिलेगी और बंद पड़ी परियोजनाओं को दोबारा शुरू करने में मदद मिलेगी। एग्जिट पॉलिसी 2025 के तहत बंद, निष्क्रिय या विवाद में फंसी औद्योगिक इकाइयों के मालिक अपनी आवंटित जमीन को स्वेच्छा से बियाडा को वापस कर सकते हैं। इससे उन्हें मुआवजा मिलने की संभावना बनेगी और विवाद खत्म करने का रास्ता भी खुलेगा। इस बारे में उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए पारदर्शी, (शेष पृष्ठ 11 पर)

संपत्ति विवाद में मामा की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। रोहतास जिले के नासरीगंज से बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जिसने रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर दिया। मामला बच्चों की मामूली खेल-खेल में हुई लड़ाई से शुरू हुई थी लेकिन देखते ही देखते यह इतनी बड़ी घटना में बदल गई कि एक भांजे ने अपने सगे मामा को दिनदहाड़े गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। नासरीगंज थाना क्षेत्र के पडुरी गांव की इस घटना में मृतक की पहचान 60 वर्षीय बैजनाथ सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए और पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है। बुधवार सुबह परिवार के दो बच्चों के बीच खेल के दौरान छोटी सी नोक-झोंक हो गई। इसी बात को लेकर मामा और भांजे के बीच जमकर कहासुनी हुई और माहौल गरमाता चला गया। भांजे ने आवेश में आकर जान से मारने की धमकी दे डाली। इसके कुछ ही देर बाद जब बैजनाथ सिंह अपने बेटे के साथ गांव से कहीं निकल रहे थे तभी डिहरी-बिक्रमगंज मार्ग पर पडुरी चौक के पास भांजे ने उन पर गोली चला दी। गंभीर रूप से घायल बैजनाथ को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गयालेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारों का मानना है कि बच्चों की मामूली लड़ाई महज एक बहाना थी और असली कारण संपत्ति को लेकर वर्षों से सुलगती रंजिश थी। बिक्रमगंज डीएसपी सिंधु शेखर सिंह ने बताया कि परिवार में संपत्ति बंटवारे का पुराना विवाद चला आ रहा था और इसी की परिणति इस हत्याकांड के रूप में सामने आई। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को आरोपी बनाया है और सभी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग जगहों पर छापेमारी जारी है।

पिता नीतीश कुमार को लेकर निशांत का भावुक बयान

'मैं उस महान शख्स का पुत्र हूं, जिन्होंने बिहार को खुशहाल बनाया'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही दिल्ली की सियासत में सक्रिय होने वाले हैं। वे विधान परिषद से इस्तीफा दे चुके हैं और कभी भी सीएम पद भी छोड़ सकते हैं। ऐसे में जदयू के तमाम नेता उनको लेकर काफी भावुक नजर आ रहे हैं। इस बीच उनके बेटे निशांत कुमार ने सोशल मीडिया पर भावुक बयान दिया है जिसमें उन्होंने पिता के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि उनको अपने पिता पर गर्व है। जदयू नेता निशांत कुमार ने कहा 'मुझे गर्व है कि मैं उस महान शख्स का पुत्र हूं, जिन्होंने खस्ताहाल बिहार को खुशहाल बिहार बनाया। जिन्होंने अंधेरे बिहार में हर घर रोशनी पहुंचाई। जिन्होंने खंडहर बनते स्कूल भवनों को नया स्वरूप दिया। सड़क विहीन बिहार के हर गांव टोले में सड़कें पहुंची। नए

बिहार के पुनर्निर्माण के लिए मैं पिताजी के संकल्प और फौलादी इरादे को बार-बार प्रणाम करता हूं।' निशांत ने कहा कि 'पिताजी ने अपने संकल्प और दूरदर्शिता से नया उन्नत बिहार बनाया। हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुए। गड्ढ़ों से सड़कें निकली। स्कूलों के नए भवन बने। हर घर बिजली पहुंची। अपराधी राज की जगह कानून का राज बना। मुझे गर्व है कि मैं इतने दूरदर्शी और संकल्प के धनी शख्स का पुत्र हूं, जिन्होंने खस्ताहाल बिहार को खुशहाल बिहार बनाकर दिखा दिया।' एक दिन पहले निशांत ने पोस्ट कर जदयू को आगे बढ़ाने में पिता के योगदान का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, 'बिहार हम सभी का गौरव है। हमारी पहचान है। इसी तरह अपनी पार्टी भी हमारी आन, बान और शान है। बिहार के करोड़ों लोगों ने पिताजी की निर्माण यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाया है। हम सबको मिलकर जदयू को नई ऊंचाई पर पहुंचाना है।'

लोक समिति : भारतीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण अध्याय

● कमल किशोर

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास केवल चुनावों, सरकारों और सत्ता-परिवर्तन की कथा नहीं है। इसके समानांतर एक ऐसी परंपरा भी रही है, जिसने सत्ता के बाहर रहकर समाज और व्यवस्था को नैतिक दिशा देने का काम किया। इसी परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है–लोक समिति। यह संगठन न तो किसी सत्ता-लोलुप राजनीति की उपज था और न ही किसी तात्कालिक आंदोलन की भावनात्मक प्रतिक्रिया; बल्कि यह उस दीर्घ साधना का परिणाम था, जिसमें लोकतंत्र को केवल शासन-प्रणाली नहीं, बल्कि जन-नियंत्रित नैतिक व्यवस्था के रूप में देखने का स्वप्न निहित था।

पृष्ठभूमि : जेपी का जीवन-दर्शन और लोक समिति की अवधारणा

लोक समिति की स्थापना महान सर्वोदयी नेता जयप्रकाश नारायण के सामाजिक-राजनीतिक चिंतन की स्वाभाविक परिणति थी। जेपी का जीवन स्वयं में एक असाधारण प्रयोग था। विवाह के उपरांत भी पत्नी सहित आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन, अमेरिका में श्रम कर उच्च शिक्षा अर्जित करना, मार्क्सवाद और समाजवाद का गहन अध्ययन, और फिर सत्ता व संपत्ति से पूर्ण विरक्ति–ये सब उन्हें साधारण राजनेता से अलग एक नैतिक प्रतीक बनाते हैं। उनके पास न निजी संपत्ति थी, न सत्ता की लालसा। उन्होंने सत्ता को ठोकर मारते हुए महात्मा गांधी और विनोबा भावे के मार्ग को अपनाया। भूदान, ग्रामदान, सर्वोदय, अकाल एवं आपदा राहत, डाकुओं का पुनर्वास और जनता का राजनीतिक शिक्षण–ये सभी कार्य उनके लिए आंदोलन नहीं, बल्कि जीवन-धर्म थे। इन्हीं रचनात्मक और नैतिक प्रयोगों की श्रृंखला में लोक समिति का विचार जन्म लेता है। यह विचार भारतीय लोकतंत्र को केवल प्रतिनिधित्व तक सीमित न रखकर, जन-सक्रिय निगरानी और नैतिक नियंत्रण से जोड़ने का प्रयास था।

लोक समिति का गठन : एक गैर राजनीतिक जन प्रयोग

यद्यपि जेपी सत्ता-राजनीति से निराश थे, लेकिन जनता से उनका भरोसा अडिग था। वे मानते थे कि अवाम ने उन्हें नहीं छला है; समस्या नेतृत्व और संरचनाओं की है। इसी विश्वास से एक ऐसे गैर-राजनीतिक संगठन की अवधारणा जन्मी, जो बेलगाम अफसरशाही और जनप्रतिनिधियों पर नैतिक दबाव बना सके। अंततः 30 जून 1977 को लोक समिति का गठन हुआ। इसके प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं जेपी बने। उनका चुम्बकीय व्यक्तित्व ही इस संगठन की प्रारंभिक शक्ति था। उनके आह्वान पर बिहार के साथ-साथ गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओड़िशा, बंगाल सहित अनेक राज्यों में लोक समितियाँ गठित हुईं। इस अभियान से आचार्य राममूर्ति, ठाकुर दास बंग, सिद्धराज ढढा जैसे प्रतिष्ठित सर्वोदयी कार्यकर्ता जुड़े। संगठन की संरचना ग्राम, प्रखंड और जिला स्तर तक फैलाई गई। मतदाता परिषदों का गठन हुआ, और कहीं-कहीं लोक उम्मीदवार भी खड़े किए गए। उद्देश्य स्पष्ट था–राजनीति पर जनता की निगरानी और लोकतंत्र में नैतिक हस्तक्षेप।

नेतृत्व संकट और संगठनात्मक चुनौतियां

दुर्भाग्यवश, लोक समिति को सुदृढ़ होने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल सका। जेपी का लगातार गिरता स्वास्थ्य और फिर उनका देहांत इस प्रयोग के लिए एक बड़ा आघात सिद्ध हुआ। प्रारंभिक वर्षों में जेपी के आभामंडल की चमक ने संगठन को ऊर्जा अवश्य दी, लेकिन उनके बाद नेतृत्व का गंभीर संकट उभर आया। बिहार को छोड़कर अन्य प्रांतों में संगठन धीरे-धीरे निष्क्रिय होता चला गया। वैचारिक स्पष्टता और केंद्रीय नैतिक नेतृत्व के अभाव में लोक समिति बिखरने लगी और कई स्थानों पर मृतप्राय हो गई लेकिन बिहार ने इस आग को अलग अलग क्षेत्रों में बेहद संजो कर रखा।

छात्र आंदोलन से इमरजेंसी तक : ऐतिहासिक संदर्भ

लोक समिति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए 1970 के दशक की उथल-पुथल को देखना आवश्यक है। जेपी के नेतृत्व में गुजरात और बिहार में चले छात्र आंदोलन व्यवस्था के विरुद्ध जनाक्रोश की अभिव्यक्ति थे। भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी और सत्ता के दमनकारी स्वरूप के खिलाफ उठी यह आवाज़ शीघ्र ही राष्ट्रीय आंदोलन में परिवर्तित हो गई। केंद्र की कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल (इमरजेंसी) ने लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरी चोट पहुँचाई। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार और राजनीतिक गतिविधियाँ लगभग ठप हो गईं। इसके बाद 1977 में हुए आम चुनाव में जेपी के दिशा-निर्देशन में गठित जनता पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत मिला और सत्ता परिवर्तन हुआ। किन्तु सत्ता में परिवर्तन के बावजूद व्यवस्था परिवर्तन की वह गंभीरता दिखाई नहीं दी, जिसकी अपेक्षा थी। सत्ता के गलियारों में फिर से कुर्सी की राजनीति हावी हो गई। यह वही क्षण था, जब जेपी ने अनुभव किया कि केवल सरकार बदलना पर्याप्त नहीं है; लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए जनता को निरंतर सजग और संगठित रहना होगा।

बिहार में लोक समिति : जन-संघर्ष और सामाजिक सौहार्द का प्रयोग

● अजय कुमार श्रीवास्तव

लोक समिति का इतिहास यदि किसी एक प्रदेश में अपेक्षाकृत अधिक जीवंत और कर्मशील दिखाई देता है, तो वह बिहार है। यह स्वाभाविक भी था, क्योंकि बिहार न केवल जयप्रकाश नारायण की कर्मभूमि रहा, बल्कि संपूर्ण क्रांति की चेतना का केंद्र भी यहीं से विकसित हुई थी। जेपी के देहांत के बाद जहाँ देश के अनेक हिस्सों में लोक समिति शिथिल पड़ती चली गई, वहीं बिहार में यह संगठन सीमित संसाधनों और नेतृत्व-संकट के बावजूद कुछ समय तक सक्रिय रहा और उसने जन-सरोकारों से जुड़े ठोस कार्यक्रम हाथ में लिए। बिहार में लोक समिति की गतिविधियाँ मुख्यतः दो स्तरों पर केंद्रित रहीं–एक, व्यवस्था परिवर्तन के व्यापक प्रश्न पर और दूसरा, स्थानीय एवं तात्कालिक जन-समस्याओं के समाधान पर। इन दोनों ही स्तरों पर संगठन ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया कि लोकतंत्र केवल सत्ता-परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के जीवन से जुड़े बुनियादी अधिकारों को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है।

काम के अधिकार की मांग : एक वैचारिक और व्यावहारिक संघर्ष

लोक समिति के बिहार अध्याय का सबसे उल्लेखनीय कार्यक्रम वर्ष 1987 में सामने आया, जब काम के अधिकार को मौलिक अधिकारों में शामिल करने की माँग को लेकर पटना से दिल्ली तक एक ऐतिहासिक साइकिल रैली निकाली गई। यह रैली केवल एक प्रतीकात्मक यात्रा नहीं थी, बल्कि श्रम, रोजगार और आर्थिक नीतियों पर राष्ट्रीय बहस छेड़ने का सुनियोजित प्रयास थी। इस रैली में बिहार के साथ-साथ बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और आंध्र प्रदेश से कुल 175 प्रतिभागी शामिल हुए। 33 दिनों तक चली इस पदयात्रा-समान साइकिल रैली के दौरान सैकड़ों स्थानों पर जनसभाएँ आयोजित की गईं। इन सभाओं में लोक समिति के कार्यकर्ताओं ने आम जनता के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर को रेखांकित किया–रोजगार और नौकरी के बीच का अंतर। यह समझाने का प्रयास किया गया कि नौकरी कुछ गिने-चुने लोगों को मिल सकती है, लेकिन काम का अधिकार हर नागरिक के जीवन-निर्वाह से जुड़ा प्रश्न है। आर्थिक नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा करते हुए यह तर्क सामने रखा गया कि जब तक राज्य काम की गारंटी नहीं देता, तब तक सामाजिक न्याय का सपना अधूरा ही रहेगा।

सत्ता से संवाद और निराशा का यथार्थ

इस आंदोलन का एक उद्देश्य तत्कालीन प्रधानमंत्री वी. पी. सिंह पर उनकी पूर्वघोषणाओं को अमल में लाने का नैतिक दबाव बनाना भी था। रैली के दौरान अनेक सांसद, पत्रकार और बुद्धिजीवी इस माँग के समर्थन में आगे आए। ऐसा प्रतीत होने लगा कि काम के अधिकार का प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन रहा है। किन्तु सत्ता की आपाधापी, राजनीतिक अस्थिरता और प्राथमिकताओं की उथल-पुथल के बीच यह जन-दबाव ठोस नतीजे तक नहीं पहुँच सका। अंततः यह प्रयास भी भारतीय लोकतंत्र की उन अनेक पहलों की तरह रह गया, जहाँ विचार की प्रासंगिकता तो स्वीकार की गई, लेकिन उसे नीति और कानून का रूप नहीं मिल पाया।

साम्प्रदायिक सौहार्द : जमीनी हस्तक्षेप का उदाहरण

इसी दौर में बिहार के कई हिस्सों में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ने लगा था। यह एक गंभीर सामाजिक चुनौती थी, जो लोकतांत्रिक ताने-बाने को कमजोर कर सकती थी। लोक समिति ने इसे केवल राजनीतिक समस्या मानने के बजाय सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लिया। संगठन ने संवेदनशील क्षेत्रों में सौहार्द्र वृद्धि के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए–संवाद बैठकें, सामूहिक सभाएँ और स्थानीय स्तर पर विश्वास-निर्माण के प्रयास किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संवाद था; उकसावे का नहीं, बल्कि समझ का वातावरण बनाना था। इन पहलों का परिणाम उत्साहजनक रहा। कई स्थानों पर तनाव कम हुआ और लोक समिति की छवि एक जिम्मेदार, संतुलित और भरोसेमंद सामाजिक संगठन के रूप में उभरी। लोगों का विश्वास संगठन पर बढ़ा और यह धारणा मजबूत हुई कि राजनीति से परे भी कुछ मंच ऐसे हो सकते हैं, जो समाज को जोड़ने का काम करें। बिहार में लोक समिति का अनुभव यह दर्शाता है कि सीमित संसाधनों और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी यदि दृष्टि स्पष्ट हो, तो जन-संघर्ष सार्थक दिशा ले सकता है। यद्यपि काम के अधिकार जैसे बड़े मुद्दों पर तात्कालिक सफलता नहीं मिली, और संगठन अंततः व्यापक स्तर पर टिक नहीं सका, फिर भी इसके प्रयास भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण सबक छोड़ गए। लोक समिति ने यह प्रमाणित किया कि व्यवस्था परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं, बल्कि जनता के बीच निरंतर संवाद, संगठन और नैतिक दबाव से संभव होता है। बिहार में इसके कार्य उसी परंपरा की याद दिलाते हैं, जिसे जेपी ने जीवन भर जिया–लोकतंत्र को जन-नियंत्रित, संवेदनशील और मानवीय बनाने की परंपरा।

बिहार से जुड़े मुद्दे और लोक समिति की पहलें :

विकास से सामाजिक परिवर्तन तक

लोक समिति की पहचान केवल सत्ता-समीक्षा या व्यवस्था परिवर्तन की वैचारिक बहस तक सीमित नहीं रही। बिहार में इस संगठन ने विकास और सामाजिक न्याय को जमीन पर उतारने के लिए जिन पहलों को आगे बढ़ाया, वे इसे एक सक्रिय जन-संगठन के रूप में स्थापित करती हैं। यहाँ लोक समिति ने विकास को महज सरकारी योजनाओं और आँकड़ों का विषय न मानकर, सामाजिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास किया। यही कारण है कि इसके कार्यक्रमों में एक ओर बुनियादी जरूरतों की चर्चा थी, तो दूसरी ओर समाज की जड़ता और विभाजन को तोड़ने की ठोस कोशिशें भी। बिहार में लोक समिति की पहलें यह सिद्ध करती हैं कि सामाजिक परिवर्तन केवल कानून या सत्ता से नहीं, बल्कि साहसिक सामाजिक प्रयोगों से भी संभव है। विकास को लेकर जागरण यात्रा हो या समाज को जोड़ने के लिए अंतरजातीय विवाह सम्मेलन–इन सबमें एक साझा सूत्र दिखाई देता है : जनता को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन का सहभागी बनाना। यद्यपि लोक समिति समय के साथ संगठनात्मक रूप से कमजोर पड़ी, लेकिन बिहार में किए गए इसके प्रयास आज भी यह याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की आत्मा तब तक जीवित रहती है, जब तक समाज में प्रश्न पूछने, जोड़ने और बदलने का साहस बना रहता है।

विकास का मुद्दा : 'नीचे तक न उतर पाने' की पीड़ा

वर्ष 1991 में लोक समिति ने बिहार जागरण यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा अपने स्वरूप में किसी राजनीतिक रैली से अलग थी। चुने हुए, प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं का एक जत्था पूरे राज्य में घूम-घूमकर लोगों के बीच विकास के सवाल पर संवाद करता रहा। इस यात्रा का मूल उद्देश्य यह उजागर करना था कि विकास की योजनाएँ कागज़ पर तो बनती हैं, लेकिन उनका ठोस लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रायः नहीं पहुँच पाता। विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं तक विकास का लाभ पहुँचने की प्रक्रिया दोहरी बाधाओं से ग्रस्त रही–एक ओर इन वर्गों की सामाजिक-शैक्षणिक बेहोशी, और दूसरी ओर प्रशासनिक एवं नीतिगत त्रुटियाँ। लोक समिति ने इन दोनों पहलुओं को सामने रखते हुए यह स्पष्ट किया कि जब तक जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक कोई भी योजना अपने लक्ष्य को नहीं छू सकती। इसी दृष्टि से राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित किए गए और विकास के प्रति जन-संवेदनशीलता पैदा करने का कार्य निरंतर जारी रहा।

अंतरजातीय-अंतरधार्मिक विवाह : सामाजिक साहस की पहल

बिहार में बढ़ते जातीय और साम्प्रदायिक तनाव को लोक समिति ने एक गहरी सामाजिक बीमारी के रूप में देखा। इस समस्या के समाधान के लिए संगठन ने केवल भाषण या निंदा तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि एक साहसिक और व्यावहारिक नीति अपनाई–अंतरजातीय और अंतरधार्मिक विवाह को प्रोत्साहन। इसी सोच से ल्लमानव जोड़ो अभियानङ्क की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य समाज में व्याप्त लिंग भेद, तिलक-दहेज जैसी कुरीतियों और विकास के मुद्दों पर छाए सन्नाटे को तोड़ना था। पटना में एक मैरिज ब्यूरो की स्थापना की गई, जो जाति, सम्प्रदाय और दहेज के बंधनों से मुक्त विवाह के इच्छुक युवक-युवतियों का संयोजन करता था।

विवाह सम्मेलन : विचार को व्यवहार में बदलने का प्रयास

लोक समिति के इस अभियान की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह थी कि अंतरजातीय-अंतरधार्मिक विवाहों को सामाजिक स्वीकृति दिलाने के लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से आयोजित किया गया। इन समारोहों में केवल विवाह नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक सामाजिक संस्कृति का प्रदर्शन होता था। इस अभियान के अंतर्गत ऐसे विवाह करने वाले दम्पतियों को कानूनी सुरक्षा, प्रोत्साहन राशि और प्रशासनिक सहयोग दिलाने में भी मदद की गई। पटना, राँची और भागलपुर जैसे स्थानों पर आयोजित लगभग एक दर्जन विवाह सम्मेलनों में करीब 700 जोड़ियों ने सहजीवन का संकल्प लिया। इन समारोहों में कुलदीप नैय्यर, स्वामी अग्निवेश और मन्नू भंडारी जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने इस पहल को नैतिक बल दिया। ऐसे अनेक राजनेता और उच्चाधिकारी भी इनमें शामिल हुए, जो स्वयं अंतरजातीय या अंतरधार्मिक विवाह के पक्षधर थे।

व्यापक सामाजिक सरोकारों पर निरंतर कार्यक्रम

लोक समिति की विशेषता यह रही कि उसने विकास को बहुआयामी प्रश्न के रूप में लिया। साक्षरता और शिक्षा से लेकर सिंचाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और पुलिस अत्याचार तक–ऐसा कोई क्षेत्र नहीं था, जिसे उसने जन-सरोकार से बाहर समझा हो। सरकारी योजनाओं में अनियमितता, सामाजिक कुरीतियाँ, अंधविश्वास, बीमारियों से बचाव, टीकाकरण, जल-जंगल-जमीन पर सामुदायिक अधिकार, स्वशासन और पंचायत चुनाव–इन सभी विषयों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन पहलों का उद्देश्य केवल विरोध दर्ज कराना नहीं था, बल्कि जनता को यह एहसास कराना था कि लोकतंत्र में उनका दायित्व मतदान तक सीमित नहीं है।

भूमि समस्या पर लोक समिति की पहल : न्याय, साहस और जन-जागरण का अध्याय

लोक समिति की पहचान केवल वैचारिक बहसों या राज्यस्तरीय अभियानों तक सीमित नहीं थी। इसकी सबसे बड़ी ताकत स्थानीय स्तर पर उन समस्याओं से जूझने में दिखी, जो सदियों से ग्रामीण समाज को भीतर ही भीतर खोखला कर रही थीं। इनमें भूमि समस्या सबसे जटिल और संवेदनशील प्रश्न था। बिहारऽझारखंड अंचल में भूमि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सत्ता, वर्चस्व और सामाजिक असमानता का प्रतीक रही है। ऐसे में लोक समिति द्वारा इस क्षेत्र में किया गया हस्तक्षेप निश्चय ही साहसिक और ऐतिहासिक था। यह पहल उस लोकचेतना की अभिव्यक्ति थी, जिसकी कल्पना जयप्रकाश नारायण ने की थी–जहाँ अन्याय के विरुद्ध संघर्ष हिंसा से नहीं, बल्कि संगठित जनबल और नैतिक दबाव से किया जाए। भूमि समस्या पर लोक समिति की पहलें यह साबित करती हैं कि यदि जन-संगठन ईमानदार और वैचारिक रूप से स्पष्ट हों, तो वे सबसे जटिल सामाजिक प्रश्नों पर भी प्रभावी हस्तक्षेप कर सकते हैं। चतरा अंचल में हुआ यह संघर्ष केवल जमीन के टुकड़ों की लड़ाई नहीं था, बल्कि सम्मान, अधिकार और लोकतांत्रिक चेतना की पुनर्स्थापना का प्रयास था।

चतरा अंचल : भूमि संघर्ष का प्रतीक

स्थानीय समस्याओं के प्रति लोक समिति की सजगता का सबसे प्रभावशाली उदाहरण तत्कालीन चतरा जिला में देखने को मिला। यहाँ बड़े भूस्वामियों द्वारा सैकड़ों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे की घटनाएँ आम थीं। लोक समिति ने इस अन्याय को केवल दर्ज करने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि संगठित जन-कार्रवाई के माध्यम से उसे चुनौती दी। वर्ष 1988 में हंटरगंज प्रखंड के खोकेवाल गाँव में भूस्वामी कामता प्रसाद के कब्जे से लगभग 150 एकड़ फर्जी जमीन मुक्त कराई गई। यह कोई सामान्य प्रशासनिक कार्रवाई नहीं थी, बल्कि ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से सम्पन्न हुआ जन-अभियान था। इसी प्रकार, जोड़ी गाँव में भूपेन्द्र सिंह द्वारा दबाई गई लगभग 400 एकड़ भूमि को मुक्त कराकर गरीबों के बीच बाँटा गया। इन दोनों ही अभियानों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि जब जनता संगठित होती है, तो सबसे मजबूत सामन्ती ढाँचा भी हिल सकता है।

लोकशक्ति दिवस : जवाबदेही की संस्कृति

लोक समिति की एक महत्वपूर्ण पहल थी–प्रति वर्ष 8 अप्रैल को 'लोकशक्ति दिवस' का आयोजन। इस दिन सरकारी विकास कार्यों का सार्वजनिक हिसाब माँगा जाता था। यह आयोजन केवल विरोध का मंच नहीं था, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही की एक अनौपचारिक लेकिन प्रभावी व्यवस्था थी। ग्रामीणों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाता था–उन्हें यह समझाया जाता था कि सरकारी योजनाएँ किसी उपकार का रूप नहीं, बल्कि उनका अधिकार हैं। साथ ही सरकारी पदाधिकारियों पर नैतिक और सामाजिक दबाव बनाया जाता था, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ गाँवों तक पहुँच सके।

लोक अदालत और सामुदायिक पहलें

सर्वोदय आंदोलन के दिनों में प्रारम्भ हुई लोक अदालत की अवधारणा को लोक समिति ने काफी आगे बढ़ाया। छोटे-मोटे विवादों का निपटारा स्थानीय स्तर पर, संवाद और सहमति के माध्यम से किया जाता था। इससे न केवल न्याय सुलभ हुआ, बल्कि सामाजिक रिश्तों में कटुता भी कम हुई। इसके साथ-साथ सामूहिक श्रमदान से सामाजिक कार्यों का निष्पादन, ग्राम कोष की स्थापना और स्थानीय संसाधनों के सामूहिक उपयोग जैसी पहलें भी चलती रहीं। इन कार्यक्रमों ने ग्रामीण समाज में आत्मनिर्भरता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

दमन के बीच शांति का रास्ता

इन भूमि-मुक्ति अभियानों के दौरान सामन्ती लठैतों और पुलिस की बर्बरता का सामना भी करना पड़ा। दबाव, धमकी और बल-प्रयोग के प्रयास हुए लेकिन इसके बावजूद लोक समिति के कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे। यह उस सर्वोदय परंपरा की जीवंत मिसाल थी, जिसमें अन्याय के प्रतिकार को भी अहिंसा और संयम के साथ साधा जाता है। इस दौर में लोक समिति ने केवल जमीन छुड़ाने का काम नहीं किया, बल्कि सामन्ती परंपराओं और भूमि पर आधारित सामाजिक वर्चस्व को खुली चुनौती दी। भूदान से प्राप्त भूमि और गैरमजरूआ जमीन पर भूमिहीनों को कब्जा दिलाने का कार्य निरंतर चलता रहा।

लोक समिति के बढ़ते कदम...

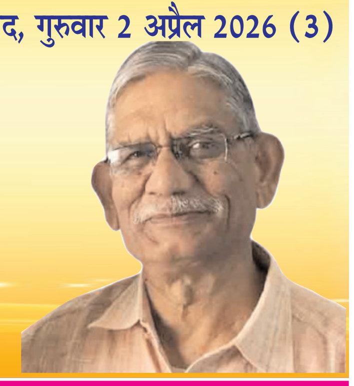

सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है शिक्षा : गिरिजा सतीश

सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे नवभारत जागृति केन्द्र के अध्यक्ष गिरिजा सतीश से विस्तृत और सारगर्भित संवाद किया गया। यह संवाद केवल एक औपचारिक साक्षात्कार नहीं था, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, जनसहभागिता और जमीनी विकास की दिशा में चल रहे प्रयासों का व्यापक विश्लेषण भी था। बातचीत की शुरुआत नवभारत जागृति केन्द्र की स्थापना, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र से हुई। गिरिजा सतीश ने बताया कि संगठन की नींव सामाजिक न्याय, समान अवसर और सतत विकास की अवधारणा पर रखी गई। ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक अधिकारों से जोड़ना नवभारत जागृति केन्द्र का प्रमुख लक्ष्य रहा है। उन्होंने कहा कि विकास केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक अर्थ है—व्यक्ति के जीवन स्तर में ठोस सुधार। यदि किसी गांव में शिक्षा, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार के अवसर उपलब्ध हो जाएं, तो वही सच्चा विकास है। नवभारत जागृति केन्द्र ने वर्षों के दौरान स्वयं सहायता समूहों, सामुदायिक बैठकों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से हजारों परिवारों तक अपनी पहुंच बनाई है। संगठन का विश्वास है कि जब तक समुदाय स्वयं अपने विकास की जिम्मेदारी नहीं लेगा, तब तक स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है। कार्यक्रम में शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम बताया गया। गिरिजा सतीश ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक बड़ी चुनौती है। विद्यालयों की आधारभूत संरचना, प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी और आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई बच्चे पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। नवभारत जागृति केन्द्र ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष अभियान चलाए हैं—बाल शिक्षा केंद्र, छात्रवृत्ति सहायता और अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम। गिरिजा सतीश ने कहा कि युवाओं को केवल दर्शक नहीं, बल्कि भागीदार बनना होगा। कौशल विकास प्रशिक्षण, उद्यमिता प्रोत्साहन और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से नवभारत जागृति केन्द्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। संवाद का एक महत्वपूर्ण हिस्सा महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा। गिरिजा सतीश ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को बचत, ऋण सुविधा और लघु उद्योगों से जोड़ा गया है। आज अनेक महिलाएं सिलाई, डेयरी, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं। इससे न केवल आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि सामाजिक निर्णयों में भी उनकी भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा, जब एक महिला सशक्त होती है, तो उसका पूरा परिवार और समाज सशक्त होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और स्वच्छता के अभाव को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। नवभारत जागृति केन्द्र ने स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण जागरूकता और स्वच्छता अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी संगठन सक्रिय है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छ गांव अभियान के जरिए सतत विकास के लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। गिरिजा सतीश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। गिरिजा सतीश ने स्पष्ट कहा कि संसाधनों की कमी, जागरूकता का अभाव और कभी-कभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता बड़ी बाधाएं हैं। लेकिन इन सबके बावजूद, यदि नीयत साफ हो और समुदाय का सहयोग मिले, तो हर चुनौती का समाधान संभव है। भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि नवभारत जागृति केन्द्र डिजिटल साक्षरता, जलवायु परिवर्तन जागरूकता और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक अभियान चलाने की तैयारी में है। यह संवाद इस बात का उदाहरण है कि जब मीडिया और सामाजिक संस्थाएं मिलकर समाज के मुद्दों पर गंभीर चर्चा करती हैं, तो परिवर्तन की राह और अधिक सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सामाजिक विकास केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की साझी जिम्मेदारी है। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जागरूकता, सहभागिता और सतत प्रयास अनिवार्य हैं और यही संदेश इस विशेष संवाद के माध्यम से पूरे क्षेत्र में प्रसारित हुआ।

मुद्दे और जन भागीदारी : लोक समिति का दीर्घ सामाजिक हस्तक्षेप

लोक समिति की पहचान किसी एक आंदोलन, किसी एक माँग या किसी एक समय-खंड तक सीमित नहीं रही। इसका वास्तविक स्वरूप लगातार बदलते सामाजिक प्रश्नों के साथ चलने वाली जन-भागीदारी की प्रक्रिया में प्रकट होता है। समय के साथ मुद्दे बदले, प्राथमिकताएँ विस्तृत हुईं, लेकिन मूल दृष्टि वही रही—सत्ता के बजाय समाज को केंद्र में रखना, और विकास को सांप्रदायिकता व जातिवाद के संकुचित विमर्श से बाहर निकालकर व्यापक जन-सरोकार बनाना। लोक समिति की यह पूरी यात्रा—सम्मेलनों से लेकर यात्राओं तक, महिला सशक्तिकरण से लेकर पंचायत राजनीति तक—इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र केवल सत्ता-परिवर्तन का तंत्र नहीं, बल्कि निरंतर जन-संवाद और भागीदारी का अभ्यास है। इस संगठन की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि उसने मुद्दों को जनता से जोड़ा और जनता को मुद्दों का स्वामी बनाया। यही लोक समिति की सधी हुई, शांत लेकिन दूरगामी विरासत है।

विकास पर गंभीर बहस की शुरुआत

20 नवम्बर 1992 को लोक समिति द्वारा बिहार का पिछड़ापन : समस्या और समाधान विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। यह सम्मेलन उस दौर में हुआ, जब बिहार की राजनीति प्रायः जाति और पहचान के इर्द-गिर्द सिमटी हुई थी। लोक समिति ने इस प्रवृत्ति से आगे बढ़कर विकास, संसाधन, नीति और संरचनात्मक कारणों पर गंभीर बहस का वातावरण बनाया। यहीं से महिला लोक समिति की मजबूती पर विशेष ध्यान दिया गया। महिलाओं के लिए नौकरी, विधान सभा और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण, महिला सुरक्षा हेतु महिला थाना स्थापना जैसी माँगों को लेकर कार्यक्रम शुरू हुए। यह स्पष्ट संदेश था कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक आधी आबादी को बराबर की भागीदारी नहीं मिलती।

सद्भाव, स्वशासन और विस्थापितों के अधिकार

लोक समिति ने साम्प्रदायिक सद्भाव को केवल प्रतीकात्मक आयोजनों तक सीमित नहीं रखा, फिर भी ईद-होली मिलन समारोहों जैसे कार्यक्रम समाज को जोड़ने के प्रभावी माध्यम बने। साथ ही पंचायती राज कानून पर जागरूकता फैलाने का कार्य हुआ, ताकि स्थानीय स्वशासन केवल कागज़ी व्यवस्था न रह जाए। टंडवा (चतरा) क्षेत्र में कोयला खनन परियोजना से विस्थापितों का व्यापक सर्वेक्षण कर उन्हें भूमि-संबंधी अभिलेख दिलाने में सहायता की गई। यह पहल विकास बनाम विस्थापन के प्रश्न को मानवीय दृष्टि से देखने का उदाहरण थी।

महिला, बुनकर और आदिवासी : हाशिये से केंद्र की ओर

वर्ष 1994 में महिला लोक समिति की चौपारण इकाई द्वारा करमा गाँव को शराब मुक्त बनाने का प्रयास सामाजिक हस्तक्षेप का उल्लेखनीय उदाहरण रहा। इसी वर्ष बुनकर सम्मेलन और आदिवासी सम्मेलन आयोजित हुए, जिनमें इन वर्गों की आजीविका, संसाधनों पर अधिकार और विकास में हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर गंभीर संवाद हुआ। 1996ऽ97 के दौरान ग्रामीण विकास कार्यों में महिला संवेदकों को प्रोत्साहित करने, दलित सम्मेलन और घोटालों-भ्रष्टाचार के विरोध में कार्यक्रम आयोजित किए गए। 1999-2000 में मध्य बिहार के नरसंहारों पर लोक समिति ने कड़ा विरोध दर्ज किया और पंचायत चुनाव, महिला आरक्षण, सूचना का अधिकार तथा झारखण्ड राज्य की माँग को लेकर सक्रिय भूमिका निभाई।

झारखण्ड जागरण यात्रा और हाशिये के समाज

वर्ष 2004 में आयोजित झारखण्ड जागरण यात्रा लोक समिति के विस्तृत जन-संपर्क का महत्वपूर्ण चरण थी। राज्य के 22 जिलों में तिलकऽदहेज विरोध, पंचायत चुनाव और जन-जागरूकता को लेकर लोगों से संवाद किया गया। इसके अगले वर्ष अनुसूचित जातियों में भी सबसे निचले पायदान पर खड़ी मुसहर जाति की समस्याओं पर शबरी सम्मेलन का आयोजन हुआ। साथ ही सुनामी पीड़ितों के लिए राहत-संग्रह और बेरोजगार युवकों हेतु बेकार पड़ी छोटी कोयला खदानों के आबंटन जैसी माँगों के माध्यम से समाज और सरकार का ध्यान आकृष्ट किया गया।

जनवकालत का विस्तार : अधिकार, न्याय और सुधार

इसके बाद लोक समिति ने पंचायती राज व्यवस्था की मजबूती, ग्राम कचहरी में न्याय, नरेगा, बाढ़ राहत, किसानों के अधिकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भूमि सुधार, मानसिक आरोग्यशाला की माँग, बीपीएल सूची के अद्यतन, विकलांगता प्रमाणपत्र और पुनर्वास जैसे विषयों पर सघन जनवकालत की। बिहार और झारखण्ड में पंचायत चुनावों को लेकर संगठन विशेष रूप से सक्रिय रहा। झारखण्ड पंचायत चुनाव में लोक समिति से जुड़े लगभग 200 प्रतिनिधियों का निर्वाचित होना इस सक्रियता का ठोस परिणाम था। 2012-13 में पंचायतों की स्वायत्तता, किसानों को लागत मूल्य और चुनाव सुधार संगठन के फोकस में रहे।

सम्पूर्ण परिवर्तन यात्रा : संवाद की राजनीति

वर्ष 2013 में लोक समिति के राष्ट्रीय महामंत्री गिरिजा सतीश के नेतृत्व में सम्पूर्ण परिवर्तन यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा दरभंगा, नालन्दा और नवादा जिलों में संपन्न हुई—दरभंगा में 31 मई से 7 जून 2013 और नालन्दा-नवादा में 26 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2013 के बीच। इस यात्रा में स्थानीय स्वशासन, कृषि-पशुपालन हेतु नकद सब्सिडी, कृषि उत्पादों के बेहतर मूल्य, भूमिहीनों के लिए जमीन-घर, राजनीतिक एवं चुनावी सुधार, सिंगल विंडो प्रशासन, पुलिस-न्याय प्रणाली में सुधार, शिक्षा-स्वास्थ्य की नई नीति, शराबबंदी और पड़ोसी देशों से बेहतर संबंध जैसे मुद्दों पर संवाद किया गया। इस दौरान श्री गिरिजा सतीश की पुस्तिका सम्पूर्ण परिवर्तन कैसे का लोकार्पण भी हुआ। यह यात्रा किसी व्यक्ति या दल के विरोध में नहीं, बल्कि उन व्यवस्थागत कारकों की पहचान के लिए थी, जो जनता की बदतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं।

शराबबंदी : दीर्घ जनवकालत का परिणाम

बिहार में शराब के विरुद्ध लोक समिति ने वर्षों तक लगातार जनवकालत की। प्रखंड और जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों ने सामाजिक माहौल को बदला। अंततः अप्रैल 2016 में बिहार सरकार द्वारा शराब पर रोक लगाया जाना इस दीर्घ संघर्ष का एक महत्वपूर्ण परिणाम माना जा सकता है।

लोक कला मंच और साम्प्रदायिक सद्भावना : लोक समिति की सांस्कृतिक दृष्टि

किसी भी समाज में स्थायी परिवर्तन केवल नीतियों, आंदोलनों या प्रशासनिक दबाव से नहीं आता; उसके लिए समाज की संवेदनाओं, प्रतीकों और सांस्कृतिक स्मृतियों को भी जाग्रत करना पड़ता है। लोक समिति ने इस सत्य को गहराई से समझा था। यही कारण है कि उसने राजनीतिक और सामाजिक हस्तक्षेप के साथ-साथ सांस्कृतिक मोर्चे को भी उतनी ही गंभीरता से लिया। लोक समिति के लिए संस्कृति मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि चेतना-जागरण और राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला थी। इसी सोच से लोक कला मंच का गठन हुआ। यह मंच उस विचार का विस्तार था, जिसकी कल्पना जयप्रकाश नारायण ने की थी—कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब उसकी जड़ें जनता की भाषा, लोकजीवन और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में गहरी हों। लोक कला मंच और साम्प्रदायिक सद्भावना के कार्यक्रम यह सिद्ध करते हैं कि लोक समिति ने लोकतंत्र को केवल राजनीतिक ढाँचे के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक परियोजना के रूप में देखा। उसने यह समझा कि जब तक समाज के भीतर संवाद, संवेदना और साझेपन की भावना जीवित नहीं रहेगी, तब तक कोई भी परिवर्तन स्थायी नहीं हो सकता। लोक समिति का यह सांस्कृतिक हस्तक्षेप आज भी प्रासंगिक है। यह हमें याद दिलाता है कि गीत, नाटक, उत्सव और साझा मंच केवल परंपरा नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और दिशा देने के प्रभावी औज़ार हैं और यही लोक समिति की सबसे सधी हुई, मानवीय विरासत है।

सहभागिता का लक्ष्य : विकास की भूख और आत्म पहल

लोक समिति का मानना था कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में सबकी भागीदारी अनिवार्य है। यह भागीदारी केवल औपचारिक समर्थन तक सीमित न रहे बल्कि समाज के भीतर विकास की भूख और स्वयं की पहल पैदा करे—यही लोक कला मंच का अंतर्निहित लक्ष्य था। लक्ष्य समूह के बीच यह समझ विकसित करने का प्रयास हुआ कि गरीबी और शोषण कोई दैवी विधान नहीं बल्कि ऐतिहासिक और व्यवस्थागत कारणों का परिणाम हैं। जब इन कारणों की समझ बनती है, तभी लोग अपने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए संगठित प्रयास करने को प्रेरित होते हैं। लोक समिति ने इसी रास्ते को रेखांकित किया और लोक कला मंच को उसका सशक्त माध्यम बनाया।

लोक कला मंच : संस्कृति के माध्यम से जन-जागरण

लोक समिति द्वारा गठित लोक कला मंच का उद्देश्य स्पष्ट था—चेतना जागरण, सामाजिक परिवर्तन और विकास के लिए समाज के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करना। यह माना गया कि जिन बातों को भाषण या लेख पूरी तरह नहीं पहुँचा पाते, उन्हें गीत, नाटक और लोक-प्रस्तुति सहजता से जनमानस तक पहुँचा देती हैं। इस मंच के माध्यम से लोक कलाकारों को प्रोत्साहन मिला। सामाजिक मुद्दों पर आधारित गीत लिखे गए, नाटक रचे गए और उनका सार्वजनिक मंचन हुआ। इन प्रस्तुतियों में गरीबी, शोषण, असमानता, शिक्षा, महिला सम्मान और विकास जैसे प्रश्नों को सरल, प्रभावशाली और भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जाता था, ताकि आम जनता परिस्थितियों को समझ सके और अपनी राय बना सके। लोक कला मंच ने दर्शक को केवल श्रोता या उपभोक्ता नहीं, बल्कि संवाद का सहभागी बनाया। मंचन के बाद होने वाली चर्चाएँ और प्रतिक्रियाएँ इस बात का प्रमाण थीं कि कला के माध्यम से विचार समाज में गहराई तक उतर सकते हैं।

साम्प्रदायिक सद्भावना : जोड़ने की संस्कृति

लोक समिति की कार्यशैली का मूल स्वर समाज को जोड़ना था, इसलिए साम्प्रदायिक सद्भावना उसकी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रही। संगठन ने यह माना कि विभाजन की राजनीति का मुकाबला केवल तर्क से नहीं, बल्कि साझी सांस्कृतिक अनुभूतियों से किया जा सकता है। सर्वधर्म समभाव को प्रोत्साहित करने के लिए लोक समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष इफ़्तार की दावत, ईद मिलन और होली मिलन समारोह आयोजित किए जाते थे। इन आयोजनों में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन सहित सभी समुदायों की सहभागिता रहती थी। यह सहभागिता औपचारिक नहीं, बल्कि आत्मीय होती थी—जहाँ भोजन, संवाद और सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से दूरी मिटती थी। इन अवसरों पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न धर्मों की मूल शिक्षाओं पर प्रकाश डाला जाता था—करुणा, प्रेम, अहिंसा, सत्य और सह-अस्तित्व जैसे मूल्य, जो किसी एक धर्म के नहीं बल्कि सम्पूर्ण मनुष्य जाति की साझा धरोहर हैं।

लोक समिति, बिहार के प्रमुख स्तंभ

शिवजी सिंह
प्रदेश महामंत्री

अजय कुमार श्रीवास्तव
जिलाध्यक्ष, औरंगाबाद

अजय कुमार संतोष
संयोजक, औरंगाबाद

डॉ. नीलम रानी
संयोजक, महिला मंडल

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की अमर रचना

वर्ष 1946 में इसे पटना के प्रसिद्ध गांधी मैदान में अगस्त क्रांति के नायक जयप्रकाश नारायण के सम्मान में गाया गया था।

झंझा सोई तूफान रुका, प्लावन जा रहा कगारों में।
जीवित है, सबका तेज किन्तु, अब भी तेरी हुंकारों में।।

दो दिन पर्वत का मूल हिला, फिर उतर सिंधु का ज्वार गया।
पर सौंप देश के हांथों में, वह एक नयी तलवार गया।।

जय हो भारत के नये खड्ग, जय तरुण देश के सेनानी।
जय नई आग! जय नयी ज्योति! जय नये लक्ष्य के अभियानी ।।

स्वागत है, आओ काल सर्प के, फण पर चढ़ चलने वाले।
स्वागत है, आओ 'हवन कुंड' में कूद स्वयं जलने वाले।

मुठ्ठी में लिये भविष्य देश का, वाणी में हुंकार लिए।
मन से उतार कर हसथों में, निज स्वप्नों का संसार लिये।।

सेनानी करो प्रयाण अभय, भावी इतिहास तुम्हारा है।
ये नखत अमा के बुझते हैं, सारा आकाश तुम्हारा है।।

साँसों का पाकर बेग, देश की हवा तपी सी जाती है।
गंगा के पानी में देखो, परछाई आग लगाती है।।

लौटे तुम रूपक बन स्वदेश की, आग भरी कुर्बानी का।
अब जयप्रकाश है नाम, देश की आतुर हठी जवानी का।।

कहते हैं उसको जयप्रकाश जो नही मरण से डरता है।
ज्वाला को बुझते देख कुंड में, स्वयं कूद जो पड़ता है।।

है जयप्रकाश वह, जो न कभी सीमित रह सकता घेरे में।
अपनी मशाल जो जला, बांटता फिरता ज्योति अँधेरे में।।

है जयप्रकाश वह जो कि पंगु का चरण, मूक की भाषा है।
है जयप्रकाश वह, टिकी हुयी, जिस पर स्वदेश की आशा है।।

हाँ, जयप्रकाश है नाम समय की करवट का अंगड़ाई का।
भूचाल बवंडर के ख्वाबों में, भरी हुई तरुणाई का।।

है जयप्रकाश वह नाम जिसे, इतिहास समादार देता है।
बढ़कर जिसके पद चिन्हों को उर पर अंकित कर लेता है।।

ज्ञानी करते जिसको प्रणाम, बलिदानी प्राण चढ़ाते हैं।
वाणी की आग बढ़ाने को, गायक जिसका गुण गाते हैं।।

वह सुनो भविष्य पुकार रहा, यह दलित देश का त्राता है।
स्वप्नों का दृष्टा जयप्रकाश भारत का 'भाग्य विधाता' है।।

एलपीजी एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को एलपीजी एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, मूल्य नियंत्रण और प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव सह नवादा के जिला प्रभारी सचिव के० सेंथिल कुमार (भा.प्र.से.) ने की। बैठक में जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से जिले में गैस आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवादा में एचपीसीएल की 08, बीपीसीएल की 14 और आईओसीएल की 09 एजेंसियां संचालित हैं तथा वर्तमान में गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। 14.2 किलोग्राम श्रेणी में कुल 11,950 सिलेंडर उपलब्ध हैं, जिनकी डोर-स्टेप डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक निर्बाध आपूर्ति की जा रही है। अपर मुख्य सचिव ने कालाबाजारी और जमाखोरी पर नियंत्रण के लिए नियमित छापेमारी और सतत निगरानी के निर्देश दिए। आमजनों की शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए स्थापित जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाषः 06324-212122) की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि अब तक 227 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 195 का निष्पादन किया जा चुका है। मध्यान्ह भोजन योजना, आवासीय विद्यालयों, कारा, बाल संरक्षण इकाइयों, अल्पसंख्यक छात्रावासों, अस्पतालों एवं "दीदी की रसोई" में गैस आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। इस पर संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए। जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पांडेय ने बताया कि पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति भी सामान्य है। वहीं प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी राज कुमार सिन्हा ने खाद्य पदार्थों की कीमतों की नियमित निगरानी की जानकारी दी। श्रम अधीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि जिले में प्रवासी श्रमिकों के आगमन की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। अपर मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए एलपीजी एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक के उपरांत उन्होंने जिला आपदा प्रबंधन शाखा के नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण भी किया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान, अपर समाहर्ता डॉ. अनिल कुमार तिवारी, एसडीओ नवादा सदर अमित अनुराग, एसडीओ रजौली स्वतंत्र कुमार सुमन, एसडीपीओ हुलास कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी एवं गैस एजेंसियों के संचालक उपस्थित रहे।

वारसलीगंज में प्रस्तावित चीनी मिल हेतु भूमि का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की पहल के तहत बुधवार को गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव सह नवादा के जिला प्रभारी सचिव के० सेंथिल कुमार (भा.प्र.से.) ने वारसलीगंज प्रखंड के मकनपुर मौजा में प्रस्तावित चीनी मिल स्थापना के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने संबंधित भूमि से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। प्रशासन द्वारा पूर्व में वारसलीगंज के मकनपुर में चीनी मिल स्थापना हेतु 102 एकड़ सरकारी एवं 12 एकड़ निजी भूमि का प्रस्ताव गन्ना उद्योग विभाग को भेजा गया था। इसी प्रस्ताव के आलोक में अपर मुख्य सचिव ने स्थल का जायजा लिया और आवश्यक पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने कहा कि प्रस्तावित चीनी मिल की स्थापना से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को गन्ना उत्पादन और विपणन के लिए सुलभ एवं बेहतर व्यवस्था मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही संभावित निवेशकों को स्थल निरीक्षण के लिए भेजा जाएगा।

कुण्डलपुर महोत्सवः "वर्त्तमान को वर्द्धमान की आवश्यकता"

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। अहिंसा एवं शांति के विश्व उद्घोषक जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के अवसर पर आयोजित होने वाले दो दिवसीय राजकीय **"कुण्डलपुर महोत्सव-2026"** में सुविख्यात भक्ति गायक दीपक जैन ने अपना जलवा बिखेर उपस्थित दर्शकों-श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने भक्ति-गीतों से न केवल बिहार, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाने वाले जाने-माने गायक नवादा निवासी दीपक जैन ने अपनी जादुई आवाज में जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के जीवन चरित्र पर आधारित अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने "हिंसा पीड़ित विश्व राह महावीर की तकता है, वर्त्तमान को वर्द्धमान की आवश्यकता है.." की उत्कृष्ट एवं सारगर्भित प्रस्तुति दे जहां वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भगवान महावीर के सिद्धांतों व आदर्शों की प्रसांगिकता से श्रोताओं का साक्षात्कार कराया, वहीं उनकी "हो रही जय-जयकार ओ महावीरा तेरी.." की भव्य प्रस्तुति पर महोत्सव पांडाल में मौजूद देश के विभिन्न हिस्सों के श्रोताओं को झूमने व नृत्य करने पर विवश कर दिया। सुर-ताल के अद्भुत संगम के बीच गायक कलाकार दीपक जैन की भक्तिमय प्रस्तुति पर देश के विभिन्न हिस्सों से महोत्सव में शिरकत करने आये श्रद्धालुओं ने भक्ति गंगा में खूब डुबकी लगाई। कार्यक्रम के अंत में महोत्सव के आयोजक पर्यटन विभाग, बिहार सरकार एवं नालंदा जिला प्रशासन की ओर से नंद्यावर्त महल समिति के मंत्री विजय कुमार जैन ने उन्हें अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

नगर निगम अभियान चलाकर बिहारशरीफ को करेगा अतिक्रमण मुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नगर निगम ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए "अतिक्रमण मुक्त बिहारशरीफ-2026" अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत शहर में सड़क, नाला और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए सभी प्रकार के अवैध अतिक्रमण हटाए जाएंगे। नगर निगम के अनुसार, मकानों की बढ़ाई गई सीमा (अस्थायी/स्थायी निर्माण), सड़क पर दुकानदारों द्वारा फैलाया गया सामान, नालों पर किए गए कब्जे सहित सभी अवैध अतिक्रमणों को चिन्हित कर हटाया जाएगा। साथ ही नियमों के तहत जुर्माना वसूलते हुए कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम स्तर पर विशेष टीम गठित की जाएगी, जिसमें पदाधिकारी व कर्मी आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात रहेंगे। विशेष रूप से मछली मंडी से आनंद पथ होते हुए कुशवाहा धर्मशाला तक स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बने नए सड़क और नाले के दोनों किनारों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा। नगर निगम ने सभी अतिक्रमणकारियों से अपील की है कि वे स्वयं ही अपने अवैध कब्जे हटा लें, अन्यथा प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी। अभियान को सफल और प्रभावी बनाने के लिए शहरवासियों से सहयोग की अपेक्षा की गई है।

धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान विधि व्यवस्था संधारण को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। पर्व-त्योहार, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान भीड़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन हेतु विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय, प्रखंड स्तरीय प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले भर में किसी भी प्रकार के आयोजन में जन-सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला पदाधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया कि इसमें किसी भी तरह की एवं किसी भी स्तर से लापरवाही एवं शिथिलता को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा। आगामी पर्व त्योहार यथा स्नान, दान, चैती पूर्णिमा, हनुमान जयंती, गुड फ्राइडे आदि पर्व के अवसर पर सभी संबंधित पदाधिकारियों को उन्होंने निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संभावित भीड-भाड़ वाले स्थलों की पहचान कर अग्रिम रूप से विधि-व्यवस्था की समुचित तैयारी सुनिश्चित करेंगे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह अपने क्षेत्र का इवेंट कैलेंडर तैयार एसडीएम के दिशा-निर्देश के अंतर्गत संभावित भीड़-भाड़ के पूर्वानुमान के आधार पर समुचित प्रबंधन करें। जिले भर में किसी भी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए आयोजकों को आयोजन से पूर्व प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक करना अनिवार्य होगा तथा बैठक में लिए गए निर्णयों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। बिना सक्षम प्राधिकार के लिखित अनुमति के कोई भी आयोजन नहीं किया जाएगा। आयोजन स्थल की क्षमता के अनुसार ही लोगों की संख्या निर्धारित की जाएगी। आयोजक को हर हाल में इसका अनुपालन करना होगा। आयोजन से पूर्व स्थल का सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य होगा।

रणधीर वर्मा अंडर-19 टूर्नामेंट में नवादा ने नालंदा को हराया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में नालंदा के पावापुरी में आयोजित रणधीर वर्मा अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट मुकाबले के उद्घाटन मैच में आज नवादा का मुकाबला नालंदा की टीम से हुआ। नालंदा के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 30.4 ओवर में 154 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। नालंदा के बल्लेबाज सौरभ विजय ने 29 विनीत ने 26 अंकित ने 16 रनों का योगदान दिया और उनकी पूरी टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर पाने में नाकाम रही। नवादा की तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए लेग स्पिनर अमन कुमार ने शानदार 6 विकेट झटके तथा नालंदा के बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी। इसके अलावा अंश तिवारी ने दो जबकि सचिन ने भी एक खिलाड़ियों को आउट किया। 154 रनों का पीछा करते हुए नवादा की टीम ने 27 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाकर मैच को जीत लिया। नवादा की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए सूरज सिंह ने 37, हर्ष ने 31, सुभाष ने 23 विक्रम 21 एवं यीशु ने 20 रनों का योगदान देकर मैच को नवादा की झोली में डाल दी। आज के मैच में शानदार छह विकेट लेने वाले गेंदबाज अमन कुमार को बीसीए अंदर-19 टीम के मैनेजर मनीष कुमार आनन्द ने मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी। कल नवादा का मुकाबला शेखपुरा की टीम से पावापुरी में ही खेला जाएगा। नवादा के शानदार जीत पर संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार मुरारी, उपाध्यक्ष रंजन कुमार सचिव राकेश कुमार, संयुक्त सचिव सुरेश यादव, कोषाध्यक्ष अभिषेक पांडे, क्लब प्रतिनिधि मनीष गोविंद, प्लेयर्स प्रतिनिधि अरुण यादव, चयनकर्ता विकास कुमार एवं सुभाष प्रसाद, अजय कुमार दिनेश कुमार ने टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से निकली रामनवमी की शोभायात्रा

भव्य रथ पर श्रीराम दरबार के साथ विभिन्न प्रकार की झांकियां बनीं रही आकर्षण का केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। रामनवमी के पावन अवसर पर बुधवार को कौआकोल प्रखंड क्षेत्र में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद सहित विभिन्न हिंदू संगठनों व सनातन परिवार के संयुक्त तत्वाधान में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान पूरा प्रखंड "जय श्री राम" के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। गाजे-बाजे और धार्मिक उत्साह के बीच निकली इस शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में रामभक्त शामिल हुए। गर्मी और धूप के बावजूद श्रद्धालु पूरे जोश के साथ जय श्री राम,भारत माता की जय और वंदे मातरम् आदि नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं निगरानी के बीच कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। भव्य रथ पर भगवान श्रीराम,माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं कई अन्य आकर्षक झांकियां लोगों को अपनी ओर खींच रही थी। शोभा यात्रा की शुरुआत थाना क्षेत्र के जोरावरडीह गांव स्थित प्रोजेक्ट गायत्री बालिका इंटर विद्यालय के मैदान से हुई, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारकर और चंदन लगाकर यात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद शोभायात्रा जोगाचक, कौआकोल बाजार, दुर्गा मंडप से होते हुए रानीबाजार सूर्य मंदिर के पास पहुंची तथा पुनः बीझो मार्ग से होते हुए जेपी चौक से गायत्री मंदिर के समीप जाकर समापन हुआ। समापन स्थल पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। यात्रा के दौरान युवा श्रद्धालु भगवा पताका और तिरंगा झंडा लहराते नजर आए। शोभा यात्रा को लेकर कौआकोल बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं और पूरा बाजार भगवा पताकाओं से सजा हुआ दिखा। संवेदनशील क्षेत्रों में दंडाधिकारी की निगरानी में एसटीएफ एवं पुलिस बल के जवान मुस्तैद रहे। पूरे क्षेत्र में शोभायात्रा के दौरान भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। शोभायात्रा को सफल बनाने में शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष देवराज कुमार, विहिप के प्रखण्ड अध्यक्ष राजीव कुमार, बजरंग दल के मुकेश कुमार, विक्की कुमार, राहुल शुक्ला, दीपक विद्यार्थी, सूरज साव, पंकज कुमार, आयुष कुमार, संतोष कुमार, ज्योतिष कुमार, सुभाष लाल आदि जोर शोर से लगे रहे जबकि शोभा यात्रा में बजरंग दल के जितेंद्र प्रताप जीतू, कैलाश विश्वकर्मा,जिला पार्षद अजित यादव आदि शामिल रहें। वहीं विधि व्यवस्था को लेकर कौआकोल बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार, बीसीओ कुन्दन बर्णवाल, पकरीबरावां अंचल पुलिस निरीक्षक प्रशांत कुमार, कौआकोल थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी दल बल के साथ मौजूद रहे।

प्रो. अरुण बने सीताराम साहू कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य

नवादा/नबिटा ब्यूरो। नवादा के प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ मुरारी कृष्ण मुरारी शाह 31 मार्च 2026 को अवकाश के प्राप्त हो गए। प्रो शाह ने कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रोफेसर अरुण कुमार बॉस विभाग अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग को नए प्रभारी प्राचार्य का प्रभार सौंपा। नए प्राचार्य बॉस को सभी शिक्षक एवं शिक्षित कर्मचारियों ने फूलमाला एवं गुलदस्ताओं से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में आगंतुक के रूप में पूर्व प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष चंद्र शाह, पूर्व शिक्षक प्रतिनिधि प्रोफेसर गोपाल प्रसाद एवं पूर्व वितेक्षक प्रोफेसर महेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

केंद्र की एनडीए सरकार उग्रवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने उग्रवाद पर लोकसभा में अपनी बात रखते हुए कहा कि देश में वामपंथ उग्रवाद, जिसे शुरुआत में लाल सलाम और लाल आतंक से काफी प्रभावित था। देश में कुल 106 जिले, जिसमें आंध्र प्रदेश के 16 जिले, बिहार के 22 जिले, छत्तीसगढ़ के 16 जिले, झारखंड के 19 जिले, महाराष्ट्र के 4 जिले, उत्तर प्रदेश के 3 जिले और पश्चिम बंगाल के 4 जिले मुख्य रूप से प्रभावित था। जिसकी शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में हुए विद्रोह से हुई थी। नक्सलबाड़ी उत्तरी-पश्चिम बंगाल का एक छोटा गाँव है, जहाँ स्थानीय जमींदारों द्वारा भूमि विवाद में एक आदिवासी किसान की पिटाई के कारण वहाँ के स्थानीय कम्युनिस्ट नेता चारू मजूमदार, कानू सान्याल और जंगल संथाल द्वारा भड़काने के कारण विद्रोह आदिवासी किसानों द्वारा किया गया था। यही भयानक आग और वामपंथ उग्रवाद पूरे देश के करीब 106 आदिवासी बाहुल्य जिलों में फैल गया। जिसके कारण देश में वर्ष, 2010 में करीब 1936 घटनाएं हुईं और अब तक हिंसा में 8895 लोगों की जान गई। पूर्वोत्तर राज्यों की घटनाओं को भी जोड़ दिया जाए तो कांग्रेस के शासनकाल में 8700 उग्रवाद की अप्रिय घटनाएं हुईं, जो अब घटकर मोदी सरकार में 1700 रह गई है। और वर्ष, 2025 में दिसंबर तक हिंसा की घटनाएं घटकर 222 तक रह गई है। आज देश के मात्र 6 जिलों में उग्रवाद की छुट-फुट घटनाओं के समाचार आ रहे हैं, और अब 6 जिलो में अति प्रभावित मात्र तीन जिले हैं, जो छत्तीसगढ़ में बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर रह गया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश गृह मंत्री अमित शाह एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गर्व कर रहा है, क्योंकि उनके कुशल प्रशासन और योजनाओं के कारण सरकार 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करने और नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है और यह होकर रहेगा। उग्रवाद में फंसे निर्दोष लोगों को मदद दी जा रही है। सड़कों का निर्माण किया गया है। शिक्षा में सुधार किया गया है। सांसद ने कहा कि राज्य बिहार के कई जिलों, अरवल, औरंगाबाद, भोजपुर, गया, पूर्वी चम्पारण, जमुई, जहानाबाद, कैमूर, मुँगेर, नालंदा, नवादा, पटना, रोहतास, सीतामढ़ी, पश्चिमी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, वैशाली, बाँका, लखीसराय, बेगूसराय और खगड़िया जिलों की बात करें, तो यहाँ नक्सलवाद और माओवाद की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित लोगों के लिए विभिन्न विकासोन्मुखी एवं कल्याणकारी योजनाएं चलाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का साहसिक काम किया है। श्री कुमार ने कहा कि अब बिहार राज्य पूर्णरूपेण वामपंथ उग्रवाद से बाहर निकल चुका है। राज्य में अमन-चैन और शान्ति है। यह सब केन्द्र सरकार के सहयोग और हमारे नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सफल प्रयास से संभव हुआ है। देश उग्रवाद से मुक्ति पा लेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

शीतला मंदिर में भगदड़ में हिलसा की महिला की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। मघड़ा स्थित मां शीतला मंदिर में मंगलवार को दर्शन के दौरान मची भगदड़ ने एक खुशहाल परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। हिलसा थाना क्षेत्र के अरपा गांव निवासी 40 वर्षीय मालो देवी की इस दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। वह छठ व्रत के उपरांत अपनी मनौती पूरी करने मंदिर पहुंची थीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चैत माह के अंतिम मंगलवार को मां शीतला मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। इसी दौरान अचानक बैरिकेडिंग टूट जाने से अफरा-तफरी मच गई और स्थिति बेकाबू हो गई। देखते ही देखते भगदड़ मच गई, जिसमें श्रद्धालु एक-दूसरे को कुचलते हुए आगे बढ़ने लगे। इस भीषण हादसे में मालो देवी समेत करीब आठ महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने बताया कि मालो देवी छठ व्रत के बाद पूजा-अर्चना करने मंदिर गई थीं, लेकिन यह यात्रा उनकी अंतिम साबित हुई। मृतका के पति अनिल केवट मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

जिला शिक्षा अधीक्षक, पलामू
पलामू समाहरणालय, ब्लॉक 'C', मेदिनीगनर,
दूरभाष सं0– 06562–222621 ई–मेलः–palamau.mdm@gmail .com

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों हेतु आवश्यक सूचना

सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, रॉची के पत्रांक 25 दिनांक 09.01.2026 से प्राप्त निदेशानुसार जिले में संचालित वैसे सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय, जहॉ किसी भी स्तर पर ''कक्षा–1 से कक्षा–8 तक की पढ़ाई होती हो'' को झारखण्ड निःशुल्क एवं बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 (यथा संशोधित 2019 एवं 2025) के प्रावधान के अनुरूप अनिवार्य रूप से मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य है।

इस संबंध में विद्यालय के द्वारा विद्यालय की मान्यता प्राप्त करने हेतु विभाग स्तर पर बनाये गए पोर्टल https://rte.jharkhnd.gov.in पर जाकर अपने विद्यालय का पंजीयन कराते हुए मान्यता हेतु ऑनलाई आवेदन पत्र दिनांक 08.04.2026 तक निश्चित रूप से Submit करना सुनिश्चित करेंगे। गैर सरकारी निजी विद्यालय के मान्यता हेतु User Manual एवं मान्यता प्रमाण पत्र प्रारूप https://rte.jharkhnd.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। निर्धारित समय सीमा के अंदर यदि विद्यालय प्रबंधन के द्वारा ऑनलाईन आवेदन समर्पित नहीं किया जाता है तो अन्यथा की स्थिति में अधिसूचना संख्या 1291 दिनांक 11.05.2011 की कंडिका 12(6) में निहित प्रावधान के आलोक में वर्णित मापदण्डों, मानको और शर्तो के अनुरूप नहीं होने पर वैसे सभी विद्यालय को बंद करने हेतु नियम संगत यथोचित कार्रवाई की जायेगी।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
नोडल पदाधिकारी, आर.टी.ई.,
पलामू।

PR 376387 (District) 26-27 (D)

कार्यालय- झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा
विकास भवन-बी0 समाहरणालय परिसर, प्रथम-तल

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि झारखण्ड शिक्षा परियोजना, परिषद, राँची के पत्रांक–2648 दिनांक–12.10.2022 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में जिले के 14 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय– गढ़वा, मेराल, डंडई, रमना, नगर उँटारी, धुरकी, भवनाथपुर, खरौन्धी, कांडी, मझिआंव, रंका, चिनियां, रमकण्डा, भण्डरिया एवं 5 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय– डण्डा, बरडीहा, केतार, बिशुनपुरा, सगमा तथा 01 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय रंका, गढ़वा में (A) खाद्य–अखाद्य पदार्थ – पैकेज–1 (B) हरी सब्जी, मछली, चिकेन, दूध, पनीर इत्यादि– पैकेज–2 (C) पोषाक एवं अन्य वस्त्र– पैकेज 3 (D) स्टेशनरी इत्यादि– पैकेज 4 आपूर्ति हेतु संस्थाओं/प्रतिष्ठानों से विद्यालयवार निविदा द्विलिफाफा पद्धति आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक निविदादाता निविदा–प्रपत्र दिनांक–04.04.2026 से 17.04.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक निर्धारित शुल्क– 1000/– (एक हजार) रु0 प्रति पैकेज की दर से डिमांड ड्राफ्ट (Non-refundable) (''SAMAGRA SHIKSHA ABHIYAN GARHWA DEO-CUM-DPO'' के नाम से जारी तथा गढ़वा में भुगतेय होना चाहिए) एवं आवेदन जिला कार्यालय झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा में जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा–प्रपत्र में उल्लेखित सामग्री का तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड अलग–अलग सीलबन्द लिफाफा में बन्द करते हुए एक बड़े लिफाफा में दिनांक–18.04.2026 के अपराह्न 04:30 बजे तक जिला कार्यालय में जमा किया जाना है।

क्रय समिति द्वारा दिनांक–20.04.2026 के पूर्वाह्न 11:30 बजे जिला कार्यालय– झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा में निविदा खोली जायेगी। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन अथवा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा। निविदा सूचना जिले के आधिकारिक वेबसाईट– www.garhwa.nic.in पर भी उपलब्ध है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

PR 376350 Human Resource Developement (26-27)_D झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

प्रधान सचिव ने की युद्ध से उत्पन्न स्थिति के परिप्रेक्ष्य में वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव सह प्रभारी सचिव रोहतास पंकज कुमार भा. प्र. से. की अध्यक्षता में वर्तमान में पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न स्थिति के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा एवं संबंधित विषयों की वस्तु स्थिति जानने हेतु बुधवार को जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक की गयी जिसमें जिला स्तरीय सभी पदाधिकारियों तथा इंडियन ऑयल एवं एलपीजी पीएनजी के प्रभारियों के द्वारा भाग लिया गया। उपर्युक्त बिंदुओं यथा एलपीजी की उपलब्धता, बुकिंग के विरुद्ध आपूर्ति हेतु बकाया प्रतिदिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अद्यतन जानकारी, जिला नियंत्रण कक्ष की स्थिति, मांग या उपलब्धता, पीएनजी की अद्यतन स्थिति, अधिप्राप्ति की अद्यतन स्थिति, उर्वरक की कालाबाजारी के विरुद्ध छापामारी एवं उसकी उपलब्धता आदि के अद्यतन स्थिति के संबंध में वर्तमान स्थिति एवं समस्याओं के निदान हेतु विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त निम्नांकित निर्देश दिया गया, जो निम्नवत है:- प्रभारी सचिव, रोहतास के द्वारा बैठक में उपस्थित इंडियन ऑयल प्रभारी से जिले में एलपीजी गैस सिलेंडरों की उपलब्धता तथा गैस एजेंसीवार बैकलॉग एवं मांग के अनुसार उपलब्धता आदि के संबंध में अद्यतन जानकारी प्राप्त किया तथा तथा उन्हें निदेश दिया गया कि जिले में जितने भी एलपीजी गैस सिलेंडरों का आपूर्ति करता है उन सभी एलपीजी गैस सिलेंडरों के आपूर्तिकर्ता कम्पनियों यथा एचपीसीएल / बीपीसीएल / एनपीजी एवं अन्य सभी से समन्वय स्थापित करते हुए एजेंसीवार लंबित सभी बैकलॉग / मांग को अगले दो दिनों के अन्दर एलपीजी गैस सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। पीएनजी कम्पनी के प्रभारी को निदेश दिया गया कि लंबित 900 उपभोक्ताओं को एलपीजी पाइप के माध्यम से कनेक्शन मिशनमूड में अगले दो दिनों के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रभारी सचिव, रोहतास के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी, रोहतास को निदेश दिया गया कि छापामारी के दौरान पाये गये अनाधिकृत रुप से घरेलू एलपीजी सिलेंडरों को तत्काल जब्त करते हुए संबंधित व्यक्तियों एवं एजेंसियों जिनके द्वारा उक्त सिलेंडरों की आपूर्ति की गयी है, के विरुद्ध अधिहरण अधिनियम के तहत वाद दायर करते हुए कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

गैस, पेट्रोल-डीजल आपूर्ति पर कमिश्नर की समीक्षा, एलपीजी में कमी से बना बैकलॉग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भभुआ (कैमूर)। पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने बुधवार को कैमूर पहुंचकर कलेक्ट्रेट स्थित मुंडेश्वरी सभागार में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता, मूल्य नियंत्रण, आपूर्ति व्यवस्था और प्रवासी श्रमिकों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान डीएम ने जानकारी दी कि जिले में प्रतिदिन औसतन 5788 एलपीजी सिलेंडरों की मांग के मुकाबले मात्र 4495 सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। इस कमी के कारण करीब 3.6 दिनों का बैकलॉग बन गया है। मार्च माह में कुल 14,311 सिलेंडरों की कमी दर्ज की गई है जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पेट्रोलियम उत्पादों की स्थिति अपेक्षाकृत संतोषजनक पाई गई। जिले में कुल 68 रिटेल आउटलेट में से 58 संचालित हैं और सभी में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी भी पेट्रोल पंप पर ड्राई आउट की स्थिति नहीं पाई गई। आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। डीएम के निर्देश पर गठित टीमों द्वारा एलपीजी एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर लगातार छापेमारी और जांच की जा रही है। अब तक 151 स्थानों पर निरीक्षण किया जा चुका है। साथ ही आम जनता की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। 06189-222080 नंबर को सक्रिय किया गया है। 14 मार्च से 30 मार्च के बीच कुल 301 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 252 का सफल निष्पादन किया जा चुका है। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गैस आपूर्ति में कमी को जल्द से जल्द दूर किया जाए और आम लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

एसडीएम के नेतृत्व में होटल में छापेमारी

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला-पुरुष पाए गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। अनुमंडल क्षेत्र के संगम होटल एंड रेस्टोरेंट, संझौली में एसडीएम के नेतृत्व में एक बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान होटल में चार घरेलू सिलेंडर पकड़े गए हैं। इसके अलावा होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में तीन पुरुष और दो महिलाएं भी पाई गई हैं। जानकारी के अनुसार एसडीएम को होटल में अनियमितताओं की शिकायत मिली थी जिसके बाद उन्होंने पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। इस दौरान होटल में चार घरेलू सिलेंडर पाए गए जो कि गैर-मानक और अवैध रूप से रखे गए थे। इसके अलावा होटल में तीन पुरुष और दो महिलाएं संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गईं। इन लोगों के बारे में जानकारी ली जा रही है और इनके ऊपर कार्रवाई करने के लिए थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है। एसडीएम ने बताया कि होटल में अनियमितताओं को लेकर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि होटल में सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों की अनदेखी की गई है जो कि बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कार्रवाई से होटल मालिक और संचालकों में हड़कंप मच गया है।

पोखरा में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। भभुआ प्रखंड के सागर पोखरा में नहाने के दौरान डूबने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनहन थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी भगेलू बिंद के रूप में हुई है। भगेलू बिंद घर से भोजन कर सागर पोखरा में नहाने गए थे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई जिन्होंने तुरंत सोनहन थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया।

प्रक्रियाएं पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप शीघ्र पूरा करने का डा. प्रेम कुमार ने दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। बिहार राज्य आवास बोर्ड, गया जी प्रमंडल अंतर्गत कटारी एवं मुस्तफाबाद मौजा की भूमि से संबंधित विषय पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अधिकारियों के साथ गयाजी जिला अतिथि गृह में अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने योजनाओं की प्रगति, प्रशासनिक प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की गहन जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में यह जानकारी दी गई कि उक्त भूमि पर पीपीपी मोड में प्रस्तावित योजना को लेकर विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श जारी है और विभागीय निर्देशों के आलोक में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाएं पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप शीघ्र पूरी की जाएं, ताकि क्षेत्र के समुचित विकास को गति मिल सके। बैठक के उपरांत डॉ. प्रेम कुमार ने संबंधित भूमि का स्थल निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भू-स्थिति, पहुंच मार्ग, स्थानीय आवश्यकताओं एवं संभावित विकास कार्यों का जायजा लिया। इस क्रम में यह भी अवगत कराया गया कि सड़क के उत्तर दिशा में विभाग द्वारा प्लान की गई भूमि है जबकि दक्षिण दिशा में नॉन-प्लान क्षेत्र प्रस्तावित है। नॉन-प्लान क्षेत्र में दो से तीन पार्कों के निर्माण का प्रस्ताव है। अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उक्त प्रस्तावित तीन पार्कों के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के अंतर्गत अनुशंसा करने की बात कही जिससे क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं के माध्यम से शहरी विकास को गति देना और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। ताकि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं बिहार राज्य आवास बोर्ड के अधिकारी,राजनंदन प्रसाद गांधी, पप्पू चंद्रवंशी, विक्की शर्मा, मनोज कुमार, राजकुमार जी, जितेंद्र कुमार, गौतम कुमार, दीनानाथ प्रसाद सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

आर एस के पब्लिक स्कूल की पहल: अब डिहरी में ही होगी नीट-जेइइ की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए आर एस के पब्लिक स्कूल, बस्तीपुर डिहरी ऑन-सोन ने विद्यार्थियों के लिए बड़ी सौगात दी है। अब मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले छात्रों को कोटा, पटना या वाराणसी जैसे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा क्योंकि उन्हें अपने ही शहर में बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। विद्यालय के निदेशक आनंद सिंह ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अनुशासित वातावरण में देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं–नीट और जेइइ की तैयारी कराना है। उन्होंने जानकारी दी कि आर एस के ट्यूटोरियल का भव्य उद्घाटन 5 अप्रैल 2026 (रविवार) को किया जाएगा जबकि नियमित कक्षाएं 6 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होंगी। यह सुविधा कक्षा 11वीं और 12वीं के सीबीएसई एवं बिहार बोर्ड के अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी। प्रत्येक सत्र का शुल्क मात्र 20,000 निर्धारित किया गया है जिसमें पाठ्यक्रम के साथ-साथ अध्ययन सामग्री और ड्रेस भी संस्थान द्वारा प्रदान की जाएगी। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा 15 दिनों का फ्री डेमो क्लास भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि विद्यार्थी और अभिभावक गुणवत्ता का स्वयं अनुभव कर सकें। इस पहल से स्थानीय छात्रों में काफी उत्साह देखा जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह कदम क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

ढाई दशक बाद श्मशान को मिला एनओसी, रास्ते नदारद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। काराकाट नगर पंचायत में विकास कार्यों को लेकर चल रहे विवाद ने तूल पकड़ लिया है। मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में हुई बोर्ड बैठक में 10 वार्ड पार्षदों के द्वारा मुख्य पार्षद द्वारा पहले ही सशक्त समिति से पास किए गए प्रस्तावों को बोर्ड में पास नहीं होने दिया जिससे कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं पर पानी फिर गया है। मिली जानकारी के अनुसार क्रमशः वार्ड संख्या 1 2 3 4 6 7 8 9 एवं 10 एवं 11 वार्ड परशुराम बोर्ड की बैठक में विरोध दर्ज कराया। इस संबंध में मुख्य पार्षद राधिका कुमारी ने इस फैसले को दुखद बताते हुए कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वार्ड पार्षदों के विरोध के कारण नगर पंचायत का विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। हमने शमशान घाट के रास्ते, सीसीटीवी कैमरे लगवाने और सिंचाई सुविधा में हो रहे संकट को देखते हुए नाला सफाई जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं तैयार की थीं, लेकिन वार्ड पार्षदों के विरोध के कारण ये योजनाएं बोर्ड से पास नहीं हो पाईं। मुख्य पार्षद ने आगे कहा हमारे नगर पंचायत में शमशान का एनओसी जमीन का मिल गया है, लेकिन वहां तक पहुंचाने के लिए रास्ता नहीं होने से काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। यह हमारे लिए शर्म की बात है। इतना बड़ा नगर पंचायत होने के बावजूद हमारे पास शमशान के लिए एन ओ सी मिला तो अब रास्ते नहीं। आखिर बरसात के दिनों में वहां शवदाह के लिए लोग जाएंगे कैसे? हमने वार्ड पार्षदों से अपील की है कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें, लेकिन वे विरोध करने पर अड़े हुए हैं।

डिहरी में सांसद मनोज तिवारी का भव्य स्वागत, रेलवे विकास को लेकर दिया आश्वासन

बिहार की शान मनोज तिवारी : अमित पटेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। दिल्ली के सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मनोज तिवारी के डिहरी आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। वे शहर के एक होटल में पहुंचे जहां भाजपा नेता बबल कश्यप के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़े व्यवसायियों ने जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और व्यवसायियों ने क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें सांसद के समक्ष रखीं। प्रमुख मांगों में डिहरी स्थित रेल कारखाने को पुनः चालू कराने, पाली पुल पर रेल ओवरब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा वंदे भारत ट्रेन के ठहराव की व्यवस्था शामिल रही। सांसद मनोज तिवारी ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और उन्हें लिखित रूप में संज्ञान में लेते हुए आश्वासन दिया कि वे जल्द ही रेल मंत्री से मुलाकात कर इन मुद्दों पर आवश्यक पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। भाजपा युवा मोर्चा के वरिष्ठ नेता अमित कुमार पटेल ने इस अवसर पर कहा कि 'मनोज तिवारी बिहार की शान हैं' और डिहरी डालमियानगर से उनका विशेष लगाव रहा है वे डालमियानगर में शिक्षा भी ग्रहण किए हैं।

एकलव्य राज्य आवासीय तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र के लिए चयन ट्रायल तीन को

12 से 14 वर्ष तक के बालक-बालिका ले सकते हैं भाग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया जी। मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत एकलव्य राज्य आवासीय तीरंदाजी खेल प्रशिक्षण केन्द्र के लिए प्रशिक्षु खिलाड़ियों का चयन होगा। इसके लिए अलग-अलग जिलो में तिथिवार चयन ट्रायल रखा गया है। गया जी में यह चयन ट्रायल 03 अप्रैल को गया कॉलेज खेल परिसर में आयोजित होगा। इस चयन ट्रायल में 12 से 14 वर्ष तक के बालक - बालिका भाग ले सकते है। बिहार तीरंदाजी कोंच जय प्रकाश ने बताया कि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह सीईओ आईपीएस रविन्द्रण शंकरण के निर्देशानुसार चयन ट्रायल आयोजित हो रहा है। इनके नेतृत्व में राज्य के खिलाड़ी लगतार नये कृतिमान बना रहे है। इनका बस एक ही सोच है कि राज्य के खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखार उसे नेशनल से लेकर ओलंपिक तक पहुंचाया जााय। खिलाड़ियों का चयन शारीरिक दक्षता (बैटरी टेस्ट) संबंधित खेल कौशल में प्राप्त अंकों की वरीयता के आधार पर किया जाएगा।

अंतरराज्यीय जहरखुरानी गिरोह का पर्दाफाश, गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया जी। कोडरमा आरपीएफ ने गाड़ी संख्या-20975 चंबल एक्सप्रेस में पिछले पखवारा नशा खुरानी की घटना का उद्भेदन करते हुए घटना में संलिप्त सभी सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सदस्यों में लिंक रोड गढ़ा स्थित वंशी के पुत्र धूमी, अमेठी के कमरौली थाना अंतर्गत झब्बू निवासी बिहारी उर्फ मिसाऊ के पुत्र रज्जाक जोगी, अमेठी के कमरौली थाना अंतर्गत सठौली निवासी पहाड़ी के पुत्र राजू, कृपाल पिता कल्लन जोगी, घर महुआ भोज, थाना कमरौली जिला अमेठी, सुनील, पिता लाला घर पुरे गाजी सिठौली थाना कमरौली जिला अमेठी और मूला उर्फ रामचंद्र पिता बिफई घर फतेह पुरवा मांगता टोला थाना-जामो, जिला अमेठी शामिल हैं। बताया जाता है कि कि चंबल एक्सप्रेस के जनरल कोच में धनबाद से बांदा के लिए महिला यात्री 30 वर्षीय शिवानी अपने पति खिल्लू के साथ यात्रा कर रही थी। यात्रा के क्रम में महिला को अज्ञात साधू के वेश में रहे जहरखुरानी गिरोह के सदस्य द्वारा प्रसाद के नाम पर लड्डू में नशीली दवा मिलाकर खिला दिया गया था। इसके बाद महिला बेहोश हो गई थी और इसके बाद गिरोह के सदस्य द्वारा महिला का पर्स, नगद राशि, पैर में पहने हुए चांदी की पायल व बिछिया चोरी कर लिया गया था। वहीं जहरखुरानी का शिकार हुई पीड़ित महिला को उसका पति बेहोशी हालत में बांदा उतरा और नजदीकी जिला अस्पताल बांदा में भर्ती कराया गया जहां इलाज के क्रम में चार दिन बाद महिला की मौत हो गई थी। पीड़ित महिला के पति के शिकायत पर जीआरपी थाना में मामला दर्ज की गई थी। इसमें बताया गया कि धनबाद मंडल के गोमो-कोडरमा-गया सेक्शन के बीच घटना हुई थी। इस घटना पर रेलवे बोर्ड गंभीर हो गई थी और निर्देश के आलोक में पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के निर्देश पर धनबाद रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त द्वारा एक विशेष तस्लीम का गठन किया गया है। टीम में धनबाद सीआईबी इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राम, आउटपोस्ट गुरपा के सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, सीआईबी के एएसआई शशिकांत तिवारी, अमित कुमार प्रसाद, गुरपा आउट पोस्ट के जवान मिकू कुमार को शामिल किया गया है। इधर घटना को लेकर धनबाद, वर्द्धमान, आसनसोल, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया, डिहरी, सासाराम, भभुआ, डीडीयू स्टेशनों के सीसीटीवी की पूरी सघन तरीके से जांच की गई है।

सालाना करोड़ों खर्च के बाद भी गया वासियों को बेहतर जनसुविधा का अभाव : कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया नगर निगम द्वारा शहर के 80 स्थानों पर कुल 67 फेब्रिकेटेड और 13 बायो टॉयलेट लगा हुआ है जिसके रखरखाव पर प्रति यूनिट प्रति माह 18, 166 रुपये का खर्च के हिसाब से सालाना 1 करोड़ 74 लाख रुपया खर्च के बाद भी दर्जनों टॉयलेट बंद रहने, कई में गंदगी के अम्बार रहने से शहरवासी जन सुविधा के लिए तरस जाते हैं। महिलाओं के लिए तो कहीं शौचालय का व्यवस्था ही नहीं है। उपर्युक्त बातें बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, धर्मेन्द्र कुमार निराला, सुनील कुमार पासवान, बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, विपिन बिहारी सिन्हा, दामोदर गोस्वामी, विशाल कुमार आदि ने कहा कि गया नगर निगम द्वारा स्थायी शौचालय के जगह फेब्रिकेटेड एवं बायो टॉयलेट बना कर हरियाणा के ठेकेदार को साफ-सफाई का ठेका देने का काम किया है जिस कंपनी द्वारा 80 स्थानों पर बने टॉयलेट में कुछ बंद तो कुछ ही सफाई हो रहा है जिससे शहर वासियों को शहर के प्रमुख स्थानों, चौक-चौराहों पर मल-मूत्र त्याग करने का कोई बेहतर सुविधा नहीं होने से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में गूंजी भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता

आज के दौर में भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता और भी बढ़ी : प्रधानाचार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। सासाराम के शेरशाह महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपराः अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' विषय पर विद्वानों ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर अवधूत भगवान राम महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विनोद कुमार सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा की व्यापकता और प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही एक समृद्ध, सतत और वैज्ञानिक विरासत है जिसमें ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, साहित्य और विविध कौशल समाहित हैं। यह परंपरा वेदों, उपनिषदों, दर्शन, योग, आयुर्वेद और खगोल विज्ञान जैसे प्राचीन स्रोतों पर आधारित है जो मानव कल्याण, नैतिक मूल्यों और सत्य की खोज पर विशेष जोर देती है। डॉ. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में यह परंपरा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पुनः प्रासंगिक होती जा रही है। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली, विशेषकर गुरुकुल परंपरा, केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह नैतिकता, अनुशासन और चरित्र निर्माण पर भी केंद्रित थी। उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता और भी बढ़ गई है। यह सतत विकास, कौशल विकास, डिजिटल क्रांति, योग, स्वास्थ्य प्रबंधन और समग्र शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मनरेगा जांच के दौरान दो पक्षों में नोकझोंक, थाने पहुंचा मामला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड की तिनेरी पंचायत में बुधवार को मनरेगा योजनाओं की जांच जिला गया के लोकपाल द्वारा की गई। जांच में जिला स्तर से आए पदाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह, पीटीए राकेश कुमार तथा पूर्व पीटीए इकराम खान शामिल थे। यह जांच ग्राम नरसिंहपुर निवासी विकास यादव की शिकायत पर कराई गई। जांच दल ने अंगरा और करमाइन के बाद नरसिंहपुर के बधार में चल रहे मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। इसी दौरान उपस्थित ग्रामीणों के बीच कहासुनी हो गई और विकास यादव तथा अन्य ग्रामीणों के बीच तू-तू मैं-मैं की स्थिति उत्पन्न हो गई। मनरेगा कार्य में लगे मजदूरों ने आरोप लगाया कि विकास यादव बिना कारण कार्य में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। जिलाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि जांच के उपरांत लगभग 90 प्रतिशत कार्य संतोषजनक पाया गया है।

जनता दरबार आयोजित, कई समस्याओं का समाधान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड के आंती पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में बुधवार को मुखिया प्रतिनिधि संजय यादव की उपस्थिति में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र से संबंधित कई आवेदन प्राप्त किए गए। साथ ही दर्जनों फरियादियों की समस्याओं का मौके पर ही निष्पादन किया गया। मुखिया प्रतिनिधि संजय यादव ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। ताकि लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। मौके पर कार्यपालक सहायक राकेश राम सहित अन्य कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

छापेमारी में शराब सहित अभियुक्त व चार वारंटी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कोंच थाना पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर एक अभियुक्त को शराब के साथ गिरफ्तार किया, वहीं चार वारंटियों को भी दबोच लिया। पुलिस ने कांड संख्या 81/26 के तहत ग्राम गरजु विघा निवासी बिंदु मांझी के घर से पांच लीटर तथा करना मांझी के घर से चार लीटर देसी महुआ शराब बरामद की। इसके अलावा विभिन्न मामलों में फरार चल रहे विकास कुमार (ग्राम कुरमावां) तथा सियाराम पासवान, हीरालाल पासवान और दशरथ पासवान (सभी ग्राम घोरहा) को भी गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपितों की कोविड जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

हत्या के प्रयास का आरोपित गया जेल

गुरारू। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने थाना क्षेत्र के बुधपुर गांव से हत्या के प्रयास के आरोपित छोटन उर्फ सूबेदार पिता मोहम्मद उस्मान एवं मो.आरिफ उर्फ कैलू पिता मोहम्मद सुलेमान को बुधपुर गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गौरतलब है कि इन आरोपितों द्वारा पिछले माह गांव में ही लड़ाई झगड़ा किया था और वादी पर जान मारने की नियत से प्रहार किया गया था।

संपादकीय

नियुक्तियों में इतनी देरी क्यों?

मध्यप्रदेश में मोहन यादव सरकार ने अंततः प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैनों (मनोनीत पार्षद) की नियुक्ति कर दी है। ऐसी कुल 700 नियुक्तियां होनी है। लेकिन सवाल यह है कि एल्डरमैन जैसे जनसेवा के पद पर तैनाती में इतना वक्त क्यों लगा? क्योंकि जो लोग इन पदों पर नियुक्त हुए हैं, उन्हें काम करने का समय डेढ़ साल से भी कम मिलेगा। वैसे तो नियमानुसार एल्डरमैन का कार्यकाल वर्तमान परिषद के कार्यकाल के साथ समाप्त हो जाता है। लेकिन इस मामले में सरकार क्या करेगी, यह बाद में पता चलेगा। गौरतलब है कि एल्डरमैनों को जनता सीधे नहीं चुनती, बल्कि सरकार या संबंधित प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किया जाता है। यह नगर निकाय की बैठकों में शामिल होकर महत्वपूर्ण निर्णयों में अपनी राय देते हैं। साथ ही शहर के विकास, योजनाओं और परियोजनाओं पर सुझाव देते हैं और बैठक में शहर से जुड़े जरूरी मुद्दों को बैठक में उठाते हैं। इसके अलावा अपने अनुभव के आधार पर प्रशासन को बेहतर निर्णय लेने में मदद करते हैं। मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति का मुख्य आधार प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की जानकारी होता है। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त होने वाले एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में तो सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, लेकिन इनके पास वोट देने का अधिकार नहीं होता। बहरहाल राज्य सरकार ने बहुप्रतीक्षित एल्डरमैनों की जो नियुक्तियां की हैं, उनमें 123 नगर परिषदों में 4-4, 46 नगर पालिकाओं में 6-6 मनोनीत पार्षद बनाए हैं। नगर निगमों में नियुक्तियां बाद में होंगी। सागर छोड़कर शेष बुंदेलखंड और चंबल के निकायों में सहमति न बन पाने के कारण फिलहाल लिस्ट होल्ड रखी गई है। एल्डरमैन के नामों की घोषणा नगरीय निकाय में सबसे शुरुआती इकाई यानी नगर परिषद से की गई है। राज्य में वर्तमान नगरीय निकायों का कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। यानी एल्डरमैनों के पास काम करने के लिए डेढ़ साल से भी कम का वक्त है। इसलिए यह मानना गलत नहीं होगा कि इन नियुक्तियों के पीछे भाजपा और सरकार का असल मकसद प्रदेश में 2028 में होने वाले चुनाव के पूर्व नगरीय निकायों के सेमीफाइनल में अपनी स्थिति मजूबत करना है। इन नियुक्तियों केब बहाने अपने कार्यकर्ताओं को मैदानी स्तर पर एक्टिव करना चाहती है, इसलिए कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन का झुनझुना पकड़ा दिया गया है। बताया जाता है किन नियुक्ति के फॉर्मूले के तहत उन पुराने और अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिन्हें नगर प्रशासन का गहरा ज्ञान है। साथ ही कार्यकर्ताओं को 'कुछ न मिलने' की नाराजगी दूर करना भी है। सरकार चाहती तो यह नियुक्तियां दो साल पहले भी कर सकती थी। लेकिन आपसी खींचतान के चलते शायद यह संभव नहीं हुआ। ऐसे में एल्डरमैन की नियुक्ति कर चुनाव से पहले जिला स्तर के उन सक्रिय नेताओं को एडजेस्ट किया गया है, जो लंबे समय से नियुक्तियों का इंतजार कर रहे थे। बीजेपी ने अनुभवी एल्डरमैन के जरिए परिषदों के कामकाज और विकास कार्यों की निगरानी को मजबूत करने की कोशिश भी की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में नव-नियुक्त एल्डरमैनों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने लिखा कि आप सभी को शहर के समग्र विकास, सुशासन और जन-भागीदारी को बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। मुझे विश्वास है कि विकसित मध्य प्रदेश-विकसित भारत के संकल्प के साथ आप सभी अपनी ऊर्जा, अनुभव और समर्पण से अपने-अपने नगरों में प्रगति के नए आयाम जोड़ेंगे। नए एल्डरमैन सरकार की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरते हैं, यह तो अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव नतीजों से तय होगा।

युद्ध के बीच ईरान पर भारत का रुख सही

अमेरिकी इजरायली संयुक्त हमले और उसके विरुद्ध ईरान की सैन्य प्रतिक्रियाओं पर देश के अंदर विरोध के परिदृश्य चिंताजनक आवश्यक हैं, पर आश्चर्य का विषय नहीं। भारत में अब ऐसी स्थिति नहीं जहां किसी मुद्दे पर देश की एकता दिखाई दे सके। संसद सत्र आरंभ होने के साथ सदन के अंदर और बाहर विरोध, नारेबाजी, बहिर्गमन, आरोप-प्रत्यारोप आदि की पृष्ठभूमि पहले से बनी हुई है। सड़कों पर विरोध प्रदर्शनों से लेकर संसद के विरोध में सुसंगति है। कांग्रेस के साथ अधिकतर विपक्षी पार्टियों और नेताओं ने सरकार पर अमेरिकी दबाव के समक्ष घुटने टेकने और भारत की परंपरागत विदेश नीति को बदलने का आरोप लगाया है।

अवधेश कुमार

बड़े-बड़े नेता बोल रहे हैं है कि मोदी सरकार ने विदेश नीति को डोनाल्ड ट्रंप के हाथों गिरवी रख दिया है। मूल स्वर यह है कि भारत को ईरान के समर्थन में खड़ा होना चाहिए था जबकि वह तटस्थता प्रदर्शित करते हुए भी अमेरिका और इजरायल के साथ खड़ा दिख रहा है। सोनिया गांधी ने लेख लिखा जिसमें कहा गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या पर केंद्र सरकार का यह मौन तटस्थता नहीं बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। इससे भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इस तरह के वक्तव्यों की सूची बड़ी होती जा रही है। तो क्या युद्ध में भारत की भूमिका वाकई गलत है?

पहले कुछ तथ्य देखें। ऑर्गेनाइजेशन औफ इस्लामी कॉन्फ्रेंस ओआईसी में 56 देश है। कोई भी देश ईरान के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ है। छोटी-छोटी बातों पर बैठक बुलाने वाला ओआईसी चुप है। खाड़ी सहयोग परिषद की कोई टिप्पणी नहीं है। ईरान के 13 पड़ोसी मुस्लिम देश भी उसके साथ नहीं है। इसके कुछ तो कारण हैं। थोड़ी गहराई से देखें तो ईरान पर हमले के संदर्भ में इस तरह का आंतरिक विरोध दो ही देश में दिख रहा है, पाकिस्तान और भारत। पाकिस्तान में हिंसा करते लोग लगातार मारे जा रहे हैं। अनेक शहरों में इंटरनेट और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना पड़ा है। भारत में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हुई तो इसका कारण दोनों देशों के संस्कार और चरित्र के बीच का मौलिक अंतर ही है। इसका उल्लेख इसलिए जरूरी है ताकि समझें कि हम कर क्या रहे हैं। क्या हम विदेश नीति पर आंतरिक व्यवहार के मामले में पाकिस्तान के समक्ष स्वयं को देखना और दिखाना चाहते है? किसी को अतिश्योक्ति लगे लेकिन सच्चाई यही है। हमले के जवाब में इजराल को निशाना बनाने के साथ ईरान ने सउदी अरब, क़तर, अमीरात, ओमान, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन, साइप्रस पर मिसाइलों से चुन-चुन कर हमले किये हैं। दुनिया की सबसे बड़ी सउदी अरामको तेल रिफाइनरी ईरान हमले के बाद बंद हो गई थी। रूस की सलाह पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कुछ पड़ोसी देशों से क्षमा मांगी और घोषणा किया कि हमले नहीं करेंगे। ऐसा हुआ नहीं।

ईरान के मिसाइल लगातार अमेरिकी अड्डों को निशाना बनाने के नाम पर इन देशों पर बरस रहे। कोई दिन नहीं जब इन देशों से बयां नहीं आते कि हमने ईरान के इतने ड्रोन नष्ट किया या मिसाइल इंटरसेप्ट किया।

ईरान के लिए आसमान सिर पर उठाने लेने वाले क्या चाहते हैं कि भारत अमेरिका और इजरायल के विरुद्ध मोर्चा ले? चीन और रूस ने इस हमले का विरोध अवश्य किया। क्या इससे आगे वे कुछ करने को तैयार हैं? अमेरिका द्वारा हिन्द महासागर में ईरान के युद्धपोत को नष्ट करने को भारत के लिए शर्मशार करने वाली घटना बताने वाले जानते हैं कि वे सच नहीं बोल रहे। पोत भारत के आगे श्रीलंका की समुद्री सीमाओं से भी बाहर चला गया था। युद्ध की स्थिति में ईरान का युद्धपोत - विमान कहीं भी होगा निशान बनेगा। ईरान भी अपनी शक्ति भर यही कर रहा है। हम न भूले कि ईरान का एक पोत अभी कोच्चि बंदरगाह पर सुरक्षित है और उसके सारे क्रू भी। क्या अमेरिका ने भारत से पूछा कि युद्ध के बीच आपने ईरान के युद्धपोत और उसके क्रू को क्यों सुरक्षित रखा हुआ है? इसका सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यही है। ध्यान रखिए आज ईरान के लिए आवाज उठाने वालों ने 7 अक्टूबर, 2023 को उत्सव मनाते इजरायलियों पर हमास द्वारा बर्बरतापूर्ण हमले, कत्लेआम और बंधक बनाए जाने पर निंदा का एक शब्द न बोला और केवल हमास के लिए खड़े दिखे। यह कैसी सिद्धांतवादिता है? ऐसा करते समय नहीं सोचा कि इसराइल पर क्या गुजरेगी? या स्टैंड भारत के राष्ट्रीय हित के विरुद्ध था।

ईरान के साथ भारत के संबंधों को न मित्रतापूर्ण कह सकते हैं न शत्रुतापूर्ण। मान लीजिए कि ईरान के साथ हमारे संबंध बहुत ही अच्छे थे। विदेश नीति और रक्षा नीति वर्तमान और भविष्य की परिस्थितियों के अनुसार निर्धारित होती हैं। क्या इजराइल से हमारे संबंध बुरे रहे हैं? ऐसा कौन कठिन अवसर है जिसमें आवश्यकता पड़ने पर इजरायल ने साथ नहीं दिया है? 1962 से लेकर हर युद्ध में इजराइल भारत के साथ रहा है। 1962 में तो पंडित जवाहरलाल नेहरू के आग्रह पर उसने बिना चिन्ह लगाए हथियारों का खेप भेजा। अमेरिका से व्यापार को लेकर ट्रंप की नीतियों में अवश्य दुराव पैदा हुआ किंतु आज भी वह हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, सबसे अधिक लाभ देने वाला देश है तथा सामरिक सहयोग उस सीमा तक पहुंच गए हैं जहां हम एक दूसरे के रक्षा लॉजिस्टिक तक का उपयोग कर सकते हैं।

ईरान ने जितनी भारी मात्रा में मिसाइल इकट्ठे किए उसका कोई वाजिब कारण है? ईरान पहले से पूरे क्षेत्र में आक्रमण करता रहा है। 2019 में भी उसने सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया था। ओमान की खाड़ी में जहाजों को निशान बनाया। इराक में कुर्दों पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे। सीरिया और पाकिस्तान में उसकी मिसाइलें गिरीं। कहा गया कि वहां से हथियारबंद समूह ईरान विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं। हिज्बुल्लाह, हुती, हमास जैसे आतंकवादी समूहों को पालने वाला देश शांतिवादी नहीं हो सकता। बलूचिस्तान के एक भाग पर उसका कब्जा है तथा वहां के मुक्ति आंदोलन का वह भी पाकिस्तान की तरह क्रूरता से दमन कर रहा है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उसका सबसे पहला युद्ध इराक से हुआ जो एक दशक चला। इजरायल को धरती पर नहीं रहने के अधिकार की घोषणा करने वाले तथा पड़ोसी देशों को हमेशा अपनी सैन्य ताकत से भयभीत रखने की नीति वाले ईरानी शासन का कौन साथ देगा? इजरायल ईरान का पड़ोसी भी नहीं है। इजरायल का अब पड़ोसी जॉर्डन और मिस्र जैसे देशों के साथ कोई तनाव नहीं। हिज्बुल्लाह को छोड़ दें तो उसका लेबनान से तनाव खत्म हो सकता है।

भारत के संबंध अरब के सभी देशों से हैं और लगभग एक करोड़ भारतीय में सबसे कम ईरान में ही केवल दस हजार हैं। जरा सोचिए, ईरान के साथ खुलकर खड़ा होने का संदेश सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ओमान, कुवैत आदि देशों में कैसा जाएगा? ओमान के साथ कुछ ही महीने पहले हमारा सामरिक साझेदारी समझौता हुआ है। न्यायपूर्ण व्यवहार तो यही है कि ईरान इजरायल का अस्तित्व स्वीकारे, पड़ोसी देश को अपने सैन्य ताकत का भय दिखाना बंद करे, आतंकवादी समूहों को समर्थन न दे तथा नाभिकीय हथियार बनाने की सोच का मान्य परित्याग करे। क्षेत्र के साथ-साथ यही भारत के भी हित में है। कांग्रेस भूल रही है कि 2006 में अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय आणविक एजेंसी में लाए गए प्रस्ताव का तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने समर्थन किया था। भारत का इसी में राष्ट्रीय हित था। निश्चित रूप से इस युद्ध से हमारी समस्याएं बढ़ीं है खासकर पेट्रोलियम आपूर्ति के संदर्भ में और उसका असर दिख रहा है। किंतु इसका सामना संपूर्ण देश को मिलकर ही करना होगा। यह संकट अकेले भारत का नहीं संपूर्ण विश्व के लिए है। ईरान के साथ खुलकर खड़ा होना तो मामले को और जटिल बनाएगा। भारत कभी युद्ध के साथ नहीं हो सकता किंतु जिन घटनाओं पर हमारा नियंत्रण नहीं उसमें हम कुछ कर नहीं सकते। ईरान 1979 के इस्लामी क्रांति के बाद छद्म युद्ध लगातार लड़ रहा है। विदेश नीति हमेशा राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्धारित होती है और भारत इस मामले पर सही दिशा में है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ईरान दूतावास जाकर अयातुल्लाह अल खामेनेई की मृत्यु पर शोक संदेश लिखा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 9 मार्च को संसद में भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि सरकार ने 20 फरवरी को बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान का बयान दिया था।

अध्यात्म

संगति, परिवेश और भाव

एक राजा अपनी प्रजा का भरपूर ख्याल रखता था. राज्य में अचानक चोरी की शिकायतें बहुत आने लगीं. कोशिश करने से भी चोर पकड़ा नहीं गया. हारकर राजा ने ढींढोरा पिटवा दिया कि जो चोरी करते पकडा जाएगा उसे मृत्युदंड दिया जाएगा. सभी स्थानों पर सैनिक तैनात कर दिए गए. घोषणा के बाद तीन-चार दिनों तक चोरी की कोई शिकायत नही आई. उस राज्य में एक चोर था जिसे चोरी के सिवा कोई काम आता ही नहीं था. उसने सोचा मेरा तो काम ही चोरी करना है. मैं अगर ऐसे डरता रहा तो भूखा मर जाउंगा. चोरी करते पकडा गया तो भी मरुंगा, भूखे मरने से बेहतर है चोरी की जाए. वह उस रात को एक घर में चोरी करने घुसा. घर के लोग जाग गए. शोर मचाने लगे तो चोर भागा. पहरे पर तैनात सैनिकों ने उसका पीछा किया. चोर जान बचाने के लिए नगर के बाहर भागा. उसने मुडके देखा तो पाया कि कई सैनिक उसका पीछा कर रहे हैं. उन सबको चमका देकर भाग पाना संभव नहीं होगा. भागने से तो जान नहीं बचने वाली, युक्ति सोचनी होगी. चोर नगर से बाहर एक तालाब किनारे पहुंचा. सारे कपडे उतारकर तालाब मे फेंक दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर एक बरगद के पेड के नीचे पहुंचा. बरगद पर बगुलों का वास था. बरगद की जड़ों के पास बगुलों की बीट पड़ी थी. चोर ने बीट उठाकर उसका तिलक लगा लिया ओर आंख मूंदकर ऐसे स्वांग करने बैठा जैसे साधना में लीन हो. खोजते-खोजते थोडी देर मे सैनिक भी वहां पहुंच गए पर उनको चोर कहीं नजर नहीं आ रहा था. खोजते खोजते उजाला हो रहा था ओर उनकी नजर बाबा बने चोर पर पडी. सैनिकों ने पूछा- बाबा इधर किसी को आते देखा है. पर ढोंगी बाबा तो समाधि लगाए बैठा था. वह जानता था कि बोलूंगा तो पकडा जाउंगा सो मौनी बाबा बन गया और समाधि का स्वांग करता रहा. सैनिकों को कुछ शंका तो हुई पर क्या करें. कही सही में कोई संत निकला तो ? आखिरकार उन्होंने छुपकर उसपर नजर रखना जारी रखा. यह बात चोर भांप गया. जान बचाने के लिए वह भी चुपचाप बैठा रहा. एक दिन, दो दिन, तीन दिन बीत गए बाबा बैठा रहा. नगर में चर्चा शुरू हो गई की कोई सिद्ध संत पता नही कितने समय से बिना खाए-पीए समाधि लगाए बैठे हैं. सैनिकों को तो उनके अचानक दर्शन हुए हैं. नगर से लोग उस बाबा के दर्शन को पहुंचने लगे. भक्तों की अच्छी खासी भीड़ जमा होने लगी. राजा तक यह बात पहुंच गई. राजा स्वयं दर्शन करने पहुंचे. राजा ने विनती की आप नगर मे पधारें और हमें सेवा का सौभाग्य दें. चोर ने सोचा बचने का यही मौका है. वह राजकीय अतिथि बनने को तैयार हो गया. सब लोग जयघोष करते हुए नगर में लेजा कर उसकी सेवा सत्कार करने लगे. लोगों का प्रेम और श्रद्धा भाव देखकर ढोंगी का मन परिवर्तित हुआ. उसे आभास हुआ कि यदि नकली में इतना मान-सम्मान है तो सही में संत होने पर कितना सम्मान होगा. उसका मन पूरी तरह परिवर्तित हो गया और चोरी त्यागकर संन्यासी हो गया. संगति, परिवेश और भाव इंसान में अभूतपूर्व बदलाव ला सकता है. रत्नाकर डाकू को गुरू मिल गए तो प्रेरणा मिली और वह आदिकवि हो गए. असंत भी संत बन सकता है, यदि उसे राह दिखाने वाला मिल जाए.

डिजिटल लेनदेन में न्याय की नई लकीर

21वीं सदी का भारत एक डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। आज एक रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर बड़े शोरूम तक 'यूपीआई' और 'डिजिटल वॉलेट' हमारी जीवन रेखा बन चुके हैं। जब हम 'डिजिटल इंडिया' और 'कैशलेस इकोनॉमी' की सफलता की बात करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान केवल लेनदेन की गति और सुविधा पर होता है। लेकिन इस चमक-धमक वाले डिजिटल बुनियादी ढांचे के पीछे एक जटिल कानूनी मशीनरी काम करती है, जिसे 'अदृश्य न्यायशास्त्र' कहा जा सकता है। 2 मार्च 2026 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रेजरपे बनाम प्रवर्तन निदेशालय मामले में दिया गया निर्णय इसी अदृश्य ढांचे को मजबूती प्रदान करने वाला एक युगांतरकारी फैसला है।

डॉ. राजेश कुमार गुप्ता

यह निर्णय केवल एक कॉर्पोरेट राहत नहीं, बल्कि यह भारत के उभरते हुए फिनटेक क्षेत्र के लिए एक सुरक्षा कवच है। न्यायालय ने इस निर्णय के माध्यम से मध्यस्थ और वास्तविक अपराधी के बीच की उस धुंधली रेखा को स्पष्ट कर दिया, जिसे अक्सर जांच एजेंसियां अपने विवेकाधीन शक्तियों के अति-उत्साह में मिटा देती थीं। इस विवाद की पृष्ठभूमि में अवैध चीनी लोन ऐप्स और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों द्वारा भारतीय नागरिकों को छोटे ऋण के जाल में फंसाकर की गई जबरन वसूली और डेटा चोरी शामिल है। इन अपराधियों ने अपनी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए रेजरपे और कैशफ्री जैसे वैध 'पेमेंट गेटवे' का उपयोग एक 'कवर' के रूप में किया। जब प्रवर्तन निदेशालय ने इन घोटालों की जांच शुरू की, तो धन शोधन निवारण अधिनियम की व्यापक व्याख्या के कारण ये निर्दोष सेवा प्रदाता भी कानूनी जांच के दायरे में आ गए। न्यायालय ने माना कि रेजरपे जैसे पेमेंट एग्रीगेटर एक 'पाइपलाइन' की तरह हैं। यदि उस पाइप लाइन से गंदा पानी (अवैध धन) गुजरता है, तो इसके लिए पाइपलाइन बिछाने वाली कंपनी तब तक दोषी नहीं है जब तक कि यह साबित न हो जाए कि उसने जानबूझकर गंदा पानी प्रवाहित करने के लिए पाइपलाइन खोली थी। कानून का एक प्राचीन और सर्वमान्य सिद्धांत स्पष्ट करता है कि केवल कोई कृत्य किसी व्यक्ति को तब तक अपराधी नहीं बनाता, जब तक कि उसके पीछे कोई आपराधिक मंशा न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने हालिया निर्णय में इसी 'मेन्स रिया' यानी 'आपराधिक मंशा' के महत्व को डिजिटल युग के संदर्भ में गहराई से रेखांकित किया है। आधुनिक पेमेंट गेटवे के कामकाज का विश्लेषण करते हुए न्यायालय ने 'ऑटोमेशन बनाम मंशा' के तर्क को मजबूती दी, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि एक फिनटेक प्लेटफॉर्म प्रतिदिन करोड़ों लेनदेन को स्वचालित एल्गोरिदम के माध्यम से संसाधित करता है। चूँकि इस प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम होता है, इसलिए यदि कोई सॉफ्टवेयर कोड किसी लेनदेन को तकनीकी रूप से 'सफल' दिखाता है, तो उसमें किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत 'साजिश' या आपराधिक इरादा ढूंढना तार्किक नहीं है।

इसी क्रम में न्यायालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि मनी लॉन्ड्रिंग की परिभाषा में सहायता करना या संलिप्त होना जैसे शब्दों का अर्थ केवल जानबूझकर की गई सहायता से ही लिया जाना चाहिए। न्यायालय के अनुसार, किसी अनजाने में प्रदान की गई तकनीकी सेवा या बुनियादी ढांचे के उपयोग को लॉन्ड्रिंग की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। यह स्पष्टीकरण उन सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ा कानूनी रक्षा कवच है जो केवल एक माध्यम या पाइपलाइन के रूप में कार्य करते हैं और जिनका मुख्य उद्देश्य अवैध धन को वैध बनाना नहीं, बल्कि तकनीकी सुगमता प्रदान करना होता है। न्यायालय द्वारा स्थापित यह अंतर इस पूरे निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण और आधारभूत हिस्सा माना

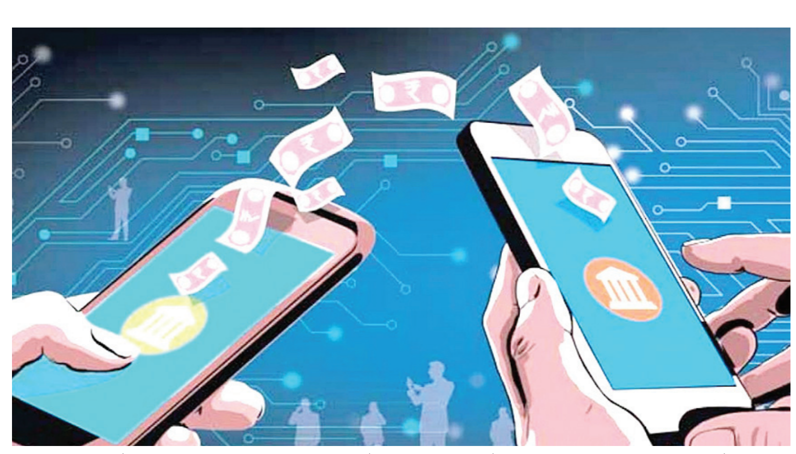

जा सकता है, जहाँ 'नियामक चूक' और 'आपराधिक अपराध' के बीच एक अत्यंत बारीक लेकिन स्पष्ट विभाजन रेखा खींची गई है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई कंपनी केवाईसी नियमों का पालन करने में कोताही बरतती है या भारतीय रिजर्व बैंक को संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्ट समय पर नहीं भेजती, तो इसे एक 'प्रशासनिक विफलता' या नियामक चूक माना जाना चाहिए, जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक के पास संबंधित कंपनी पर भारी जुर्माना लगाने या उसका लाइसेंस रद्द करने जैसे पर्याप्त अधिकार मौजूद हैं। इसे सीधे तौर पर आपराधिक कृत्य की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि मनी लॉन्ड्रिंग का दोष सिद्ध करने के लिए व्यक्ति या संस्था की सक्रिय और सचेत भागीदारी अनिवार्य है, न कि केवल तकनीकी संपर्क। सर्वोच्च न्यायालय ने जांच एजेंसियों को आगाह किया है कि वे सिविल या प्रशासनिक चूकों (जैसे केवाईसी में देरी) को आपराधिक अपराध का रंग देने से बचें। चूंकि, धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 45 के तहत जमानत मिलना अत्यंत कठिन है, इसलिए इसका प्रयोग केवल वास्तविक अपराधियों और प्रत्यक्ष लाभार्थियों के विरुद्ध ही होना चाहिए। यह निर्णय उन उद्यमियों को सुरक्षा प्रदान करता है जिनसे अनजाने में प्रक्रियात्मक चूक हुई हो, और उन्हें जान-बूझकर वित्तीय प्रणाली को दूषित करने वाले अपराधियों से अलग करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने रेजरपे मामले में अपने विवेक का उपयोग करते हुए पूर्व के महत्वपूर्ण न्यायिक सिद्धांतों को आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था के अनुकूल ढाला है। न्यायालय ने विजय मदनलाल चौधरी (2022) के धन शोधन निवारण अधिनियम संबंधी कठोर सिद्धांतों को फिनटेक की विशिष्ट कार्यप्रणाली से जोड़कर 'तकनीकी-अनुकूल' बनाया है, वहीं श्रेया सिंघल (2015) के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले तर्क को यहाँ अनुच्छेद 19(1)(छ) के तहत 'व्यापार की स्वतंत्रता' के संरक्षण के रूप में विस्तार दिया है। साथ ही, गूगल इंडिया बनाम विशाखा इंडस्ट्रीज में प्रतिपादित 'मध्यस्थ देयता' के सिद्धांतों को पुनः परिभाषित करते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्मों को उनके उपयोगकर्ताओं के हर अवैध कृत्य के लिए स्वतः जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, जिससे तकनीकी क्षेत्र में अनावश्यक कानूनी भय को कम करने का प्रयास किया गया है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' और भारत के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए संजीवनी समान है। विशेषकर फिनटेक क्षेत्र में, जहां नवाचार और बैंकिंग का संगम है, वहाँ 'नियामक आतंकवाद' और बिना ठोस साक्ष्यों के दंडात्मक कार्रवाई का भय अक्सर पूंजी के पलायन का कारण बनता रहा है। न्यायपालिका का यह रुख न केवल स्टार्टअप संस्थापकों को सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों में यह विश्वास भी जगाता है कि भारतीय कानूनी ढांचा आधुनिक तकनीक और व्यापारिक बारीकियों के प्रति संवेदनशील है।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
दिन आपके लिए सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आने वाला है। अपने कामों में आपको अच्छी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृषभ
व्यापार से जुड़े लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है, किसी अजनबी पर भरोसा न करें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत खराब होने से भागदौड़ होगी।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों से भरा हो सकता है। इसलिए अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखना बहुत जरूरी होगा।

कर्क
परिवार के वरिष्ठ सदस्य हर कदम पर आपका साथ देंगे। आय बढ़ाने के नए अवसर भी सामने आ सकते हैं, जिन्हें आपको हाथ से जाने नहीं देना चाहिए।

सिंह
कार्यक्षेत्र में लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा और आप अपने काम समय पर पूरे करने की कोशिश करेंगे। कहीं घूमने-फिरने जा सकते है।

कन्या
आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष से भरा रहेगा। परिवार में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशहाल हो जाएगा।

तुला
आज का दिन निवेश से जुड़े मामलों में आपके लिए शुभ रहने वाला है। शेयर मार्केट या निवेश से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपनी माताजी से कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे।

धनु
संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। हालांकि दूसरों के मामलों में बिना वजह बोलने से बचें और किसी विवाद से दूर रहें।

मकर
आज परिवार के सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने कामों में काफी व्यस्त रहेंगे और कई जिम्मेदारियां एक साथ निभानी पड़ सकती हैं। तेज गति से वाहन चलाने से बचें।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए अनुकूल और प्रगति से भरा रहेगा। अपनी बुद्धिमत्ता और समझदारी से आप लोगों को प्रभावित करेंगे। तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं।

मीन
आज का दिन आपके लिए लाभ और प्रगति के संकेत लेकर आया है। अपनी मेहनत और लगन से आप अच्छा मुकाम हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

संक्षिप्त समाचार

लोहे के रॉड से मारपीट कर किया जख्मी

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के नाडोल स्थित पचपन पर गांव में सड़क पर गिरे हुए बालू को हटाने को लेकर हुए विवाद में लोहे के रॉड से मारकर जख्मी करने के मामले में श्याम नंदन प्रसाद पिता स्वर्गीय लालदेव प्रसाद ने गांव के ही सोनू कुमार उर्फ देशा पिता रामायण प्रसाद पर नामजद आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन की आलोक में लिखा है कि घर के पास में सड़क के किनारे बालू गिराया हुआ था और महज 10 बोरा बालू ही बचा हुआ था उसी समय सोनू कुमार गाड़ी लेकर आया और बालू पर पहिया चढ़ाते हुए घसीट दिया जब उन्हें मना किया गया तो गाली गलौज करते हुए लोहे के रॉड से मारपीट कर जख्मी कर दिया हमारी पत्नी टुन्नी देवी को भी मारपीट किया और गाली गलौज करते हुए मंगलसूत्र चैन छीन लिया पुलिस दिए गए आवेदन पर जांच पड़ताल में जुटी है।

रक्सौल अनुमंडल अस्पताल में 'रेफरल सिंडिकेट' का खुलासा, उपाधीक्षक समेत दो डॉक्टरों पर कार्रवाई के आदेश

रक्सौल(पूर्वी चंपारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्वी चंपारण के रक्सौल अनुमंडल अस्पताल में गरीब मरीजों को निजी क्लिनिक भेजकर अवैध वसूली करने के संगठित खेल का बड़ा खुलासा हुआ है। जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए अस्पताल की उपाधीक्षक डॉ. स्वाति सपन और चिकित्सक डॉ. विजय कुमार को गंभीर अनियमितताओं का दोषी पाया है। 30 मार्च 2026 को सुनाए गए अंतिम फैसले में प्राधिकार ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया है कि दोनों के खिलाफ 'प्रपत्र क' (विभागीय आरोप पत्र) गठित कर तत्काल रक्सौल से स्थानांतरण किया जाए। शिकायत से खुला मामला मामले की शुरुआत 2 जनवरी 2026 की घटना से हुई। सामाजिक कार्यकर्ता पूर्णिमा भारती ने 8 जनवरी को शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक महिला को सरकारी अस्पताल से डराकर आशा कार्यकर्ता के माध्यम से निजी नर्सिंग होम भेजा गया, जहां ऑपरेशन के नाम पर 37 हजार रुपये की मांग की गई। विरोध करने पर परिजनों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। बाद में दूसरे अस्पताल में महिला की सामान्य डिलीवरी हुई, जिससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हुए। जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताएं प्रशासन द्वारा गठित विभिन्न जांच टीमों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली में कई चौंकाने वाली खामियां उजागर कीं: सरकारी सुविधाएं होने के बावजूद मरीजों को निजी क्लिनिक भेजना बायोमेट्रिक उपस्थिति में फर्जीवाड़ा अस्पताल की दवाओं की कालाबाजारी एक्स-रे विभाग में भ्रष्टाचार और महिलाओं से दुर्व्यवहार के आरोप भव्य सॉफ्टवेयर में मरीजों का डेटा दर्ज नहीं करना कैश बुक नहीं दिखाना, वित्तीय अनियमितता के संकेत साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति जांच के दौरान बढ़ा विवाद जांच प्रक्रिया के दौरान एक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने खुद को अलग करते हुए आरोप लगाया कि निष्पक्ष जांच करने पर उन्हें धमकियों और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। इससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई। शिकायत वापसी पर भी उठे सवाल परिवादिनी द्वारा अचानक शिकायत वापस लेने के आवेदन को प्राधिकार ने संदिग्ध माना और इसे दबाव का परिणाम बताया। इस पहलू की अलग से जांच के निर्देश दिए गए हैं।

पैक्स की प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड की दो प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स), गोखुला और हरदीटेढ़ा के चुनाव की तैयारियां प्रशासनिक स्तर पर शुरू हो गई हैं। बुधवार को प्रखंड के सभाकक्ष से दोनों पैक्सों की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के साथ ही अब सुधार की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिन मतदाताओं को सूची में नाम जुड़वाने या सुधार करवाने को लेकर कोई आपत्ति है, वे 10 अप्रैल तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।इन सभी दावा-आपत्तियों के विधिवत निष्पादन के बाद 13 अप्रैल को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।बीसीओ ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 30 मार्च को ही जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा सभी प्रारूप मतदाता सूचियों का भौतिक सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया था। इसके बाद ही बुधवार को इन्हें सार्वजनिक किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रकाशन के अनुसार, गोखुला पैक्स में कुल 1,999 मतदाता है। और हरदीटेढ़ा पैक्स में कुल 2,725 मतदाता है।उन्होंने संबंधित क्षेत्रों के किसानों और पैक्स सदस्यों से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर सूची का अवलोकन कर लें ताकि चुनाव के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दिव्यांगता जांच शिविर में 38 ने किया आवेदन

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के सभाकक्ष में बुधवार को दिव्यांगजनों के लिए विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाना और उनके विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडीबनवाने हेतु पंजीकरण करना था। बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने बताया कि शिविर में प्रखंड के विभिन्न गांवों जैसे मठिया, परोराहा, सोनासती, बलथर, बैरिया, तकिया, पोखरिया, नौतनवा, चमुआ, रोआरी, पडडिया, सेमरी और कुकुरा से बड़ी संख्या में दिव्यांग पहुंचे थे। इस दौरान कुल 38 दिव्यांगों ने यूडीआईडी कार्ड के लिए अपने आवेदन जमा किए। हालांकि शिविर में केवल हड्डी रोग विशेषज्ञ की उपलब्धता होने के कारण अन्य श्रेणी के दिव्यांगों को कठिनाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान हड्डी रोग के 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले 9 और 40 प्रतिशत से कम वाले 2 आवेदकों का सफल परीक्षण किया गया। वही आंख, कान और मानसिक दिव्यांगता से संबंधित 27 आवेदकों को बेहतर जांच के लिए जिला अस्पताल जीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

धनरूआ में एक ऐसा गांव जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी चचरी पुल के भरोसे जिन्दगी

शशि तुलस्यान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना और नालंदा जिला के सीमा पर बसे धनरूआ प्रखंड का निजामत गांव विकास से महरूम है। इस गांव में 500 से अधिक लोगों की आबादी है, लेकिन आज भी चचरी पुल ही एक मात्र सहारा है। दरअसल फल्गु नदी से टूटकर धनरूआ में कररूआ एवं भुतही नदी इस गांव से गुजरी है और इस गांव के सामने तकरीबन 45 फीट का चौड़ा एक पाट है जहां पर गांव के लोगों ने चचरी पुल बनाकर आवागमन करते हैं। जो सरकार के विकास को आइना दिखा रहा है।बारिश के मौसम में इस गांव के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि आजादी के सात दशक बाद भी आज भी ऐसे कई गांव हैं जहां विकास से महरूम है। ऐसे में निजामत गांव जो विकास को आइना दिखा रहा है, जहां आज भी लोग नदी पार करने के लिए चचरी पुल का इस्तेमाल करते हैं। न जाने कितनी सरकारें बदल चुकी है। हर क्षेत्र में कितने बदलाव आ चुके है। देश चांद पर पहुंचने की कोशिश में है। यानी सबकुछ बदला, लेकिन धनरूआ प्रखंड के निजामत गांव के लोगों को चचरी पुल से मुक्ति नही मिल सकी है। 500 से अधिक आबादी वाले उक्त गांव के लोगों को दशकों से नदी पर पुल का इंतजार है। गौरतलब है की आजादी के पहले और बाद में अबतक इस गांव को चचरी पुल से मुक्ति नही मिला लेकिन यह भी विडंबना है कि चचरी पुल सरकार-प्रशासन नही, बल्कि ग्रामीण ही हर वर्ष नदी में खुद के खर्च पर बनाते है। ग्रामीणों की चचरी पुल वाली दास्तान काफी दर्द भरी है। निजामत गांव के सरवन प्रसाद, समुद्र प्रसाद, विद्यानंद यादव, जगजीवन रविदास, विकास कुमार, जगनारायण यादव, कारू यादव ,पोषण देवी, रिंकू देवी, फेकनी देवी ,मीना देवी आदी ने अपना दुख दर्द से साझा किया कि पिछले कई वर्षों से चचरी पुल के सहारे आवागमन कर रहे हैं और इससे पुल से कई घटनाएं घट चुकी है, कई बच्चे इसमें गिरकर उनकी मौत भी हो चुकी है।यह पुल 20 गांव के लिए लाइफ लाइन है इसके सहारे नवाहिया पर, डोमन बीघा, ननौरी, मिल्कीपुर, किशितपुर ,गोरबिगहा, मलिकपुर, विष्णुचक, नंदाचक अंधारी फलका पर बिलसा आदी दो दर्जन गांव के लोग आते जाते है।लेकिन आज तक किसी ने चचरी पुल से मुक्ति दिलाने की चिंता नहीं की। गांव के लोगों की मजबूरी है नदी पार करना।

पालीगंज के कुरकुरी बधार के पइन में वृद्ध महिला का शव मिलने से सनसनी

पालीगंज (पटना) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज थाना क्षेत्र के कुरकुरी गांव के उत्तर बधार स्थित पइन से एक वृद्ध महिला का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह ग्रामीण रबी फसल काटने के लिए बधार की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर पइन में पड़े एक वृद्ध महिला के शव पर पड़ी। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने जांच के दौरान मृतका की पहचान रामपुर नगवां गांव निवासी स्वर्गीय सोहराई भगत की 80 वर्षीय पत्नी सितापति देवी के रूप में की। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि सितापति देवी मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और पिछले तीन-चार दिनों से अपने घर से लापता थीं। परिजनों ने जिसकी सूचना थाने को नहीं दिया था। आशंका जताई जा रही है कि रास्ता भटककर वह कुरकुरी बधार पहुंच गई होंगी और पइन पार करने के दौरान पानी में गिर गईं, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतका की चार बेटियां हैं। मृतक के परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है।

ट्रक की बैटरी चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बैटरी चोरी के एक मामले में पालीगंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक की पहचान पालीगंज निवासी राजेश चौधरी के पुत्र रोहित कुमार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि रोहित कुमार ने एक गैरेज में खड़े ट्रक से बैटरी चोरी की थी। चोरी की गई बैटरी को उसने पालीगंज स्थित एक कबाड़ी की दुकान में बेच दिया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस को इसकी जानकारी मिली, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कबाड़ी दुकानदार की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिसे अभियुक्त बनाते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पालीगंज में सीएसपी संचालक से हथियार के बल पर दो लाख की लूट, बाइक सवार बदमाश फरार

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज प्रखंड के पियरपुरा थाना क्षेत्र में मंगलवार की शाम अपराधियों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए एक सीएसपी संचालक से पिस्टल के बल पर दो लाख रुपये नगद से भरा बैग और मोबाइल लूट लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित के आवेदन पर पियरपुरा थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खिरिमोड थाना क्षेत्र के निरखपुर गांव निवासी नवीन कुमार खिरिमोड बाजार में किराए के कमरे में एसबीआई का ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) संचालित करता है। प्रतिदिन की तरह मंगलवार की शाम वह अपना केंद्र बंद कर बाइक से अपने गांव लौट रहा था। उसके साथ गांव का ही एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। बताया जाता है कि जैसे ही वह पियरपुरा थाना क्षेत्र के गौसगंज गांव के समीप खिरिमोड-समदा सड़क पर स्थित कब्रिस्तान के पास पहुंचा, तभी एक बाइक पर सवार दो बदमाश अचानक सामने आ गए। बदमाशों ने पिस्टल सटाकर नवीन कुमार से रुपये से भरा बैग और मोबाइल छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने बुधवार की सुबह पियरपुरा थाना पहुंचकर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की पुष्टि करते हुए पियरपुरा थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मसौढ़ी में जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना हेतु सुपरवाइजर एवं प्रगणक की प्रतिनियुक्ति

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही पहले चरण यानी मकानसूचीकरण और मकानों की गणना कि जायेगी, इसके लिए पूछे जाने वाले सवालों की सूची भी सार्वजनिक कर दी गई है। इस चरण में कुल 33 सवाल शामिल किए गए हैं, जबकि दूसरे चरण में होने वाली जनसंख्या गणना से जुड़े प्रश्नों की सूची बाद में जारी की जाएगी। इसके अलावा मकान के उपयोग, वर्तमान हालत, परिवार क्रमांक, परिवार में रहने वाले कुल सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम और यह जानकारी भी ली जाएगी कि परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य वर्ग से संबंधित है या नहीं। अधिसूचना जारी होने से पहले रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने एक सर्कुलर के जरिए जनगणना की कार्ययोजना भी साझा की थी। इसके अनुसार, जनगणना के दौरान डेटा संग्रह की मुख्य जिम्मेदारी सर्वेक्षकों और सुपरवाइजरों की होगी। ऐसे में मसौढ़ी अनुमंडल के मसौढ़ी धनरूआ एवं पुनपुन प्रखंड में प्रखंड स्तर पर चार्ज पदाधिकारी बनाए जाएंगे वहीं हर प्रखंड में राजस्व गांव में गणना कर्मियों को लगाया गया है। मसौढ़ी प्रखंड शहरी में 167 गणना कर्मचारी और 28 पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंप गई है। वही मसौढ़ी ग्रामीण क्षेत्र के लिए 310 गणनाकर्मचारी और 57 पर्यवेक्षक को लगाया गया है। वही धनरूआ प्रखंड में 380 गणना कर्मचारी और 62 पर्यवेक्षक को लगाया गया है। वही पुनपुन प्रखंड की बात करें तो 229 गणनाकर्मी और 30 पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी तय की गई है इसके अलावा 10% गणना कर्मी एवं सूर्य सुपरवाइजर को रखा गया है।गौरतलब है की सर्वेक्षक को लगभग 700 से 800 लोगों की गिनती का जिम्मा सौंपा जाएगा, जबकि हर 6 सर्वेक्षकों पर एक सुपरवाइजर तैनात किया जाएगा।

पुनपुन में एनसीसी कैडेटों ने चलाया स्वच्छता अभियान, लिया स्वछच्ता का संकल्प

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुनपुन स्थित 29 बिहार बटालियन एन.सी.सी एसएमडी कॉलेज में एन.सी.सी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट मुकेश कुमार के नेतृत्व में एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सभी ने सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ली और हर सप्ताह कम से कम दो घंटे श्रमदान कर स्वच्छता कार्यक्रमों में भाग लेने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई से की गई। एन.सी.सी कैडेट्स ने झाडू लगाकर कैंपस को स्वच्छ किया और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। यह पहल एनसीसी कैडेट्स में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने की दिशा में सराहनीय कदम माना गया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ) मधुरेंद्र ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने एन.सी.सी कैडेट्स से अपील की कि वे स्वच्छता को जीवनशैली में शामिल करें और समाज में भी इस संदेश को फैलाएं। एन.सी.सी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट मुकेश कुमार ने साफ-सफाई के महत्व को विस्तार से बताया. उन्होंने कहा कि इसे अपने जीवन में यदि उतार लिया गया तो भविष्य में बहुत सारी चीजें आसान हो जायेगी कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक गण, शिक्षकेतर कर्मचारी गण और 65 एनसीसी कैडेट्स उपस्थिति हुए।

मसौढ़ी में सड़कों पर उतरे किसान, बिजली और बीज विधेयक के खिलाफ हल्ला बोल

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार राज्य किसान सभा पटना जिला किसान कौंसिल की बैठक साई उत्सव हॉल मे आहूत की गई, जिसकी अध्यक्षता शिव कुमार विद्यार्थी ने की, बैठक में मुख्य रूप से पंचायत, प्रखंड, एवं जिला सम्मेलन करने पर विचार विमर्श किया गया। इसके बाद किसान नेताओं ने ,किसान विरोधी नीतियों को जैसे भारत अमेरिका व्यापार समझौते , बिजली संशोधन विधेयक 2025, बीज विधेयक 2026, बीवी ग्राम जी अधिनियम की आलोचना की। एवं 4 श्रम लेबर कोड को रद्द करने के लिए प्रतिरोध मार्च निकाल कर सरकार को चेतावनी देते हुए कहा की किसान मजदूर के व्यापक एकता के बदौलत पुरे देश में एकजुट आन्दोलन खड़ा किया जायेगा।सभाओं को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने इन विधेयकों को किसान विरोधी और जनविरोधी करार दिया.नेताओं ने आरोप लगाया कि यह विधेयक बिजली क्षेत्र के निजीकरण का रास्ता खोलेगा और इससे आम उपभोक्ताओं पर बिजली का बोझ बढ़ेगा और किसानों को मिलने वाली सब्सिडी प्रभावित होगी. इस मार्च में पटना जिला किसान सभा के सचिव सोना लाल प्रसाद, शिव कुमार विद्यार्थी,सी पी मंडल,बिदयान्सिंह, दरबारी यादव,शिवनंदन पासवान, सुरेश चौहान,। रविन्द्र सिंह, मधेश शर्मा, लाल बाबु प्रसाद, रबिंद्र कुमार, राम प्रकाश चौधरी,अवधेश कुमार, कृष्णा प्रसाद, रामजी प्रसाद, उमेश चन्द्र राय, रामदयाल प्रसाद ने भाग लिए हैं।

बकाया पैसा मांगने गए व्यक्ति को 5 घंटे तक बनाया बंधक, मारपीट कर की छिनतई

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बकाया पैसा मांगने गए व्यक्ति के साथ मारपीट कर एक कमरे में 5 घंटे तक बंद रखकर मारपीट करने का मामला प्रकाश में है। दरअसल इस घटना के संदर्भ में पीड़ित कृष्ण बल्लभ परवलपुर नालंदा के निवासी ने मसौदा थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है, दिए गए आवेदन का आलोक में लिखा है कि काजिचक गांव के विकास कुमार को एक केस में मदद के लिए सहायता स्वरूप उसे डेढ़ लाख रुपया हमने उधार दिया था उसके एवरेज में ₹50 हजार वापस कर दिया है लेकिन एक लाख रूपया बकाया था, जब पैसा मांगने के लिए जब काजिचक गांव गए तो गाली ग्लौज जब लौट रहे थे तो रास्ते में पुरनचक के पास संजय यादव, पीयूष कुमार और अर्जुन यादव ने मिलकर एक घर में ले जाकर कमरे में बंद कर दिया और 5 घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट किया और गले से सोने का चेन ₹10 हजार और मोबाइल छीन लिया जब काफी हो हल्ला हुआ पास पास के लोग जुटे और मुझे मुक्त कराया गया, पुलिस दिए गए आवेदन के आलोक में जांच पड़ताल में जुटी हैं।

सब्जी मंडी की सैरात बंदोबस्ती नप प्रशासन के लिए बनी चुनौती

इस बार भी नहीं हुआ टेंडर, प्रशासन करेगा वसूली

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद मसौढ़ी के अंतर्गत सब्जी मंडी की नीलामी नगर प्रशासन के लिए सिरदर्द बना हुआ है. दरअसल इस बार भी नगर परिषद क्षेत्र के तमाम क्षेत्रों की नीलामी की गई. जिसमें नगर परिषद के पूर्वी बस स्टैंड,पश्चिमी बस स्टैंड की नीलामी की गई. लेकिन तीसरी बार भी सब्जी मंडी की नीलामी नहीं हो सकी.इसका कारण यह बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष अधिकतम राशि 25 लाख 51 हजार रुपये थी. जिसे अब बढ़ाकर 18 पर्सेंट जीएसटी टैक्स लागू करने के साथ ही 35 लाख रुपये कर दी गई. इसी कारण कोई भी संवेदक इस निविदा में भाग लेने नहीं पहुंचे.इसके बावजूद नगर परिषद प्रशासन ने टेंडर लेने के लिए 3 दिनों का अतिरिक्त टाइम दिया. फिर भी इन तीन दिनों में किसी भी संवेदकों ने टेंडर नहीं डाला. इसके मुताबिक वसूली आज से बंद हो गई. इस परिस्थित में अब मजबूरन नगर प्रशासन खुद ही सब्जी मंडी की वसूली करेगी. इसके पिछले संवेदक की मानें तो नगर परिषद के सब्जी मंडी के लिए बहुत ज्यादा राशि तय कर दी गई. इसके लिए उतना पुंजी जुटाना आसान नहीं हो पाता है. इसी कारण इतनी बड़ी राशि कोई लगाना नहीं चाहता है.नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजु रंजन ने कहा कि 1 अप्रैल से नगर परिषद प्रशासन तहसीलदार के द्वारा सब्जी मंडी की वसूली की जाएगी।

जानलेवा बना रेलवे क्रॉसिंग के पास बना गढ्ढा, आए दिन पलट रही गाडियां, प्रशासन बना उदासीन

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी स्थित तरेगना दक्षिणी रेलवे गुमटी के पास सड़क पर बना गढ्ढा इन दोनों जानलेवा हो गया है। दरअसल आए दिन कोई न कोई छोटी बड़ी गाड़ियां उस गड्ढे में पलट जा रही है। जिससे काफी नुकसान हो रहा है। गौरतलब है की प्रदेश की सरकार ने ऐलान किया था की सड़क पर गड्ढा अगर नजर आता है तो इसकी सूचना दें गढ्ढा भरकर सड़क मरम्मत किया जाएगा लेकिन अनुमंडल मुख्यालय के अति व्यस्त जगह रेलवे क्रॉसिंग के पास बना सड़क पर गड्ढा जानलेवा साबित हो रहा है, प्रतिदिन गड्ढे में गिरकर कई बाइक सवार एवं साइकिल सवार घायल हो रहे हैं। लेकिन ना तो स्थानीय प्रशासन इस ओर ध्यान दे रही है और ना ही रेल प्रशासन का ध्यान है। ऐसी स्थिति में मसौढ़ी के लोगों के जेहन में काफी आक्रोश व्याप्त है, रेलवे क्रॉसिंग से सटे पश्चिम काफी बड़ा गड्ढा भारी वाहन के परिचालन से हो गया है, जो जानलेवा साबित हो रहा है आपको बताते चलें कि रेलवे क्रॉसिंग के पास ओवरफ्लाई बनाने का कार्य कछुए की चाल से चल रहा है पिछले लगभग तीन-चार वर्षो से फ्लाईओवर बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया था जो अब तक पूरा नहीं किया गया है, ऐसी स्थिति में वैकल्पिक सड़क रेलवे क्रॉसिंग से सटे पश्चिम मलकाना होते हुए पश्चिम मोड तक घोषित किया गया था, दिन में सुबह से 8:00 बजे से लेकर रात्रि 8:00 बजे तक नो एंट्री इस सड़क पर लगाई गई थी लेकिन दिनभर भारी वाहनों का परिचालन इस सड़क पर हो रहा है जिसे देखने वाला कोई नहीं है। रेलवे क्रॉसिंग के पास दो ट्रैफिक जवान को ड्यूटी पर लगाया गया है जो वाहनों को रोक पाने में फिसड्डी साबित हो रहे है। कहना है कि हम लोगों के द्वारा भारी वाहनों को रोका जाता है लेकिन जबरन वाहन चालक भारी वाहन लेकर इस सड़क से नो एंट्री रहने के बाद भी जाते हैं ।मसौढ़ी के लोगों ने मांग किया है कि नो एंट्री सुबह से 8:00 बजे से लेकर रात्रि 8:00 बजे तक लागू किया जाए जो भी भारी वाहन सड़क पर आते हैं उससे जुमार्ना वसूला जाए।

CMYK

खनन विभाग को गुजरे वित्तीय वर्ष में 3592 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति : विजय सिन्हा

96 विजेताओं को मिलेगा बिहारी खनन योद्धा पुरस्कार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को खान एवं भूतत्व विभाग में अपने अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि खान एवं भूतत्व विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 3592.60 करोड़ रुपए की कमाई की जो 2024-25 की तुलना में 56.39 करोड़ रुपए अधिक है। श्री सिन्हा ने विश्वास जताया कि विभाग 2025-26 के वित्त वर्ष के लिए निर्धारित 3800 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह लक्ष्य हासिल कर लेगा। विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 में जमा किए गए 3536.21 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2025-26 में 3592.60 करोड़ रुपये जमा किए हैं। 2025-26 में विभाग ने 56.39 करोड़ रुपये ज्यादा राजस्व जमा किया। श्री सिन्हा ने जोर देकर कहा कि पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के मुकाबले इस बार विभाग ने ज्यादा उपलब्धि हासिल की जबकि 78 रेत घाटों को वापस कर दिया गया था जिससे राजस्व संग्रह में 600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। विभाग को 2024-25 में विभिन्न कार्य विभागों से 511 करोड़ रुपये मिले थे, लेकिन पिछले वित्त वर्ष यानी 2025-26 में कार्य विभागों से सिर्फ 369 करोड़ रुपये ही मिल पाए जिससे राजस्व संग्रह में लगभग 150 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। श्री सिन्हा ने कहा कि 31 मार्च, 2026 को काम खत्म होने के समय तकनीकी कारणों से विभाग को विभिन्न एजेंसियों और विभागों से 309 करोड़ रुपये नहीं मिल पाए। उप मुख्यमंत्री ने विश्वास जताते हुए कहा कि खान विभाग को रेलवे से 32 करोड़ रुपये, आरडब्ल्यूडी से 70 करोड़ रुपये, सीपीडब्लूडी से 20 करोड़ रुपये और पटना मेट्रो से 6.5 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह पैसा विभाग के खाते में आ जाएगा जिसके इस महीने (अप्रैल) में आने की उम्मीद है - विभाग 3800 करोड़ रुपये के अपने राजस्व संग्रह लक्ष्य को पार कर लेगा। श्री सिन्हा ने जोर देकर कहा कि 21 जिलों ने 2025-26 में अपने राजस्व लक्ष्य से ज्यादा हासिल किया है और उन्होंने इन जिलों के अधिकारियों और अपने विभाग की राजस्व लक्ष्य हासिल करने के लिए पीठ थपथपाई। विभाग के राजस्व संग्रह में हुई भारी बढ़ोतरी का ब्योरा देते हुए जो 2001-02 में महज 41 करोड़ रुपये था। श्री सिन्हा ने बताया कि एनडीए के शासन के पहले पांच सालों में, यानी 2009-10 में, राजस्व संग्रह बढ़कर 263 करोड़ रुपये हो गया। यह 2021-22 में और बढ़कर 1700 करोड़ रुपये हो गया और 2024-25 में दोगुना होकर 3536 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रेत खनन का पट्टा वापस करने वाली कंपनियों को नए टेंडर में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्य में 78 घाटों को वापस करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए उपमुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि जिन कंपनियों ने रेत खनन के पट्टे वापस कर दिए हैं उन्हें राज्य में रेत खनन के पट्टे के आवंटन के लिए होने वाले नए टेंडर में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मां शीतला मंदिर मघरा की व्यवस्था में सुधार के लिए पहल करेगा धार्मिक न्यास पर्षद : प्रो रणबीर नंदन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणबीर नंदन ने बुधवार को बिहारशरीफ के दीपनगर थाना क्षेत्र के माता शीतला मंदिर पहुंचकर मंगलवार को हुई घटना का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर पहुंचकर वहां के पुजारियों और स्थानीय लोगों से बात की। प्रो रणबीर नंदन ने माता शीतला की विधि पूर्वक पूजा अर्चना करते हुए माता शीतला से प्रार्थना की कि आगे यहां शांति बनी रहे। इस घटना में जिन श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई उनकी आत्मा को शांति और मोक्ष मिले। उन्होंने कहा कि जिनसे चूक हुई है माता उनको क्षमा करें। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में कोई प्रतिशोध नहीं होता वहां कर्म के अनुसार फल मिलता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक न्यास पर्षद यहां की व्यवस्था सुचारू रूप से चले इस पर पहल करेगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक न्यास पर्षद इन बातों का अध्ययन करेगा। उन्होंने पंडा कमिटी से कहा कि यदि वो लोग व्यवस्था ठीक कराते हैं तो ठीक है यदि नहीं तो धार्मिक न्यास पर्षद यहां समिति बनाने की पहल करेगा। धार्मिक न्यास पर्षद यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पीने की पानी, शेड और अन्य व्यवस्था उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देगा। समय-समय पर आयोजन में सुचारू व्यवस्था के लिए प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक न्यास पर्षद के संविधान के अनुसार जो मंदिर पंजीकृत है उसके प्रति जिम्मेदार है, परंतु जो निबंधित नहीं है वहां धार्मिक कार्य हो रहा है वह भी धार्मिक न्यास के अंतर्गत आता है। उन मंदिरों की व्यवस्था के लिए भी न्यास समिति बनाने का काम करेगी। यहां के मंदिर की व्यवस्था पंडा परिवार देख रहा है। उनसे आग्रह है कि भविष्य में इस प्रकार की घटना न हो। महीने में एक बार पंडा परिवार की बैठक कर व्यवस्था की समीक्षा हो। भीड़ को देखते हुए स्वयं सेवक की व्यवस्था हो। यह सुनिश्चित हो कि यहां जो श्रद्धालु आते हैं उनके लिए कैसे व्यवस्था हो इसकी चिंता करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश व देश में इन दिनों धार्मिकता बढ़ी है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार धार्मिक स्थलों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए प्रयासशील हैं। भारत सरकार कई मंदिरों का जीर्णोद्धार कर रही है। इसके बाद धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन बिहारशरीफ सदर अस्पताल में जाकर घायलों से मिलकर उनका हालचाल लिया और उनका इलाज कर रहे डॉक्टर से बात कर उनके इलाज का जायजा लिया।

'सहकारी संस्थाओं का त्वरित सर्वेक्षण' विषय पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के कर्पूरी सदन स्थित कार्यालय परिसर में 'सहकारी संस्थाओं का त्वरित सर्वेक्षण' विषय पर एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमहानिदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। स्वागत संबोधन में आर. के. झा, सहायक निदेशक ने सहकारी संस्थाओं के त्वरित सर्वेक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहकारी संस्थाओं की भूमिका को समझने के लिए यह सर्वेक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य भाषण श्री परिमल, उप निदेशक ने सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए इस सर्वेक्षण के मुख्य उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सर्वेक्षण का लक्ष्य कार्यात्मक सहकारी समितियों के सकल मूल्य संवर्धन, कुल उत्पादन लागत और रोजगार सृजन जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतकों को मापना है जिससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उनके समग्र योगदान का आकलन किया जा सके। उप महानिदेशक रोशन लाल साहू ने संबोधन में कहा कि भारत में 6.6 लाख कार्यरत सहकारिता समितियां हैं। साथ ही इस सर्वेक्षणों से ग्रामीण क्षेत्र में इस सहकारिता समितियों में रोजगार में लगे लोगों के आंकड़े उपलब्ध हो पायेगी। सहकारिता मंत्रालय के महत्वपूर्ण आंकड़ों के आकलन के लिए सांख्यिकी मंत्रालय को यह कार्य सौंपा गया है और मंत्रालय के अनुरूप हमारा विभाग तय सीमा के अन्दर प्रमाणिक एवं सटीक आंकड़े जुटाने में खरे उतरेंगे।

डबल इंजन की सरकार में डिजिटल प्लेटफॉर्म से बदलेगा नर्सिंग शिक्षा का चेहरा : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने आज नर्सिंग संस्थानों को मान्यता प्रदान करने हेतु एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का ऊर्जा ऑडिटोरियम (शास्त्री नगर) में शुभारंभ किया गया। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नर्सिंग संस्थानों की मान्यता (एनओसी) से जुड़ी पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। इस अवसर पर पांच संस्थानों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। श्री पांडेय ने कहा कि आज का दिन बिहार के स्वास्थ्य तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। आज हम केवल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से और अधिक सशक्त, संगठित और प्रभावी बना रहे हैं। यह नई व्यवस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई क्रांति है। आने वाले दिनों में यह स्वास्थ्य सेवा का एक मजबूत आधार बनेगा।

जूट उत्पादों के उपयोग से भारतीय अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती : मंत्री गिरिराज सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय पटसन बोर्ड एवं भारतीय पटसन निगम लिमिटेड के स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में स्थानीय ज्ञान भवन में दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटनकर्ता केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जयसवाल, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय जूट बोर्ड के सचिव शशि भूषण सिंह, जूट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय कुमार पाणिग्रही, केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त सचिव पद्मिनी सिंगला, डेवलपमेंट कमिश्नर अमृत राज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात आगत अतिथियों द्वारा पुस्तक का लोकार्पण किया गया। साथ ही लखपति दीदियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्घाटनकर्ता केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जूट न केवल पर्यावरण के अनुकूल फाइबर है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि जूट एक बेहतरीन विकल्प के रूप में उभर रहा है। सरकार जूट उद्योग को बढ़ावा देने और इससे जुड़े किसानों एवं श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जूट उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

सौमित्र मजूमदार ने दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। सौमित्र मजूमदार ने 1 अप्रैल, 2026 को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया। इससे पूर्व वे दक्षिण पूर्व रेलवे में अपर महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। श्री मजूमदार भारतीय रेल यातायात सेवा के 1989 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने विभिन्न पदों एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है जिनमें पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक तथा मुख्य यातायात योजना प्रबंधक शामिल हैं। उन्होंने पूर्व रेलवे एवं दक्षिण पूर्व रेलवे दोनों में लंबे समय तक मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में भी कार्य किया है। वे नियमित नियुक्ति होने तक महाप्रबंधक का कार्यभार संभालेंगे। श्री मजूमदार को रेलवे संचालन, वाणिज्यिक मामलों के साथ-साथ जनसंपर्क एवं मीडिया प्रबंधन का व्यापक अनुभव एवं गहन ज्ञान है।

विकास की दिशा में पौधारोपण एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ द्वारा संचालित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष (सत्र 2024-26) के प्रशिक्षुओं द्वारा 'सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण' के संकल्प के साथ पौधारोपण कार्यक्रम का सफल एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ पदाधिकारी ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए कहा कि पौधारोपण केवल एक दिवस की गतिविधि न होकर सतत विकास की दिशा में एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को पौधों के वैज्ञानिक रोपण, संरक्षण एवं संवर्धन की तकनीकों से अवगत कराते हुए यह भी बताया कि वृक्ष केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि जलवायु संतुलन, जैव विविधता संरक्षण और मानव जीवन के अस्तित्व के आधार स्तंभ हैं। कार्यक्रम में बिहार विद्यापीठ के सचिव डॉ. राणा अवधेश (भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी), वित्त सचिव डॉ. नीरज सिन्हा, निदेशक (शिक्षा, संस्कृति एवं संग्रहालय) डॉ. मृदुला प्रकाश, संयुक्त सचिव अवधेश के नारायण, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम वर्मा तथा सहायक प्राध्यापकगण ने सक्रिय सहभागिता करते हुए पौधारोपण कार्य किया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं के कुल छह समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न उपयोगी एवं औषधीय पौधों–एरीका पाम, मधुकामिनी, मोरपंखी, एलोवेरा, अश्वगंधा एवं इंसुलिन प्लांट आदि का रोपण किया। इन पौधों का चयन न केवल पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करने के लिए किया गया, बल्कि स्वास्थ्य, औषधीय उपयोग एवं स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संयोजन रजनी रंजन मैम द्वारा अत्यंत प्रभावी ढंग से किया गया जिनके निर्देशन में प्रशिक्षुओं ने पौधों के महत्व, उनकी नियमित देखभाल, जल संरक्षण, जैविक पोषण एवं संरक्षण की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। यह पौधारोपण कार्यक्रम सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने का एक सशक्त प्रयास है।

30 जून तक बढ़ाई गई एमनेस्टी पॉलिसी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने के उद्देश्य से बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार ने एमनेस्टी पॉलिसी 2025 एवं एग्जिट पॉलिसी 2025 के अंतर्गत आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 से बढ़ाकर 30 जून 2026 कर दी है। एमनेस्टी पॉलिसी 2025 के तहत औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित लंबित मामलों के समाधान का अवसर प्रदान किया जा रहा है जिससे उद्यमियों को राहत मिलने के साथ-साथ ठप पड़ी परियोजनाओं के पुनरुद्धार में सहायता मिलेगी। एग्जिट पॉलिसी 2025 के अंतर्गत बंद, निष्क्रिय अथवा विवादित औद्योगिक इकाइयों के उद्यमियों को अपनी आवंटित भूमि स्वेच्छा से बियाडा को वापस करने की सुविधा दी गई है। इससे उद्यमियों को संभावित मुआवजा प्राप्त करने तथा विवादों के समाधान का अवसर मिलेगा। इस संबंध में उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा राज्य सरकार निवेशकों के लिए पारदर्शी, सुगम और प्रोत्साहनकारी औद्योगिक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व मध्य रेल ने लगातार दूसरे वर्ष 200 मिलियन टन से ज्यादा माल लदान करने का हासिल किया गौरव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की गयी। बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान प्राप्त किए गए उपलब्धियों पर चर्चा की गयी। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पूर्व मध्य रेल द्वारा प्राप्त की गयी उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके लिए बधाई दी। पूर्व मध्य रेल माल ढुलाई के क्षेत्र में रिकॉर्ड कायम करते हुए समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 203.42 मिलियन टन माल ढुलाई कर माल ढुलाई के क्षेत्र में भारतीय रेल के 4 प्रथम क्षेत्रीय रेल में शामिल होने का गौरव हासिल किया है। विदित हो कि पूर्व मध्य रेल लगातार दूसरे वर्ष 200 मिलियन टन से ज्यादा माल लदान करने का गौरव हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी पूर्व मध्य रेल द्वारा 202.63 मिलियन टन माल लदान की गयी थी। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्व मध्य रेल द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से कुल 45 जोड़ी नई ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया गया जिनमें 17 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस, 02 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, 1 जोड़ी नमो भारत एक्सप्रेस तथा 25 जोड़ी नई मेल/एक्सप्रेस एवं पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। इसके साथ ही 20 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन विस्तार किया गया। ग्रीष्मकालीन अवकाश, दशहरा पूजा, दीपावली, छठ एवं होली जैसे अवसरों पर स्पेशल ट्रेनें द्वारा 14,559 फेरे लगाए गए तथा कई ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर कुल 313 ठहराव प्रदान किए गए।

शक्तिधाम में हनुमान जयंती पर आज होगा सुन्दरकाण्ड का पाठ

चढ़ेगा 51 किलो लड्डू का प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शक्तिधाम में हनुमान जयंती के अवसर पर शक्तिधाम स्थित हनुमान मंदिर में प्रातः 9:30 बजे से विशेष पूजा अर्चना एवं श्रृंगार का आयोजन होगा। मौके पर शक्तिधाम के मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि हनुमान जयंती प्रति वर्ष चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन हनुमानजी का जन्म हुआ था। अतः इस दिन श्री हनुमान जी की भक्ति पूर्वक आराधना करनी चाहिए। आज प्रातः से ही शक्तिधाम मंदिर में भक्तजनों का पूजा के लिए आने का सिलसिला प्रारम्भ होगा। आज हनुमान मंदिर में सवा मन लड्डू का प्रसाद भी चढ़ाया जाएगा। आज की पूजा के मुख्य यजमान पवन कुमार खेमका एवं जय प्रकाश तोदी होंगे। मौके पर संध्या में शक्तिधाम महिला मंडल की सैकड़ों महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से बढ़े ही भक्ति भाव के साथ सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा।

सेवानिवृत्त 23 रेलकर्मियों का किया गया 'समापक भुगतान'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मार्च-2026 में सेवानिवृत्त हुए 23 रेलकर्मियों को दानापुर मंडल के सभागार में 'समापक भुगतान एवं भावभीनी विदाई' दी गई। इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त उपस्थित रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर विनोद कुमार द्वारा अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार द्वारा किया गया जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने 'समापक भुगतान' की राशि को असुरक्षित जगहों पर निवेश न करें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को एक्यूप्रेशर, होमियोपैथ एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपूर्वक बताया गया। इस मौके पर मंडल के सभी विभागों के अधिकारीगण एवं यूनियन तथा अन्य एसोसिएशनों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

14 जिलों में फ्री नेत्र जांच का दूसरा चरण शुरू

दृष्टि दोष रोकथाम के लिए बड़ा अभियान, हर उम्र के लोगों को मिलेगा लाभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समाज कल्याण विभाग की ओर से बुनियाद केंद्र पर चल रही नेत्र जांच का दूसरा चरण सोमवार यानि 30 मार्च को शुरू किया गया है। इस चरण में 14 जिलों के 26 केंद्रों पर जांच की जाएगी। तीसरे चरण में शेष बचे हुए बुनियाद केंद्रों पर जांच की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इस दौरान 1 लाख चश्मा वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित है। प्रदेश में दृष्टि दोष से उत्पन्न समस्याओं एवं अंधेपन की रोकथाम के उद्देश्य से राज्य सरकार ने यह पहल की है। इस अभियान के माध्यम से सभी उम्र के व्यक्तियों को इसका लाभ दिया जाएगा। दूसरे चरण में 14 जिले जैसे खगड़िया, मधेपुरा, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, नवादा, रोहतास, सारण, शेखपुरा, सीतामढ़ी, सिवान, सुपौल, वैशाली और पश्चिमी चंपारण में 26 केंद्रों पर जांच की जाएगी। प्रत्येक चरणों में जांच की प्रक्रिया एक महीने के लिए आयोजित की जा रही है। राज्य स्वास्थ्य समिति में सूचीबद्ध एजेंसियों के माध्यम से आंखों की स्क्रीनिंग की जाएगी। समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इसका आयोजन किया गया है। पहले चरण में 23 मार्च से 22 बुनियाद केंद्रों पर जांच शुरू की गई है। पहले और दूसरे चरण में अब तक 6101 लोगों का नेत्र जांच किया गया और जरूरत के अनुसार 5205 लोगों को चश्मा निर्धारित किया गया है। चश्मा वितरण की प्रक्रिया जांच होने के 15 दिनों बाद की जाएगी। इस अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए 'सक्षम' ने टोल-फ्री नंबर 18003456262 जारी किया है।

एचडीएफसी बैंक को इंडिया सेफेस्ट प्राइवेट बैंक का पुरस्कार मिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को यूरोमनी प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड-2026 में इंडियास सेफेस्ट प्राइवेट बैंक व इंडियास बेस्ट प्रिमियर बैंकिंग के रूप में सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों का आयोजन यूरोमनी पत्रिका द्वारा किया गया था। एचडीएफसी बैंक ने इस वर्ष प्रीमियर बैंकिंग के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ बैंक का खिताब हासिल किया है। यह उपलब्धि बैंक के प्रदर्शन, उत्पादों की विविधता, डिजिटल क्षमताओं और मानव संसाधन विकास के क्षेत्रों में लगातार हो रही प्रगति का परिणाम है।

बिहार कृषि ऐप से किसानों को घर बैठे मिल रही उर्वरक दुकानों और स्टॉक की जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार किसानों को सशक्त बनाने और उनकी आय में वृद्धि करने के लिए आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में कृषि में डिजिटल तकनीक को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसे में बिहार कृषि ऐप राज्य के किसानों का सच्चा साथी बनकर उभरा है। यह ऐप किसानों की विभिन्न समस्याओं का समाधान कर कृषि एवं कृषि आधारित कार्यों को आसान बना रहा है। यही कारण है कि राज्य के किसान तेजी से इस ऐप को डाउनलोड कर रहे हैं। किसानों की उर्वरक से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में यह ऐप प्रभावी उपाय सिद्ध हो रहा है। इस ऐप पर किसान अपनी नजदीकी उर्वरक दुकान को तलाश सकते हैं। यहां उन्हें अपने जिले और प्रखंड में मौजूद उर्वरक दुकानों की जानकारी मिलती है। इस ऐप पर किसान अपने आसपास की उन दुकानों पर मौजूद उर्वरक के स्टॉक को भी देख सकते हैं। इस ऐप के कारण अब दुकानदार किसानों को यह कहकर नहीं लौटा सकते हैं कि हमारे पास यह उर्वरक नहीं है।

एआई चैटबॉट कर रहा समस्याओं का समाधान

किसान इस ऐप पर मौजूद एआई चैटबॉट (प्रश्न पूछें) के माध्यम से खेती से जुड़ी अपनी विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं। यह चैटबॉट किसानों के विभिन्न सवालों के जवाब देता है। इस ऐप के माध्यम से किसान घर बैठे ही व मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी ले सकते हैं। कृषि संबंधित सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी किसानों को अब एक ही मोबाइल ऐप पर मिल रही है। यहां उन्हें किसान पासबुक, फसलों के बाजार मूल्य, नवीनतम घोषणाएं, कृषि से जुड़ी सरकारी निर्देशिका, पौध संरक्षण सलाह, मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा भी मिल रही है।

कृषि योजनाओं में कर सकते हैं आवेदन

इस ऐप पर किसान बिहार कृषि रेडियो का लाभ उठा सकते हैं। यहां अपनी शिकायतें भी दर्ज कराई जा सकती हैं। इतना ही नहीं, किसान इस ऐप के माध्यम से विभिन्न कृषि योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं और उनकी स्थिति, अनुदान विवरण तथा स्वीकृति की वास्तविक समय पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

8.53 करोड़ की लागत से तैयार पशुपालन कार्यालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले में पशुपालन, मत्स्य एवं गव्य विभाग को सशक्त बनाने की दिशा में बेहतर कदम उठाया गया है। पशु एवं मत्स्य विभाग के अंतर्गत राजकीय पशु औषधालय परिसर में जिला स्तरीय संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण किया गया है। वहीं दो मंजिला भवन का निर्माण निगम लिमिटेड के द्वारा कराया गया है। बता दें कि भवन निर्माण पर 8.53 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। ज्ञात हो कि समृद्धि यात्रा पर 20 मार्च को औरंगाबाद पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस भवन का उद्घाटन किए थे। नए भवन में पशु औषधालय के अलावा, जिला पशुपालन, मत्स्य कार्यालय, गव्य विकास, मत्स्य कार्यालय अब एक ही छत के नीचे काम करेगा। वर्तमान में जिला गव्य विकास कार्यालय प्रखंड सह अंचल

कार्यालय परिसर औरंगाबाद में चल रहा है। वहीं मत्स्य कार्यालय नावाडीह मोहल्ला स्थित दो नंबर गुमटी के पास है। नए भवन के बनने से ग्रामीणों को कार्यालय आने एवं काम कराने में सुविधा होगी। ग्राउंड तल पर पशुपालन कार्यालय संचालित होगा। पदाधिकारी, चिकित्सक व कर्मचारियों के लिए अलग-अलग कमरे बनाए गए हैं। एक बड़ा सभाकक्ष बनाया गया है। जहां समय-समय पर प्रशिक्षण एवं बैठक आयोजित किए जाएंगे। वहीं ऊपरी तल पर जाने के लिए दो सीढ़ियां बनाई गई है। दो हिस्सों में बांटा गया है। एक हिस्से में गव्य तो दूसरे में मत्स्य विभाग का कार्यालय संचालित होगा।

आंधी-पानी ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी, मुआवजे की उठी मांग

औरंगाबाद। जिले के कई जिलों में रामनवमी की रात्रि अचानक बदले मौसम ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज आंधी-तूफान ने रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंया है। इस हालात को लेकर पूर्व मंत्री डा. सुरेश पासवान ने एक प्रेस बयान जारी कर सरकार से तुरंत मदद की मांग की है। कहा कि इस अचानक आई तबाही की वजह से किसानों के चेहरों पर साफ तौर पर चिता देखी जा सकती है। जिन किसानों ने दलहन और तिलहन की फसल काटकर खलिहान में रखी थी वो भी अब खराब होने की कगार पर है। वहीं गेहूं और चना जैसी मुख्य फसलें जो अभी खेत में पक रही थीं, वो भी इस आंधी-पानी में लगभग बर्बाद हो गई हैं। इस नुकसान का असर सिर्फ खेत तक सीमित नहीं है बल्कि अब किसानों के सामने रोजमर्रा के खर्च और आर्थिक संकट की भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे में डा. सुरेश पासवान ने राज्य सरकार से अपील की है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए और जल्द से जल्द किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने खास तौर पर कृषि मंत्री राम कृपाल यादव से मांग की है कि औरंगाबाद समेत अन्य प्रभावित जिलों के किसानों की मदद के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं, ताकि किसान आगे आने वाली खरीफ फसल की तैयारी कर सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों के बिजली बिल, सिचाई शुल्क और कृषि ऋण को माफ करने पर भी विचार करना चाहिए।

आशा एवं आशा फैसिलिटेटर संघ ने फूंका पीएम और सीएम का पुतला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। ऑल इंडिया आशा एवं आशा फैसिलिटेटर फेडरेशन संबंध चिकित्सा संघ सीटू के आह्वाहन पर बुधवार को रेफरल अस्पताल कुटुंबा में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आशा एवं आशा फैसिलिटेटर ने सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ केंद्रीय बजट की प्रति जलाई। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के राज्य उपाध्यक्ष सह चिकित्सा संघ के जिला मंत्री वशिष्ठ प्रसाद सिंह तथा संचालन आशा संघ की प्रदेश महामंत्री सुधा सुमन ने किया। श्री सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष

जेपी नड्डा ने लोकसभा में घोषणा किया था कि आशा कार्यकर्ताओं की पारितोषिक राशि 2000 रुपए से बढ़ाकर 3500 रुपए की जाएगी। वहीं उन्हें मिलने वाली अन्य प्रोत्साहन राशि में भी बढ़ोतरी की जाएगी। जबकि सरकार द्वारा लाए गए बजट में आशा कार्यकर्ताओं के लिए कुछ भी नहीं है। सरकार के वादा खिलाफी के विरुद्ध पूरे देश में आशा एवं आशा फैसिलिटेटर संघ के द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह एक सांकेतिक प्रदर्शन है अगर सरकार हमारी मांगे नहीं मानती है तो हम लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। विरोध प्रदर्शन में सुषमा कुमारी, किरण कुमारी, नेहा कुमारी, लालमुनी, कंचन सहित सैकड़ो आशा या आशा फैसिलिटेटर शामिल थे।

155 छात्र-छात्राओं के बीच पुस्तकों का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर (औरंगाबाद)। सरकारी विद्यालय राजकीय मध्य विद्यालय पूर्णाडीह में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए टेस्ट बुक बुधवार को छात्र-छात्राओं के बीच वितरण किया गया। पुस्तकों का वितरण विद्यालय के प्रधानाध्यापक बलीराम पासवान ने किया। उन्होंने कहा कि वर्ग एक से वर्ग आठवीं के छात्र छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरु हो जाता है। नए शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होते ही पुस्तकें छात्र छात्राओं को उपलब्ध करा दी गई है, ताकि समय पर पढ़ाई कर सकें। कुल 155 छात्र-छात्राओं को बिहार राज्य टेस्ट बुक की शैक्षणिक पुस्तकें उपलब्ध करा दिए गए हैं। छात्रों में हर्ष है। विद्यालय में सभी एक समान रुप से पढ़ाई कार्य किए जाते हैं। सभी शिक्षक शिक्षिकाए पुरे निष्ठापूर्वक इमानदारी और समर्पण भाव से कर्तव्य निष्ठा से शैक्षणिक कार्य करते हैं। बच्चों के प्रति शिक्षक वात्सल्य व्यवहार करते हैं। यही वजह है कि इस विद्यालय में प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चें

वहां छोड़ कर सरकारी विद्यालय में नामांकन करा रहे हैं। नए शैक्षणिक सत्र में सभी वर्गों में छात्र छात्राओं का नामांकन जारी है। सरकार की शैक्षणिक योजनाओं का लाभ सभी छात्र छात्राओं को एक समान रुप से लाभ दिया जाता है। इस अवसर पर शिक्षक राजवल्भ प्रसाद वर्मा, राजीव रंजन ठाकुर, रोहित कुमार सिंह, शिक्षिका सविता कुमारी सिन्हा, रुपलता कुमारी, रेखा कुमारी सहित अन्य शिक्षा सेवी शामिल थे।

मदनपुर की आयुषी ने मैट्रिक परीक्षा में 477 अंक लाकर जिला के टॉप-10 में

औरंगाबाद। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा रविवार दोपहर जारी मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2026 के परिणाम में जिले की बेटियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मदनपुर प्रखंड के कोल्हुआ गांव निवासी सुरेंद्र यादव की पुत्री आयुषी कुमारी ने 477 अंक हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे गांव और जिले का नाम रोशन कर दिया। उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय खिरियावा की छात्रा आयुषी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे औरंगाबाद जिले में टॉप-10 में अपनी जगह बनाई और आठवां स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है।

हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली जलभरी शोभायात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। हसपुरा शहर के चौराही रोड स्थित डीह मोहल्ला में श्री हनुमान मंदिर में प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर बुधवार को भव्य जलभरी शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु कलश लेकर शामिल हुए। गाजे-बाजे, घोड़े और जयकारों के बीच जैसे ही श्रद्धालु छठी अहरा तालाब की ओर जलभरी के लिए निकले, पूरा वातावरण "जय हनुमान" के उद्घोष से भक्तिमय हो उठा। छठी अहरा तालाब पर आचार्य श्याम नंदन मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यजमान कारू पासवान, सुनैना देवी समेत 133 श्रद्धालुओं को कलश में जलारोहन कराया गया। इसके बाद श्रद्धालु अमृतनगर, कंचननगर, कनाप रोड मोहल्ला, पटेल चौक और हसपुरा मुख्य बाजार होते हुए पुनः प्राण प्रतिष्ठा स्थल पर पहुंचे, जहां विधिवत कलश स्थापना की गई। पवनसुत हनुमान प्राण प्रतिष्ठा समिति के अध्यक्ष पुनेश्वर राम, उपाध्यक्ष यमुना सिंह, सचिव

मथुरा पासवान, कोषाध्यक्ष अजय सिंह सहित अन्य सदस्यों—घुरा पासवान, रणजीत विश्वकर्मा, मनोज सिंह, उपेंद्र सिंह, विनोद सिंह एवं डॉ. ब्रह्मदेव प्रसाद—ने बताया कि मंदिर परिसर में कलश स्थापना के साथ ही 12 घंटे का अष्टाक्षरी अखंड पाठ प्रारंभ हो गया है। शोभायात्रा में शामिल सेवानिवृत्त शिक्षक हृदयानंद सिंह, पूर्व सैनिक बिन्देश्वर सिंह, अजय सौंडिक और गया प्रसाद ने कहा कि सनातन परंपरा में भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान की प्राण प्रतिष्ठा का विशेष महत्व है। आचार्य श्याम नंदन मिश्रा ने कहा कि हनुमान जी की उपासना से व्यक्ति को साहस, शक्ति और अदम्य पराक्रम की प्राप्ति

औरंगाबाद में कांग्रेस को नया नेतृत्व आनंद शंकर सिंह बने जिलाध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शीर्ष नेतृत्व केंद्रीय कांग्रेस के द्वारा बिहार में संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत जिलेवार जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई, जिसमें औरंगाबाद जिले के जिलाध्यक्ष के रूप में पूर्व विधायक आनंद शंकर सिह को मनोनीत होने पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं ने आनंद शंकर सिह को बधाई देते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी धन्यवाद किया है। इस मौके पर जिला कोऑर्डिनेटर शैलेंद्र मिश्र शैल, पूर्व अध्यक्ष मृत्युंजय सिह, राकेश कुमार सिह पप्पु, अरविद कुमार सिह, कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र यादव, सदर प्रखंड अध्यक्ष राज किशोर सिह, देव प्रखंड अध्यक्ष रवि कुमार सिह, वरिष्ठ कांग्रेसी नागेंद्र कुमार सिह, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप सिह, अजय कुमार सिह, नवीन शर्मा, उदय पासवान, मो.

जिन्ना कुरैशी, मो. शकील, मो. इरफान, कांग्रेस नेता राशिद खान, युवा अध्यक्ष धर्मेंद्र पासवान, महिला जिलाध्यक्ष गायत्री, देवी प्रखंड अध्यक्ष निलम सिह, संतन सिह, सुजीत सिह, संजीव सिह, मनोज पांडेय, मिथिलेस तिवारी, आशुतोष कुमार सिह सहित ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को बधाई दिया है।

एक नजर

शराब के साथ एक गिरफ्तार

रफीगंज (औरंगाबाद)। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बदोपुर गांव निवासी स्व. गणेश चौधरी के पुत्र आशीष चौधरी के रूप में की गई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना अध्यक्ष शंभू कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसआई निरंजन सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर छापामारी की गई। छापामारी के दौरान 50 लीटर देशी शराब एवं शराब बनाने वाले उपकरण बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे जेल भेज दिया गया। वहीं, पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

फुटबॉल टूर्नामेंट का सेमीफाइनल 3 को

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज शहर के आरबीआर खेल मैदान में फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांचक मुकाबलों का आयोजन होने जा रहा है। शुक्रवार यानी 3 अप्रैल 2026 को सेमीफाइनल मैच बक्सर और गया जिला के शेरघाटी टीम के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर बुधवार अपराह्न करीब 4 बजे एक अंतिम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कार्यवाहक विनोद कुमार ने की, जबकि संचालन संजय अंबेडकर ने किया। टाउन टीम रफीगंज के सदस्यों ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जानकारी के अनुसार, 3 अप्रैल को सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा, जबकि 4 अप्रैल को फाइनल मैच पड़रिया टीम और सेमीफाइनल की विजेता टीम के बीच होगा। वहीं, 5 अप्रैल 2026 को विशेष आकर्षण के रूप में महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मध्य प्रदेश और बंगाल की टीमें आमने-सामने होंगी। इस मौके पर गुड्डू चौरसिया, अशोक ठाकुर, शंकर शौण्डिक, किसु गुप्ता, पप्पू यादव बाबा, राहुल कुमार सिंह, शिशुपाल, अजीत कुमार उर्फ बिछा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

उत्तर कोयल नहर परियोजना के अधूरे कार्य को लेकर 443वें दिन भी धरना जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड मुख्यालय में उत्तर कोयल नहर परियोजना के अधूरे कार्य को पूरा करवाने की मांग को लेकर किसानों का धरना प्रदर्शन बुधवार को 443वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से चल रहे इस आंदोलन में क्षेत्र के किसान लगातार अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। धरना स्थल पर किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लड्डू खान ने की, जबकि संचालन सत्येंद्र यादव द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित किसानों ने एक स्वर में कहा कि जब तक उत्तर कोयल नहर के मंडल डैम में फाटक नहीं लगाया जाता और अंगरा, कोटवारा तथा चेई नावादा ब्रांच नहरों में कार्य शुरू नहीं होता,

तब तक उनका धरना जारी रहेगा। किसानों ने आगे बताया कि आंदोलन को और तेज करने के लिए आने वाले दिनों में पुनः बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद औरंगाबाद एवं गया समाहरणालय में अलग-अलग तिथियों पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा, ताकि सरकार का ध्यान इस महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित किया जा सके। बैठक में डॉ. शिवनंदन यादव, चंद्रशेखर प्रसाद यादव, पूर्व मुखिया शहजादा शाही, विष्णु यादव, संतोष गिरी, भोला प्रसाद वर्मा, सत्येंद्र यादव, कामेश्वर यादव, जयप्रकाश प्रजापति, रामकुमार यादव, राम पुकार यादव, सूर्य देव यादव, महेंद्र दास, छोटू कुमार सहित कई

खोया मोबाइल मिलने पर खिला चेहरा

रफीगंज (औरंगाबाद)/नबिटा सं। रफीगंज प्रखंड के कासमा थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत सराहनीय पहल करते हुए गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। इस पहल से लोगों के चेहरों पर फिर से खुशी लौट आई है। थानाध्यक्ष अक्षयबर सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार तकनीकी जांच और

विशेष अभियान चलाकर क्षेत्र में गुम हुए मोबाइलों को ट्रेस किया गया। बरामद किए गए मोबाइल को सत्यापन के बाद उनके असली धारकों को विधिवत सुपुर्द किया गया। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने कासमा पुलिस का आभार जताया और इस पहल की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के समय में मोबाइल केवल एक साधन नहीं बल्कि जरूरी दस्तावेज और यादों का हिस्सा भी होता है, जिसे वापस पाना बड़ी राहत की बात है।

छात्रा को प्रधानाध्यापक ने किया सम्मानित

ओबरा (औरंगाबाद)/ नबिटा संवाददाता। प्रखंड के मध्य विद्यालय महथू में प्रधानाध्यापक निर्मल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकरपुर की छात्रा अन्या कुमारी को मैट्रिक परीक्षा में 473 अंक लाने पर अपने विद्यालय में समारोह आयोजित छात्रा को सम्मानित किया। अन्या का 8वीं क्लास तक पढ़ाई इसी विद्यालय से हुआ था। इस मौके पर प्रधानाध्यापक निर्मल कुमार ने छात्रा को अंग वस्त्र एवं मेडल डिक्शनरी देकर सम्मानित किया । प्रधानाध्यापक ने छात्रों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट में बेहतर अंक लाने के साथ साथ आगे की पढ़ाई जारी रखे और इससे भी अधिक अंक लाए।

बाल बाल बचे भाजपा के वरीय नेता

मदनपुर (औरंगाबाद)/नबिटा संवाददाता। मदनपुर के बनियां घटराईन मोड़ पर सड़क पार करते वक्त एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से भाजपा वरीय नेता उमाशंकर पाठक बाल बाल बच गए। दरअसल बनियां निवासी उमाशंकर पाठक किसी कार्य से उस जगह एनएच - 19 पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने झटका दिया जिससे वे रोड पर गिर पड़े और किसी तरह वे बाल बाल बच गए। घटना के बाद चालक वाहन भागने में सफल रहा।

बस स्टैंड का चापाकल खराब, पेयजल संकट गहराया, विभाग बना अनभिज्ञ

हसपुरा (औरंगाबाद)/नबिटा संवाददाता। प्रखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड परिसर में चापाकल खराब होने से यात्रियों और स्थानीय लोगों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि बस स्टैंड से महज 50 मीटर की दूरी पर पीएचईडी विभाग का कार्यालय होने के बावजूद अब तक चापाकल की मरम्मत नहीं कराई जा सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस स्टैंड के अलावा टाल, सलेमपुर, अहियापुर, सोनहथु तथा हसपुरा बाजार के कनाप रोड मोहल्ला सहित प्रखंड के विभिन्न गांवों में कई चापाकल महीनों से खराब पड़े हैं। इससे खासकर गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के सामने पेयजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि अभी भीषण गर्मी का दौर शुरू होना बाकी है। तापमान बढ़ने के साथ जलस्तर और नीचे चला जाएगा, जिससे स्थिति और विकराल हो सकती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। हालांकि बस स्टैंड परिसर, बाउंड्री वॉल और बसों के ठहराव की व्यवस्था साफ-सुथरी एवं व्यवस्थित है। परिसर में सामुदायिक शौचालय भी मौजूद है, जिसका उपयोग यात्री कर रहे हैं। लेकिन शौचालय से जुड़े नल के पानी को लोग पीने योग्य नहीं मानते, जिससे समस्या और बढ़ गई है।

NAME CHANGE

I, Rajesh Kumar Singh s/o Gopal Prasad Singh, Sidhanath Chowk Sonepur PO Sonepur Distt. Saran, Bihar PIN 841101 have changed the name of my daughter namely Ayushi Singh aged 16 years and she shall hereafter be known as ARUSHI SINGH.

NAME CHANGE

I hitherto known as JAMUITU NISHA WIFE OF MD ABDUL GAFFAR residing at Shakrisaraiya, Muzaffarpur, Sakari Saraiya, Bihar-844127, have changed my name and shall hereafter be known as JAMAITUN NISHA.

NAME CHANGE

I YOGENDRA SAW alias BIJENDRA SAAW S/O DASHAI SAW R/O Khangaon Koilwar Bhojpur Bihar-802161 have changed my name to BIJENDRA SAAW.

बिहार सरकार

कार्यालय नगर परिषद, दाउदनगर (औरंगाबाद)

nagarparishad.daudnagar@gmail.com

जन साधारण हेतु आवश्यक सुचना

1. एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि नगर परिषद्, दाउदनगर क्षेत्रान्तर्गत सभी 27 वार्डो को **"SBM ODF+"** घोषित किया जाना है। अगर किसी भी व्यक्ति को इस संबध में कोई भी दावा/आपत्ति/सुझाव/प्रतिक्रिया हो तो वे दिनांक–14.04.2026 तक नगर परिषद्, दाउदनगर कार्यालय में जमा करें या ई0मेल nagarparishad.daudnagar@gmail.com पर लिखित रूप से दे सकते हैं। यदि उक्त अवधि के अन्दर किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति/सुझाव/प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं होता है तो नगर परिषद्, दाउदनगर क्क्षेत्रान्तर्गत सभी 27 वार्डो को **"SBM ODF+"** घोषित करने की कारवाई की जायेगी।
2. एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि नगर परिषद्, दाउदनगर क्षेत्रान्तर्गत सभी 27 वार्डो में खुले में शौच करना दण्डनीय अपराध है ऐसा कृत्य करते हुए पकड़े जाने पर **IPC** की धारा 269 एवं 336 के तहत कठोर कार्रवाई की जायेगी तथा 500/ रू0 (पाँच सौ रूपया) तक का अर्थ दण्ड भी वसूला जायेगा।
3. एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि नगर परिषद्, दाउदनगर क्षेत्र अन्तर्गत किसी भी सार्वजनिक स्थान, सड़क, गली, बाजार, धार्मिक स्थल, बस स्टैंड अथवा भीड़ वाले स्थानों पर पान/गुटखा खाकर थुकना **(Redspot),** खुले में पेशाब करना, **(Yellow spot),** पूर्णतः प्रतिबंध एवं दण्डनीय अपराध है उक्त कृत्य करते हुए पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति से 500/ रू0 (पाँच सौ रूपया) तक का जुर्माना वसूला जायेगा तथा विभागीय नियमानुसार कानूनी कारवाई की जायेगी।

PR- 27445 (B & C) 2025-26

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद् दाउदनगर।

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

जल संसाधन विभाग
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
बिहार सरकार
सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद
E-mail ID- shlcdaurangabad@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–05/2025–26
(केवल ई–टेन्डर पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

1). कार्य का विवरण :–

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑनलाईन मोड में भुगतेय) (रू0 में)	बेलट्रान को देय बीड प्रोसंसिंग की (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑनलाईन मोड में भुगतेय) (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
01	महथु उपवितरणी का पुनर्स्थापन कार्य।	100.00	2,00,000.00	10,000.00	3,540.00	31.05.2026

2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत करने की तिथि :– दिनांक–25.03.2026
3. विभाग का नाम :– जल संसाधन विभाग
4. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद।
5. निविदा कागजात डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि :– दिनांक 10.04.2026 से 16.04.2026 के समय 3:00 बजे अपराह्न तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6. प्री बिड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 13.04.2026 के समय 3:00 बजे अपराह्न में कार्यपालक अभियंता का कार्यालय सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद।
7. तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 16.04.2026 के समय 3:30 बजे अपराह्न में (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
8. निविदा खोलने का स्थान :– www.eproc2.bihar.gov.in
9. वित्तीय निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– तकनीकी बिड स्वीकृति के पश्चात सक्षम पदाधिकारी के द्वारा तिथि एवं समय की सूचना बाद में दी जायेगी।
10. विशेष जानकारी प्राप्त करने हेतु वेबसाईट :– www.eproc2.bihar.gov.in पर देखा जा सकता है।
11. निविदा की वैधता की अवधि :– 120 दिन।

कार्यपालक अभियंता
सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल
औरंगाबाद। मो0 नं0–7463889727

PR- 027446 (WRD) 2025-26

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

जिले में 36 ब्लैक स्पॉट किये गए चिह्नित

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए डीएम ने दिये आवश्यक निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में प्रवर्तन अभियानों एवं शमन वसूली की समीक्षा की गई। समीक्षा में बताया गया कि फरवरी में कुल 1,01,65,620 रुपये की शमन राशि वसूली गई। जबकि मार्च में प्रवर्तन अभियान को तेज करते हुए 1,56,06,920 रुपये का जुर्माना वसूला गया। मार्च माह के दौरान विभिन्न यातायात उल्लंघनों के विरुद्ध कुल 2884 मामलों में कार्रवाई की गई। जिनमें हेलमेट उल्लंघन के 740 मामले, सीट बेल्ट के 55 मामले, प्रदूषण के 751 मामले तथा ओवरलोडिंग के 53 मामले प्रमुख रहे। जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में कुल 36 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। इन स्थानों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित निर्माण एजेंसियों को आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हीरा टोल जीरोमाइल, सनहा मोड़, हर-हर महादेव चौक तथा झमटिया ढाला जैसे स्थलों पर साइनबोर्ड, गति सीमा संकेतक, रिफ्लेक्टर एवं रम्बल स्ट्रिप लगाए जाएं। वहीं वीरकुँवर सिंह चौक पन्हाँस एवं हरदिया पेट्रोल पंप जैसे स्थलों पर स्पीड ब्रेकर, ज़ेबरा क्रॉसिंग और रिफ्लेक्टर टेप लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिले में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एनएच-55 (रोसड़ा-बेगूसराय मार्ग) पर पन्हांस चौक से रजौड़ा तक बन रही सर्विस लेन के निर्माण के दौरान धूल नियंत्रण के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने का निर्देश दिए गए। साथ ही एनएच-31 पर कपसिया से सुभाष चौक के बीच जल जमाव की समस्या तथा बीहट से सिमरिया के बीच निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज के कारण लगने वाले जाम के त्वरित समाधान के लिए संबंधित एजेंसियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। अतिक्रमण हटाने के क्रम में रजौड़ा चौक पुल के पास कार्रवाई की गई है तथा जीरोमाइल से रिफाइनरी गेट तक अवैध पार्किंग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित मुआवजा एवं प्रोत्साहन योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि हिट एंड रन मामलों में 29 मार्च तक 407 आवेदनों का भुगतान किया जा चुका है। वहीं नॉन हिट एंड रन मामलों में जिले में अब तक 747 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वाले गुड समेरिटन के लिए सरकार द्वारा 25,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है और इस संबंध में जिले से 5 गुड समेरिटन के नाम विभाग को भेजे गए हैं। सिविल सर्जन ने जानकारी दी कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर ली गई है। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने पथ निर्माण विभाग, नगर निगम एवं पुलिस विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ सड़क सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु दर को न्यूनतम किया जा सके।बैठक में उप विकास आयुक्त बेगूसराय, नगर आयुक्त, बेगूसराय, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गाड़ी से कुचलकर दोस्त की ली जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरौनी। फुलवरिया थाना क्षेत्र के बरौनी नगर परिषद वार्ड संख्या 20 में मंगलवार की रात दोस्त ने गाड़ी से कुचलकर दोस्त की जान ले ली। घटना स्थल से गाड़ी लेकर फरार हो गया। ग्रामीणों के अनुसार फुलवरिया गंज मोहल्ला में एक काले रंग की एमजी हेक्टर नंबर-एच आर ओ 6ए एक्स 4123 से फुलवरिया गंज मुख्य सड़क पर तीन लोगों को धक्का मार दिया जिसमें एक मो राजू की मृत्यु घटना स्थल पर ही हो गई। मो जावेद सहित दो बुरी तरह से घायल लोगों को बेगूसराय के निजी क्लीनिक में इलाज हेतु भर्ती कराया है। ग्रामीणों के अनुसार दो घायलों में से एक की हालत चिंताजनक बताई जाती है। जिसका नाम मोहम्मद सद्दाम बताया जाता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस रात में ही घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी एवं अनुसंधान प्रारंभ कर दी। लेकिन मृतक की लाश को कब्जे में नहीं लिया। जबकि घटना की वायरल हो रही वीडियो में घटना को अंजाम देने वाले वाहन को घटनास्थल से स्थानीय लोगों द्वारा भगाते हुए देखा गया। लेकिन पुलिस की तत्परता के कारण उक्त वाहन को फुलवरिया दरगाह रोड से बरामद किया गया। वाहन का मालिक भी दरगाह रोड का ही बताया जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना को अंजाम देने वाले एवं घटना में जान गंवाने वाले सभी एक ही साथ कारोबार करते थे। और कारोबार को लेकर ही कुछ दिन पहले दोनों के बीच कहा सुनी भी हुई थी। जिसको लेकर ताक लगाए मित्र ने ही अपने मित्र को वाहन से धाक्का मारकर जान ले लिया। मारने वाला एवं मरने वाला एवं घायल सभी एक ही समुदाय से आते हैं। मारने वाले का घर फुलवरिया दरगाह मोहल्ला एवं मरने वाले का घर बरौनी नगर परिषद के 20 नंबर वार्ड फुलवरिया गंज बताया जाता है। आक्रोशित लोगों ने मृतक के लाश के साथ सुबह में शोकहारा वाटिका चौक को घंटो जाम कर दिया। सूचना पाते ही थाना अध्यक्ष विजय सहनी के नेतृत्व में पुलिस बल चौक पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद जाम हटाया गया।

हत्या मामले में प्राथमिकी, पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखंड क्षेत्र के पहसारा निवासी युवक मोना कुमार की हत्या के मामले में नावकोठी थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मृतक के पिता मंटून झा ने आवेदन देकर अपने पुत्र के एक मित्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे नामजद अभियुक्त बनाया है।

प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि सोमवार की दोपहर भोजन करने के बाद मोना कुमार घर पर ही मौजूद था। इसी दौरान उसका एक मित्र उसे घर से बुलाकर महायज्ञ मेला घुमाने के बहाने साथ ले गया। परिजनों के अनुसार, मेला घुमाने के बाद आरोपित उसे वभनगामा स्थित सेहमानी गाछी के एक सुनसान कमरे पर ले गया। जहां पर जाकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी परिजनों को मंगलवार की शाम लगभग चार बजे पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता ने आरोप लगाया है कि यह सुनियोजित हत्या है और इसमें उसके मित्र की भूमिका संदिग्ध है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का विश्वास दिलाया है।

दो दिवसीय अष्टयाम यज्ञ संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बखरी। प्रखण्ड के सिमरी गांव स्थित नव हनुमान मंदिर में आयोजित दो दिवसीय अष्टयाम यज्ञ विधिवत संपन्न हो गया। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

मंगलवार की सुबह सिमरी गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा के दौरान गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इसके बाद संध्या समय सीताराम-सीताराम मंत्र उच्चारण के साथ अष्टयाम यज्ञ का शुभारंभ किया गया। यज्ञ के दौरान 24 घंटे तक अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बुधवार को पुनः संध्या समय सिमरी नव हनुमान मंदिर से कलश विसर्जन यात्रा निकाली गई। यह यात्रा सिमरी गांव एवं कोयलामोहन गांव का भ्रमण करते हुए दासिन चौर पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ कलश विसर्जन किया गया। इस धार्मिक आयोजन से पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा तथा ग्रामीणों ने इसे सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। इस कार्यक्रम में स्थानीय जिला परिषद सदस्य घनश्याम राय, वार्ड सदस्य बैजनाथ तांती, शंकर ठाकुर, ग्रामीण चिकित्सक सत्यनारायण तांती, सुबोध चौधरी, विजय चौधरी, संजीव मुखिया, नीरज कुमार, दशरथ चौधरी, विक्रम मुखिया, रामविनय पोद्दार, मनोज ठाकुर, जगदीश राम, रावण चौधरी, सुनील चौधरी, ललित राम के अलावा दर्जनों की संख्या में सिमरी ग्रामीण शामिल रहे।

10वीं परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। नीतेश कोचिंग सेंटर रजाकपुर में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र, छात्राओं का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। इसकी अध्यक्षता अरविंद कुमार तथा संचालन पूर्व सरपंच मृत्युंजय कुमार ने किया।नावकोठी मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने कहा कि देहाती क्षेत्र में संचालित कोचिंग में शत प्रतिशत बच्चों ने सफलता प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रौशन किया है। इनकी सफलता पर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि पढाई तथा अन्य क्षेत्र में आगे बढने के लिए सभी तरह के सहयोग करने का भरोसा दिया। अमन कुमार ने 467 अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बना, वही जिया भारती ने 460 अंक, अनुष्का राज 450 अंक, अंजली कुमारी 431 अंक, दिल खुश कुमार 427 अंक, करीना कुमारी 400 अंक प्राप्त किया। 2025 के टांपर अनुप्रिया भारती , 2026 के टॉपर अमन कुमार सहित सभी छात्र-छात्राओं को मेडल, डायरी, कलम आदि प्रदान कर हौसला बुलंद किया। मौके पर प्रशांत कुमार, कृष्ण नंदन महतो, अरविंद महतो, जनार्दन महतो, नागेश्वर महतो, मो आदम, डॉ संतोष कुमार, संजीत कुमार आदि मौजूद थे।

वार्षिकोत्सव में छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमालपुर (मुंगेर)। विद्याभारती से सम्बद्ध प्रेमानंद तिवारी सरस्वती शिशु मंदिर के क्षेत्र केशोपुर जमालपुर में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। रंगमंचीय कार्यक्रम वार्षिक परीक्षा फल घोषणा, पुरस्कार वितरण एवं अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कमल किशोर सिन्हा, चेम्बर ऑफ कॉमर्स जमालपुर के अध्यक्ष वासुदेव प्रसाद, भूमि दाता गोपाल चंद्र तिवारी, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार एवं प्रधानाचार्य प्रभाष कुमार के संयुक्त करकमलों द्वारा किया गया। छात्र-छात्राओं ने आकर्षक एवं रोमांचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। देशभक्ति एवं भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। वार्षिक परीक्षा फल की घोषणा के साथ मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों की भारी उपस्थिति रही तथा सभी ने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं संस्कारपूर्ण वातावरण की सराहना की। विशिष्ट अतिथि डॉ. कमल किशोर सिन्हा (राष्ट्रीय मंत्री, विद्या भारती) ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा के साथ संस्कार एवं राष्ट्रभावना का समन्वय करने वाला अद्वितीय संगठन है। विद्यालयों में चरित्र निर्माण एवं भारतीय संस्कृति का विकास ही वास्तविक शिक्षा का उद्देश्य है।ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। मौके पर चेंबर के अध्यक्ष वासुदेव पुरी मुख्य रूप से मौजूद थे।

क्राइसिस मैनेजमेंट से निपटने के लिए जिलास्तरीय बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंगेर। वर्तमान में पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न स्थिति के परिपेक्ष्य में आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा एवं अन्य संबंधित विषयों की जिलास्तरीय समीक्षा बैठक आज समाहरणालय संवाद कक्ष में प्रभारी सचिव हिमांशु शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले में उक्त विषयों से उत्पन्न स्थिति पर बिंदुवार चर्चा हुई। इसके पूर्व अपर समाहर्ता मनोज कुमार द्वारा प्रभारी सचिव को पौध पात्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर एडीएम आपदा संजय कुमार सिन्हा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक, अनुमंडल पदाधिकारी तारापुर राकेश रंजन, अनुमंडल पदाधिकारी हवेली खड़गपुर राजीव रंजन, प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी मो. वसीम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रभारी सचिव ने कहा कि वर्तमान में पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार अभी से ही बहुत सारे एहितयातन तैयारी शुरू कर दी है, ताकि इस बीच होने वाले क्राइसिस मैनेजमेंट की स्थिति ससमय सफलता पूर्वक निपटा जा सके। इसके लिए यह जरूरी है कि जिले में रसोई गैस की कालाबाजारी सहित खाद्य सामग्रियों की उपलब्धता, उसके दामों में उछाल अथवा उसकी जमाखोरी, खाद बीज आदि की कालाबाजारी सहित अन्य चीजों पर नियमित रूप से ध्यान देना है तथा यदि कोई व्यवसायी अथवा व्यक्ति इस तरह के जमाखोरी अथवा कालाबाजारी में लिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जिले में लोगों को रसोई गैस की उपलब्धता सुगमता के साथ हो, इसके लिए गैस एजेंसी मालिकों से लागातार बैठक करें अथवा समन्वय स्थापित करें, ताकि लोगों में गैस अथवा अन्य कोई भ्रांतियां पैदा न होने पाए। इसके साथ ही पेट्रोलियम पदार्था, खाद्य सामग्रियों, यूरिया, खाद बीज आदि की भी कालाबाजारी पर रोकथाम के लिए हमेशा ध्यान रखें। साथ ही किसी भी वस्तु के दामों को नाजायज तरीके से न बढ़ाया जाए, इसकी भी जांच करें। बीच बीच में वैसे रेस्टोरेंट अथवा होटल मालिकों के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान भी चलाएं जो अपने प्रतिष्ठानों में कामर्शियल गैस की जगह रसोई गैस का उपयोग कर रहे हैं उन्हें चेतावनी दें और फिर भी न मानें तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएं। कुछ दिनों बाद शादी विवाह और लगन भी प्रारंभ होने वाले हैं, ऐसी स्थिति में लोगों में गैस की किल्लत अथवा अन्य भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए भी जागरूकता चलाएं। उन्होंने कहा कि उक्त परिपेक्ष्य को देखते हुए सर्तकर्ता अत्यंत ही आवश्यक है। अभी से ही यदि इन स्थितियों पर जिला प्रशासन सजग और सर्तक रह कर काम करेगी तो आने वाले समय में यदि युद्ध विराम नहीं होता है तो उस वक्त उत्पन्न स्थिति पर आसानी से काबू पाया जा सकेगा। प्रवासी लोगों के वापसी पर भी उन्होंने ध्यान देने और उससे संबंधित प्रतिवेदन बनाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि रसोई गैस हो या पेट्रोलियम पदार्थ अथवा अन्य खाद्यग सामग्री आदि किसी भी वस्तुओं का व्यवसायी एवं आमजन जमाखोरी अथवा कालाबाजारी न करें। ऐसे व्यक्ति पर विशेष ध्यान दें तथा चिन्हित व्यक्तियों को चेतावनी दें अन्यथा की स्थिति में कार्रवाई अवश्य करें। विधि व्यवस्था संधारण में किसी भी प्रकार की कोई चूक न हो तथा सख्ती से हर आदेश का अनुपालन कराएं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में गैस पाइप लाइन की व्यवस्था हो गई है, उन क्षेत्रों में संबंधित एजेंसी के अधिकारियों से वार्ता कर शीघ्रताशीघ्र वहां के घरों में पीएनजी कनेक्शन दिलाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में जिले में लोगों में किसी भी वस्तु के लिए भ्रांतियां अथवा भ्रामक स्थिति उत्पन्न न होने पाए।

सड़क निर्माण की जांच करने पहुंचे अधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमालपुर (मुंगेर)। नगर परिषद क्षेत्र के आरपीएफ मैदान समीप से नया टोला जहांगीर तक बन रहे सड़क में सही ढंग से मोरम एवं रोलर का प्रयोग नहीं किए जाने से आक्रोशित जनता की शिकायत पर जांच करने बुडको के एसडीओ ऋषिकेश कार्य स्थल पहुंचे। कार्यस्थल पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को देखते हुए उन्होंने जनता की शिकायत को सही पाते हुए संबंधित ठेकेदार को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इधर जांच करने कार्यस्थल पर पहुंचे एसडीओ को सामाजिक कार्यकर्ता मनीष मंडल सहित अन्य ने बताया कि जब से सड़क निर्माण कार्य जारी है तभी से ठेकेदार मनमानी पूर्ण तरीके से जन शिकायत को अनदेखी कर सड़क पर बिछाए गए मोरम पर रोलर नहीं चल रहे थे। इस बारे में कई बार ठेकेदार को बोला गया पर इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं होने पर इसकी शिकायत ऊपर तक की गई। इधर सड़क जांच करने के बाद एसडीओ ने संवेदक को सही मटेरियल इस्तेमाल कर सड़क निर्माण कार्य पूरा करने का आदेश दिया।

मेंटेनेंस कार्य को लेकर जमालपुर स्टेशन पर छह घंटे गुल रही बिजली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमालपुर(मुंगेर)। गर्मी के बीच जमालपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर बिजली मेंटेनेंस कार्य के कारण करीब 6 घंटे तक आपूर्ति बाधित रही। बिजली नहीं रहने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, मेंटेनेंस कार्य के चलते सुबह से ही प्लेटफार्म पर पंखे और लाइटें बंद रहीं। उमस भरी गर्मी में यात्री बेहाल नजर आए। कई यात्रियों ने बताया कि लंबे इंतजार के दौरान उन्हें पीने के पानी और ठंडक की समुचित व्यवस्था नहीं मिल पाई, जिससे स्थिति और कठिन हो गई। ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों, खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। कुछ यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की मांग करते हुए कहा कि मेंटेनेंस कार्य के दौरान वैकल्पिक इंतजाम किए जाने चाहिए। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्य सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया था। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह के कार्यों के दौरान यात्रियों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है और स्थिति सामान्य हो गई है। स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि यात्री सुविधा को बेहतर बनाने को लेकर इस तरह का मेंटेनेंस चलता रहता है।

मेमू सेवाओं के बहाल होने से यात्रियों को होगी राहत

जमालपुर (मुंगेर)। यात्रियों की दैनिक आवाजाही को सुगम बनाने के लिए पूर्वी रेलवे ने 12-कार रेक के साथ कई मेमू सेवाओं को बहाल करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 10 अप्रैल से साहिबगंज-रामपुरहाट मेमू (63406) तथा 11 अप्रैल से रामपुरहाट-साहिबगंज मेमू (63405) का परिचालन शुरू होगा। इसके अलावा 10 अप्रैल से साहिबगंज जमालपुर मेमू (63431/63432) तथा उसी दिन से जमालपुर-किऊल-जमालपुर मेमू (63423/63424) सेवाएं भी बहाल की जाएंगी। मेमू ट्रेन सेवा बहाल होने से यात्रियों को मुख्य रूप से यात्रा में सुविधा, समय की बचत और कम खर्च में सफर करने का लाभ मिलेगा। दैनिक यात्रियों को राहत एवं नौकरीपेशा, छात्रों और छोटे व्यापारियों के लिए सफर आसान हो जाएगा। इधर स्पेशल मेमू ट्रेनें चलने से भागलपुर जमालपुर कियूल एवं साहिबगंज जैसे प्रमुख व्यस्त रूटों पर यात्रियों की भीड़ कम होगी। मेमू ट्रेनें सामान्य पैसेंजर ट्रेनों की तुलना में तेज होती हैं और आरामदायक यात्रा प्रदान करती हैं और मेमू सेवाएं आम यात्रियों के लिए किफायती (सस्ती) होती हैं।

आशाओं ने पीएम एवं सीएम का पुतला फूंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चांदन (बांका)। बीते 9 महीनों से मानदेय लंबित रहने के विरोध में बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ सह् संबद्ध आशा संघ (सीटू) के बैनर तले आज मंगलवार को आशा कार्यकर्ताओं ने सीएचसी चांदन में आशा फैसिलिटेटर गायत्री देवी के अध्यक्षता जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का नेतृत्व आशा फैसिलिटेटर गायत्री देवी ने किया। आज के इस प्रदर्शन में आशा फैसिलिटेटर उर्मिला देवी, कुमारी गीतांजलि,आशा रेणु देवी,यशोदा देवी,सरिता देवी, मधु कुमारी,मंजू देवी, प्रिया कुमारी शोभा देवी, मंती देवी, प्रभावती देवी, रेखा देवी सहित दर्जनों आशा कार्यकर्ता शामिल थी। सभी ने अपनी मांगों को लेकर सरकार की नीतियों और वादाखिलाफी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।इस दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने बिहार एवं केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर अपना विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दिया है। यदि समय रहते लंबित वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। साथही कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा मानदेय बढ़ोतरी को अनदेखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल छलावा कर रही है, जबकि आशा कार्यकर्ता जन्म से लेकर मृत्यु तक की स्वास्थ्य सेवाओं टीकाकरण, पोलियो, कुष्ठ, फाइलेरिया आदि बीमारियों की रोकथाम करने में दिन-रात मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक और महिला उत्थान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के साथ नाइंसाफी की जा रही है। आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों में सरकारी सेवक घोषित करने, राज्य कर्मचारी का दर्ज़ा देने, सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने तथा भुगतान में कटौती व कमीशन प्रथा पर रोक लगाने की मांग प्रमुख रूप से रखी। बताया गया कि यह धरना-प्रदर्शन केवल चांदन ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार राज्य के सभी सीएचसी स्तर पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रिमांड पर ली गई महिला ने खोले कई राज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमालपुर (मुंगेर)। जमालपुर थाना क्षेत्र के बड़ी दरियापुर में पिछले 14 मार्च को 45 वर्षीय रंजीत कुमार के हत्या मामले में पुलिस ने महज 6 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस मामले में जमालपुर पुलिस ने जेल भेजी गई महिला को 24 घंटे के लिए रिमांड पर लेकर पूछताछ किया है। महिला अभियुक्त देवो श्री ने पुलिस के समक्ष कई तरह की बात चौंकाने वाली बात बताई है। हालांकि इस बात से जमालपुर पुलिस इनकार कर रही है। लेकिन 24 घंटे के पूछताछ के दौरान रंजीत कुमार की हत्या क्यों कैसे कब और कौन-कौन इसमें शामिल था और एक वायरल वीडियो को लेकर भी पूछताछ किया गया। इधर रणजीत हत्याकांड का खुलासा भले ही जमालपुर पुलिस ने घटना के महज 6 घंटे के अंदर फोरेंसिक जांच के सहयोग से कर लिया था लेकिन आज भी एक सवाल फिजाओं में तैर रहा है कि आखिर रंजीत को मौत के घाट उतारने में जेल भेजी गई महिला का ही संलिप्त थी या फिर कुछ और चेहरे शामिल थे। हालांकि प्रभारी थानाध्यक्ष टीपू सुल्तान ने बताया कि 24 घंटे के रिमांड के दौरान महिला से पूछताछ कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अधेड़ महिला की पीटकर हत्या

बलिया। नगर परिषद क्षेत्र के मथुरापुर में मंगलबार रात्री मे राजेंद्र यादव की 72 वर्षीय पत्नी रेखा देवी की लाठी डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी। इस संबंध में मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए बलिया थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई है। इसमें 6 से अधिक लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी सुबोध कुमार थाना अध्यक्ष विकास कुमार राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही पुलिस ने रात को ही लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय भेज दिया है।

आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता को लेकर बैठक

प्रबंधकों ने बताया प्रतिदिन डिमांड से ज्यादा हो रही गैस की आपूर्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। राज्य सरकार के लघु सिंचाई विभाग के सचिव-सह-प्रभारी सचिव बी कार्तिकेय धनजी ने आज यहां आवश्यक वस्तुओं एवं सेवा की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिला समाहरणालय के समीक्षा भवन मे आयोजित बैठक में जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी की उपस्थिति में एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा के क्रम में एचपीसीएल, आइओसीएल, तथा बीपीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधकों ने बताया कि जिले में प्रतिदिन डिमांड से ज्यादा गैस की आपूर्ति की जा रही है। भागलपुर में औसतन प्रतिदिन 8756 गैस सिलेंडरों की मांग हो रही है। जबकि आपूर्ति 12700 है। इस प्रकार बैकलॉग को भी तेजी से खत्म किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ चौधरी ने कहा कि जिले में पेट्रोल डीजल की कोई समस्या नहीं है। सभी पेट्रोल पंपों पर सीसीटीवी चालू रखने का आदेश दिया है ताकि कोई भी एक ही गाड़ी में बार-बार डीजल, पेट्रोल भरवाकर अपने पास ले जाकर जमा न करे। बैठक में बताया गया कि रेस्टोरेंट एवं होटल में भी गैस की आपूर्ति की जा रही है। साथ ही जीविका दीदी की रसोई, विद्यालयों को एमडीएम हेतु निरंतर गैस की आपूर्ति की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में खाद्यान्न की कोई समस्या नहीं है। होटल एवं रेस्टोरेंट भी चल रहे हैं । कृषि कार्य में भी कोई परेशानी नहीं है। सचिव ने कहा कि अफवाहों पर नजर रखने हेतु सोशल मीडिया टीम लगातार कार्यरत रहे और लोगों के बीच जिंगल के माध्यम से धैर्य बनाए रखने की अपील की जाए कि कहीं भी गैस, पेट्रोल, डीजल की कमी नहीं है। साथ ही खाद्य सामग्री की कीमत पर भी नजर रखी जाए। ताकि कहीं कोई जमाखोरी न कर सके। बैठक के उपरांत प्रभारी सचिव ने द्वारा गैस, पेट्रोल, डीजल को लेकर कार्यरत जिला नियंत्रण कक्ष की विधिवत जांच की गई तथा पंजी में दर्ज शिकायतों की प्रकार तथा उस पर कृत कार्रवाई का अवलोकन किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी, उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह, नगर आयुक्त किसलय कुशवाहा, कहलगांव के अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण चंद्र गुप्ता, अपर समाहर्ता (राजस्व) दिनेश राम, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) विकास कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अजय कुमार चौधरी सहित कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. श्रीधर तिवारी बने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा (भोजपुर)। जिला कांग्रेस कमिटी के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. श्रीधर तिवारी का विधिवत पदभार ग्रहण समारोह पार्टी कार्यालय शहीद भवन, आरा में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्तमान जिलाध्यक्ष अशोक राम ने की, जबकि समारोह का संचालन वरिष्ठ नेता डॉ. अमित कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिले के वरिष्ठ कांग्रेसजन, पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता, विभिन्न फ्रंटल संगठनों के प्रतिनिधि, समाज के प्रबुद्ध बुद्धिजीवी वर्ग एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और संगठनात्मक एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। उपस्थित जनसमूह ने नव-नियुक्त अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। अपने उद्बोधन में डॉ. श्रीधर तिवारी ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अशोक राम जी ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. तिवारी के नेतृत्व में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी न केवल संगठनात्मक रूप से मजबूत होगी, बल्कि जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगी। यह समारोह न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्ज़ा, उत्साह एवं विश्वास का संचार हुआ, जो आगामी दिनों में संगठन की मजबूती का आधार बनेगा। समारोह में त्रिवेणी सिंह, सत्यप्रकाश राय, अरुण सिंह, अशोक यादव, पनग त्रिपाठी, जितेन्द्र शर्मा, दिलीप कुमार पाण्डेय, बीरेंद्र मिश्रा, अभिषेक द्विवेदी, संतोष पाण्डेय, उपेंद्र सिंह मुखिया, मुकेश चंद्रवंशी, बिजली बाबा, मोहम्मद शरिक खान, रणजीत यादव, भानू प्रताप सिंह उर्फ मुकुल सिंह, साकेत तिवारी, आनंद तिवारी, अभिषेक तिवारी उर्फ गोलू तिवारी, अविनाश मिश्रा, राजेश कुमार, रोहित श्रीवास्तव, नवीन दूबे, टुन्नु सिंह, विकाश सिंह, अमित तिवारी, गुड्डू सिंह, महबूब आलम, मोनू सिंह, राजीव यादव, मनोरंजन यादव, रौशन तिवारी, लाडा तिवारी, पंकज सिंह, मोहन उपाध्याय आदि मौजूद थे।

पृष्ठ 1 का शेष

पथ प्रमंडल औरंगाबाद ने ...

पुनरावृत्ति होने की उम्मीद है। लोगों का कहना है कि जिला प्रशासन को भी अविलंब इस संभावित लूट पर रोक लगाने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि शहर के विकास के लिए आ रही है राशि केवल मरम्मत कर बंदरबाट ना कर ली जाए। इस प्रकार लगता है कि औरंगाबाद के विकास को फिर ग्रहण लगने वाला है और फिर से नाले और सड़क के नाम पर आने वाली 15 करोड़ रुपए की राशि की बंदरबाट होनी तय दिख रही है।

निवेशकों के लिए पारदर्शी ...

आसान और प्रोत्साहन देने वाला माहौल बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समय-सीमा बढ़ने से ज्यादा से ज्यादा उद्यमियों को अपनी समस्याएं सुलझाने का मौका मिलेगा और राज्य में नए निवेश का रास्ता साफ होगा। वहीं, उद्योग विभाग के सचिव सह एमडी कुंदन कुमार ने कहा कि यह फैसला औद्योगिक संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल की दिशा में एक अहम कदम है। इससे बंद और विवादित इकाइयों की जमीन को फिर से उपयोग में लाया जा सकेगा, जिससे नए निवेशकों को अवसर मिलेगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। इस पहल के जरिए औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे राज्य में रोजगार के नए अवसर बनेंगे और आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी। उद्योग विभाग ने सभी उद्यमियों और निवेशकों से अपील की है कि वे इस बढ़ी हुई समय-सीमा का पूरा फायदा उठाएं और तय समय के अंदर आवेदन जरूर करें।

भाप्रसे-भापुसे के ...

4.07 करोड़ रुपये की संपत्ति है। मुजफ्फरपुर में जमीन और गुरुग्राम में एक फ्लैट है। हालांकि जमीन और फ्लैट के मूल्य कुल संपत्ति में नहीं जोड़े गए हैं। वहीं मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार के पास 2.90 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति है। इनके अलावा मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि के पास 2.22 करोड़, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. गोपाल सिंह के पास 5.89 करोड़, समाज कल्याण विभाग की सचिव वंदना प्रेयषी के पास 2.20 करोड़ की चल संपत्ति है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण के पास कुल 2.91 करोड़ रुपये की संपत्ति है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह के पास 2.58 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम के पास 79.34 रुपये की संपत्ति है। इधर बिहार के डीजीपी विनय कुमार से अधिक अमीर पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा हैं। डीजीपी विनय कुमार के पास कुल 1.06 करोड़ रुपये की संपत्ति हैं जबकि एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के पास 2.97 करोड़ की संपत्ति है।

प्रशिक्षुओं की सुविधाओं ...

डॉ. बी. राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि एवं डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के सचिव कौशल किशोर, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पेड़ से गिरकर अधेड़ की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा (भोजपुर)। रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के डेढ़ गांव में बुधवार की सुबह पेड़ से गिरकर एक अधेड़ की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के डेढ़ गांव निवासी मो. अबरुद्दीन मियां के 45 वर्षीय पुत्र मो. राशीद अंसारी है। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह वह गांव में ही पेड़ पर चढ़कर लकड़ी काट रहे थे। उसी दौरान वह असंतुलित होकर पेड़ गिर गए और गंभीर रूप से जख़्मी हो गए। परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए दावथ पीएचसी ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए रेफर कर दिया गया था। उसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तब परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को वापस गांव ले गए। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पीएनजी कनेक्शन की संख्या बढ़ाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से उत्पन्न परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की प्राप्ति, प्रवासी मजदूरों के हितों की सुरक्षा तथा अन्य संबंधित विषयों पर आज दिनांक 01 अप्रैल 2026 को समाहरणालय सभागार, भोजपुर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अरविंद कुमार चैधरी, (आईएएस), अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग सह प्रभारी सचिव, भोजपुर द्वारा की गई। बैठक के प्रारंभ में जिला भोजपुर तनय सुल्तानिया ने अपर मुख्य सचिव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। तत्पश्चात जिला भोजपुर ने जिले की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि एलपीजी गैस की आपूर्ति उत्पादन रूप से हो रही है उन्होंने पेट्रोल एवं डीजल की मांग एवं आपूर्ति की स्थिति, जिला एवं अनुमंडल स्तर पर संचालित कंट्रोल रूम तथा शिकायत निवारण तंत्र के संबंध में भी जानकारी दी। डीएम ने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी आत्मनिर्भर इकाइयां, दीदी की रसोई आदि इकाइयों में एलपीजी गैस की आपूर्ति सामान्य है और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। डीएम ने बताया कि वर्तमान में जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जिले में आधारभूत (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कोयला, एथेनॉल, सोलर कुकर एवं इंडक्शन जैसे वैकल्पिक ऊर्ज़ा स्रोतों के उपयोग को भी बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति एवं उनके मूल्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, आधारभूत सप्लायर द्वारा प्रतिदिन दिए जा रहे नए कनेक्शनों की उपलब्ध कराने की क्षमता बढ़ाने तथा और अधिक उपभोक्ताओं को प्रतिदिन कनेक्शन प्रदान करने का निर्देश दिया। औद्योगिक इकाइयों के ऑपरेटरों को भी आधारभूत कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता भोजपुर, अपर समाहर्ता (पीजीआरओ), अपर समाहर्ता आपदा, सभी अनुमंडलीय सहित अन्य जिला स्तरीय, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) के प्रतिनिधि तथा विभिन्न पेट्रोल पंपों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

घरेलू विवाद में देवर ने भाभी को पीटा

आरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव में बुधवार की सुबह घरेलू विवाद में देवर ने भाभी की पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। तब परिजन द्वारा उनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया।

वीकेएसयू में 10 से शुरू होगी स्नातक सेमेस्टर छह की परीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा (भोजपुर)। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में स्नातक सेमेस्टर-6 की परीक्षा 10 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-27 को समय पर बनाए रखने के उद्देश्य से परीक्षा और परिणाम प्रक्रिया को तेज़ किया है। परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 28 मार्च को समाप्त होते ही परीक्षा तिथियों की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। पहली पाली में सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों की परीक्षाएं होंगी, जबकि दूसरी पाली में वाणिज्य और विज्ञान संकाय के सभी विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनवर इमाम ने जानकारी दी कि 10 अप्रैल को पहली पाली में मेजर कोर्स 10 और दूसरी पाली में वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के मेजर कोर्स 10 की परीक्षा होगी। 11 अप्रैल को दोनों पालियों में एमजेसी 11 की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद 13 अप्रैल को भी दोनों पालियों में एमजेसी की परीक्षाएं जारी रहेंगी। कार्यक्रम के तहत 15 अप्रैल को एमआईसी-7 और 16 अप्रैल को एमआईसी 8 की परीक्षाएं दोनों पालियों में ली जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है और परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न हो।

बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा शांतिपूर्वक शुरू

आरा (भोजपुर)। एस.बी. कॉलेज आरा में बीएड प्रथम वर्ष सत्र 2025-27 की परीक्षा बुधवार को कदाचार मुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक शुरू हुई। महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के निर्देशन तथा प्राचार्य प्रो. डॉ. मीना कुमारी के नेतृत्व में प्रथम पाली की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। परीक्षा को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश से पूर्व सघन जांच की गई और बिना प्रवेश पत्र किसी को अंदर आने की अनुमति नहीं दी गई। मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, बैग तथा अन्य प्रतिबंधित सामग्री पर पूरी तरह रोक रही। परीक्षा कक्षों में निरीक्षकों द्वारा लगातार निगरानी रखी गई, जिससे किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोका जा सका। परीक्षा नियंत्रक अनवर इमाम ने बताया कि पूरी परीक्षा पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि सभी कक्ष निरीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी और सतर्कता से किया। महाविद्यालय प्रशासन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित करना था, जिसमें वे सफल रहे। इसी दौरान उच्च अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और सभी व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया। किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई।

नयी दिल्ली में संपन्न हुआ महिला उद्यमी किसान कुंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कहलगांव (भागलपुर)। नई दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'महिला उद्यमी किसान कुंभ 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य की खेती का नेतृत्व अब आधी आबादी के हाथों में होगी। यह आयोजन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किया है। आईआईटी दिल्ली के ग्रामीण विकास व प्रौद्योगिकी केंद्र द्वारा आयोजित इस कुंभ का मूलमंत्र महिला किसानों को आधुनिक कृषि प्रणालियों व संस्थागत नेटवर्क से जोड़कर नवाचारी उद्यमी के रूप में स्थापित करना है। कार्यक्रम में उत्तराखंड, असम, बिहार, तमिलनाडु सहित भारत के विभिन्न राज्यों से 3000 से अधिक महिला किसानों ने हिस्सा लिया। भारत के साथ-साथ 10 अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भी शिरकत किया। टिकाऊ खेती, जलवायु अनुकूल कृषि, डिजिटल उपकरण का उपयोग और वित्तीय साक्षरता पर विशेष चर्चा हुई। बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती की प्रगतिशील किसान नैना उपाध्याय ने इस राष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर जिले का मान बढ़ाया। उन्होंने न केवल अपने अनुभव साझा किए, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेती की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर भी अपने विचार रखे। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत की खेती में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है, लेकिन पहचान की कमी है। यदि इन महिलाओं को सही ट्रेनिंग, आधुनिक तकनीक और उचित सम्मान मिले, तो यह 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने की सबसे बड़ी ताकत बनेंगी।

आचार्य कार्यशाला का समापन

बौंसी/बांका (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बुधवार को परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, बौंसी में त्रिदिवसीय आचार्य कार्यशाला का तृतीय दिवस का शुभारंभ कर्मचारी राजेश कुमार झा, संजय कुमार झा, रुक्मिणी देवी, कुंती देवी तथा प्रधानाचार्य जीतेंद्र प्रसाद ने भारत माता एवं मां सरस्वती के समक्ष संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। पंचपदी आधारित पाठ्य योजना के साथ आदर्श कक्षा शिक्षण की प्रस्तुति, हमारा विद्यालय सर्वश्रेष्ठ विद्यालय कैसे बने, समाज में पंच परिवर्तन के माध्यम से जागरण, विद्या भारती के केंद्रीय आधारभूत विषयों का कक्षा शिक्षण में अनुपालन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रधानाचार्य का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस प्रकार यह त्रि दिवसीय आचार्य कार्यशाला कुल तेरह सफ़ल सत्रों में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी आचार्य बंधु-भगिनी उपस्थित थे। कार्यक्रम प्रमुख रुचि कुमारी तथा सह प्रमुख रानी मिश्रा के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

गाली-गलौज करने के विवाद में युवक को पीटा

आरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के कोईलवर गांव में बुधवार की सुबह गाली-गलौज करने के विवाद में एक युवक की पिटाई कर दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी कोईलवर थाना क्षेत्र के कोईलवर गांव निवासी रामाधार चौधरी का 35 वर्षीय पुत्र रंजीत चौधरी है। इधर जख्मी युवक के परिजन ने बताया कि बुधवार की दोपहर वह नशे में धुत होकर घर में गाली-गलौज कर रहा था। इसी बात को लेकर पट्टीदार से कहासुनी हुई। जिसके बाद पट्टीदार द्वारा लाठी-डंडे से उसकी पिटाई कर दी गई।

पश्चिम एशिया युद्ध के कारण पड़ रहे दुष्प्रभाव से निपटने के लिए मगध प्रमण्डल आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं की उपलब्धता पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वर्तमान परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा तथा अन्य संबंधित विषयों पर समाहरणालय स्थित योजना भवन सभाकक्ष में मगध प्रमण्डल आयुक्त सफीना ए.एन. की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान आयुक्त द्वारा एलपीजी गैस की उपलब्धता, बुकिंग के विरुद्ध आपूर्ति की अद्यतन स्थिति, प्रतिदिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी जा रही जानकारी, जिला नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली, मांग एवं उपलब्धता की स्थिति, पीएनजी की प्रगति, खाद्यान्न अधिप्राप्ति की अद्यतन स्थिति, उर्वरकों की उपलब्धता तथा कालाबाजारी के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गयी तथा समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा आयुक्त को अवगत कराया गया कि जिले में कुल 37 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनमें आईओसीएल (इंडेन) की 15 एजेंसियों के माध्यम से 98,168 घरेलू एवं 350 व्यावसायिक कनेक्शन (कुल 98,518), बीपीसीएल की 11 एजेंसियों के माध्यम से 1,62,212 घरेलू एवं 481 व्यावसायिक कनेक्शन (कुल 1,62,693) तथा एचपीसीएल की 11 एजेंसियों के माध्यम से 2,27,000 घरेलू एवं 140 व्यावसायिक कनेक्शन (कुल 2,27,140) संचालित हैं। इस प्रकार जिले में कुल 4,87,380 घरेलू एवं 971 व्यावसायिक कनेक्शन सहित 4,88,351 एलपीजी कनेक्शन क्रियाशील हैं। जिले में कुल 113 पेट्रोल पम्प संचालित हैं, जिनमें आईओसीएल के 61, बीपीसीएल के 32, एचपीसीएल के 20 तथा रिलायंस के 02 पेट्रोल पम्प शामिल हैं, जहां पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता सामान्य पायी गयी है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले के 06 गैस एजेंसियों को अति संवेदनशील चिन्हित करते हुए वहां होम डिलीवरी सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विशेष दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। साथ ही

शेष गैस एजेंसियों के निरीक्षण हेतु सभी प्रखण्डों में अलग-अलग दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गयी है। गठित धावा दलों द्वारा गैस एजेंसियों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अब तक कुल 96 जांच की गयी है। एजेंसियों द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारी के अनुसार वर्तमान में जिले में गैस सिलेंडर का कुल भंडार 10,312 है तथा पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। एलपीजी गैस एवं पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु अपर समाहर्ता (जिला लोक शिकायत निवारण) की अध्यक्षता में जिला स्तरीय 24 घंटे के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष संख्या 06186-295027 है। नियंत्रण कक्ष के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निवारण कराया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि जिले के 11 प्रखण्डों एवं 06 नगर निकाय क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अनावश्यक मूल्य वृद्धि की रोकथाम हेतु विशेष छापेमारी दल गठित किया गया है, जिसके द्वारा नियमित जांच की जा रही है। अब तक आवश्यक वस्तुओं के मूल्य में अप्रत्याशित वृद्धि संबंधी कोई प्रतिकूल प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पीएनजी की प्रगति के संबंध में बताया गया कि वर्तमान में 11 व्यावसायिक संस्थानों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से 03 में कनेक्शन अधिष्ठापन किया जा चुका है तथा शेष में कार्य प्रगति पर है। आयुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि जिले के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पाइपलाइन के माध्यम से गैस आपूर्ति की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाये। आईओसीएल के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि किये गये सर्वे के अनुसार लगभग 9000 उपभोक्ताओं को पाइपलाइन गैस आपूर्ति से जोड़ा जा सकता है जबकि वर्तमान में 1504 घरेलू उपभोक्ता ही इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं। इस पर आयुक्त द्वारा शेष उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर पाइपलाइन से गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। गैस आपूर्ति से संबंधित ओटीपी एवं अन्य समस्याओं के समाधान हेतु आयुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि संबंधित अनुमंडलाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थानाध्यक्ष एवं गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि संयुक्त रूप से नियमित बैठक कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें तथा इस संबंध में जनमानस के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये, ताकि किसी प्रकार की अफवाह की स्थिति उत्पन्न न हो। आवश्यकतानुसार जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा भी संबंधित थाना क्षेत्रों में संयुक्त बैठक आयोजित कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इश्तेखार अहमद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्वेतांक लाल, वरीय उप समाहर्ता रितेश कुमार यादव सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं इंडियन ऑयल, एलपीजी तथा पीएनजी से संबंधित प्रतिनिधि उपस्थित थे।

औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय में सात नए न्यायाधीशों ने संभाला पदभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला जज सप्तम सहित सात न्यायाधीशों ने पदभार ग्रहण कर लिया है। जिला जज सप्तम के रूप में संतोष कुमार झा ने कार्यभार संभाला। वे इससे पूर्व समस्तीपुर में कार्यरत थे। यहां के पूर्व जिला जज सप्तम निशित दयाल का तबादला हाजीपुर कर दिया गया है। इसके साथ ही अनीस कुमार ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण कर न्यायिक कार्यों में भाग लेना शुरू कर दिया है। वहीं प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के रूप में अभय सिंह, प्रेरणा सिंह, कुमार अभिजीत राय, सुरज प्रकाश और गीतांजलि ने भी अपना पदभार संभाल लिया है। नए न्यायाधीशों के आगमन से न्यायालय की कार्यप्रणाली में गति आने की उम्मीद जताई जा रही है। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय, महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, महासचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी, लोक अभियोजक अजय कुमार, सरकारी अधिवक्ता वृजा प्रसाद तथा अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने सभी न्यायाधीशों को बधाई दी और हर्ष व्यक्त किया।

अनियंत्रित बाइक से गिरकर महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। अनियंत्रित बाइक से गिरकर एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सदर अस्पताल में इलाज़ के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया जिससे घंटों स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहीं। घटना फ़ेसर थाना क्षेत्र के नतलाल बिगहा की है। मृतका की पहचान रफीगंज थाना क्षेत्र के सैफगंज गांव निवासी अजीत कुमार की पत्नी नीलू कुमारी के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, अजीत कुमार की तबीयत खराब थी, जिसके इलाज के लिए वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ औरंगाबाद आया था। इलाज कराने के बाद जब वह बाइक से घर लौट रहा था, तभी औरंगाबाद भदवा पथ में फ़ेसर थाना क्षेत्र के नतलाल बिगहा गांव के पास उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई। इस दौरान नीलू कुमारी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन भड़क उठे और अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण नीलू की जान चली गई। हंगामा बढ़ता देख अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक व अन्य मेडिकल स्टाफ सुरक्षा कारणों से ओपीडी छोड़कर हट गए। इस दौरान अस्पताल में इलाज कराने आए कई मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और उन्हें बिना इलाज के लौटना पड़ा। सूचना मिलने पर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग चिकित्सकों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। स्थिति लगातार बिगड़ती देख नगर थाना की पुलिस को बुलाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात को संभालने की कोशिश की लेकिन परिजन काफी देर तक शांत नहीं हुए। अस्पताल प्रबंधन की ओर से परिजनों को सीसीटीवी फुटेज भी दिखाया गया। फुटेज में साफ तौर पर देखा गया कि मरीज के अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसकी जांच की और ईसीजी के लिए भेजा। रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत की पुष्टि की गई। इसके बावजूद परिजन इसे लापरवाही मानते हुए हंगामा करते रहे। इधर ड्यूटी में तैनात डॉक्टर अभिषेक कुमार ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के पहले ही महिला की मौत हो चुकी थी। घंटों चले इस हंगामे के कारण सदर अस्पताल की ओपीडी सेवा पूरी तरह ठप रही। कई गंभीर मरीज इलाज के इंतजार में परेशान होते रहे।

विभिन्न मामलों में 11 लोग गये जेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करते हुए पुलिस ने अपराध के विरुद्ध व्यापक और आक्रामक अभियान चलाया है। बीते 24 घंटों की कार्रवाई में 45 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। ये सभी हत्या एवं हत्या प्रयास जैसे अन्य अपराधों से जुड़े हैं। इस विशेष अभियान का उद्देश्य अपराधियों के पूरे नेटवर्क को तोड़ना, नशा तस्करी पर रोक लगाना और आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल के नेतृत्व में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई जिसमें आवश्यक कार्रवाई के उपरांत 11 अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। हत्या के शीर्ष में 1 एवं हत्या के प्रयास में 6 अन्य शीर्ष कांड में 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान 12 लीटर देसी शराब बरामद किया गया है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 1022 वाहनों की जांच की गई जिसमें 33000 रूपये जुर्माना वसूला गया है। पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल के अनुसार, अपराधियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि कानून से ऊपर कोई नहीं। जन-सुरक्षा, पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई के संकल्प के साथ पुलिस पूरी प्रतिबद्धता से जिले को सुरक्षित बनाए रखने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

औरंगाबाद में खनन राजस्व में बढ़ोतरी, चुनौतियों के बावजूद विकास की मजबूत संभावनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में वित्तीय वर्ष 2025S26 के दौरान खनन राजस्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। इस वर्ष जिले को 316 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024S25 के 300 करोड़ रुपए की तुलना में 16 करोड़ रुपए अधिक है। यह वृद्धि जिले के संसाधन प्रबंधन और प्रशासनिक प्रयासों को दर्शाती है। हालांकि, इस वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य 415 करोड़ रुपए था, जिसे पूरी तरह हासिल नहीं किया जा सका। जिला खनिज विकास पदाधिकारी हरेश कुमार के अनुसार, सात बड़े बालू घाटों के संवेदकों द्वारा सरेंडर किए जाने के कारण राजस्व में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि यदि ये घाट सरेंडर नहीं होते, तो जिले को लगभग 170 करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता था। प्रशासन ने इस चुनौती को अवसर में बदलने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। सरेंडर किए गए सात बालू घाटों की पुनर्नीलामी के लिए निविदा प्रकाशित की जा चुकी है। हालांकि फिलहाल संवेदकों की रुचि सीमित दिख रही है लेकिन प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में बालू घाटों की पांच वर्षों के लिए नीलामी की गई थी, जिसकी अवधि मार्च 2027 में समाप्त हो रही है। इसे ध्यान में रखते हुए जनवरी 2027 से जिले के सभी बालू घाटों की नई नीलामी प्रक्रिया शुरू करने की योजना बनाई गई है। प्रशासन को विश्वास है कि आगामी नीलामी प्रक्रिया और बेहतर प्रबंधन के जरिए जिले को खनन राजस्व के क्षेत्र में और अधिक सफलता मिलेगी, जिससे विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। रेलवे ट्रैक पार करते वक्त अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना फ़ेसर रेलवे स्टेशन की है। शव की पहचान नहीं हो पायी है। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोगों की भीड़ शव को देखने के लिए जमा हो गयी। सूचना पर घंटों बाद पहुंची रेलवे जीआरपी शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के सासाराम भेज दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए शव को सुरक्षित रखा गया है। जानकारी के अनुसार युवक का सिर धड़ से अलग हो गया है तथा दोनों हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। युवक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। वह ब्लू पैंट और ब्लैक शर्ट पहले हुए था। इस दौरान पुलिस अपने स्तर से शव की शिनाख्त हेतु जुटी हुई है। जीआरपी के मुताबिक फिलहाल 72 घाटों के लिए शव अभिरक्षा में रखा जाएगा। इसके बावजूद यदि पहचान नहीं होता है तो शव का अंतिम संस्कार कर दिया जायेगा।

डीएम के सख्त निर्देश पर सुदृढ़ हुई एलपीजी होम डिलीवरी व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में आम उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। डीएम के निर्देशानुसार अब जिले में गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर और बिना किसी परेशानी के गैस उपलब्ध हो सके। प्रशासन की इस पहल के तहत सभी गैस एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय के भीतर उपभोक्ताओं तक सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित करें। साथ ही वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने, कालाबाजारी पर रोक लगाने और किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की

चेतावनी भी दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा नियमित निगरानी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली, स्टॉक और डिलीवरी व्यवस्था की जांच कर रही हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक देरी या अतिरिक्त शुल्क का सामना न करना पड़े। डीएम ने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा सर्वोपरि है और गैस जैसी आवश्यक वस्तु की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं भी अनियमितता या समस्या देखने को मिले तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस पहल से न केवल गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि आम लोगों को राहत मिलेगी और जिले में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।

औसत दैनिक मांग के अनुरूप की जा रही रसोई गैस की डिलीवरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। एलपीजी गैस आपूर्ति एवं वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिले में गैस आपूर्ति सामान्य रूप से संचालित हो रही है। विभिन्न गैस एजेंसियों द्वारा औसत दैनिक मांग के अनुरूप गैस की डिलीवरी की जा रही है तथा लंबित बुकिंग का निष्पादन लगातार किया जा रहा है। जिले में कुल 37 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 7195 सिलेंडर की मांग के विरुद्ध लगभग 6532 सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही है। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा सभी गैस एजेंसियों को उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने, लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन करने तथा वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कृत्रिम कमी उत्पन्न नहीं होने देने का भी निर्देश दिया गया है। संबंधित प्रखंडों के पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी करने तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

ट्रायल प्रतियोगिता में चयनित प्रशिक्षुओं को मिलेगा बेहतर मौका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं के चयन को लेकर इंडोर स्टेडियम, औरंगाबाद में बैडमिंटन खेल विधा की चयन ट्रायल प्रतियोगिता आयोजित की गई। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के निर्देश के आलोक में बालक एवं बालिका वर्ग में प्रतिभागिता सुनिश्चित कराई गई। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए पूर्व से ही सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बिहार के विभिन्न जिलों से

आए प्रतिभागियों में बालक वर्ग में 24 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जबकि बालिका वर्ग में तृषा वर्मा, अंजली कुमारी एवं आंशिका कुमारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजन के दौरान संबंधित पदाधिकारी एवं शारीरिक शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं और चयन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। प्रतियोगिता के उपरांत चयनित खिलाड़ियों की सूची तैयार कर प्रमाण पत्र नियमानुसार अग्रसारित किया गया। जिला खेल पदाधिकारी कुमार पप्पू राज ने बताया कि इस चयन ट्रायल का उद्देश्य प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र में बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे आगे चलकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें और अपने क्षेत्र, जिले तथा राज्य का नाम रौशन करें। इस अवसर पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बैडमिंटन कोच निशांत कुमार, एकलव्य बैडमिंटन प्रशिक्षक सुभाष कुमार पंजियार, अमरनाथ सिंह, रविशंकर कुमार, राजू पासवान, संतन कुमार, अजय कुमार, भूषण एवं पूजा कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

लोक अदालत की तैयारियों में जुटा प्राधिकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल ने अपने प्रकोष्ठ में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान की अध्यक्षता में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक किया गया जिसमें अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दीवान फ़हद खान, अपर मुख्य न्यायिक न्यायिक सन्दीप कुमार सिंह, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रदीप चंद्रा, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी अनीश कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अभय सिंह, प्रेरणा सिंह, कुमार अभिजीत राय, सूरज प्रकाश एवं सुश्री गीतांजलि उपस्थित हुए। सचिव द्वारा न्यायिक पदाधिकारियों से लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु आगे की रूप रेखा रखी गई। उनके द्वारा बताया गया कि इस बार लोक अदालत हेतु काफी कम समय है और हमें जल्द से जल्द समस्त कार्य करना है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के द्वारा न्यायिक पदाधिकारीयों को अपने न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय वादों को चिह्नित कर उससे से संबधित पक्षकार की सूचना और नोटिस की युद्ध स्तर पर करने और अद्यतन जानकारी प्राधिकार को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस, ग्रोथ सेंटर, बियाडा, जसोइया, औरंगाबाद (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक – कमल किशोर
नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेलः nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com
झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865
दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269

खो-खो प्रतियोगिता के लिए मगध विवि की टीम पश्चिम बंगाल रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता 2026 में भाग लेने के लिए मगध विश्वविद्यालय की पुरुष खो-खो टीम उत्साह के साथ रवाना हो गई है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय में आयोजित की जा रही है, जिसमें पूर्वी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न राज्यों की कुल 43 विश्वविद्यालय टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मणिपुर, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा सहित अन्य राज्यों की विश्वविद्यालय टीमें अपने-अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी। राम लखन सिंह यादव कॉलेज, औरंगाबाद के प्राचार्य डॉ. विजय रजक ने बताया कि विश्वविद्यालय टीम का चयन विभिन्न संबद्ध कॉलेजों की उत्कृष्ट टीमों के खिलाड़ियों को मिलाकर किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी विश्वविद्यालय खेलों की सफल मेजबानी कॉलेज द्वारा की जा चुकी है, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव प्राप्त हुआ है और इसी आधार पर एक संतुलित एवं सशक्त टीम का गठन किया गया है। मगध विश्वविद्यालय के खेल प्रभारी सुदर्शन राय ने टीम को रवाना करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि टीम पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग ले रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू प्रो. पी.के. चौधरी ने कहा कि इस प्रकार के अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुशासन, समर्पण और टीम वर्क के बल पर टीम निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेगी। मगध विश्वविद्यालय की टीम टीम मैनेजर आर्यन कुमार के नेतृत्व में प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई है। टीम में कोच राहुल कुमार, कप्तान हिमांशु सिंह, उपकप्तान रितिक कुमार सहित कुल 15 सदस्य शामिल हैं। कॉलेज के खेल प्रभारी डॉ. विवेक कुमार ने भी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी पूरी मेहनत और रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे और बेहतर प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाएंगे।

गुम मोबाइल मिलने पर खिले चेहरे

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत औरंगाबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। दाउदनगर थाना की सक्रिय पहल पर गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया, जिससे लोगों के चेहरे पर फिर से खुशी लौट आई। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई में कई मोबाइल फोन को तकनीकी अनुसंधान एवं सतत प्रयासों के माध्यम से ट्रेस किया गया। इसके बाद संबंधित मोबाइल धारकों की पहचान कर उन्हें विधिवत सुपुर्द किया गया। मोबाइल वापस मिलने पर लाभार्थियों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए मोबाइल सिर्फ एक उपकरण नहीं बल्कि जरूरी डाटा और संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम था, जिसे वापस पाकर उन्हें बड़ी राहत मिली है। दाउदनगर थाना पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाया जा सके।

Reg No. JHENG/25/A4874
Another Launching from
NAVBIHAR TIMES GROUP
THE EASTERN VOICE
'English Daily Newspaper
Regional Newspaper in whole Bihar & Jharkhand
Email Id-theeasternv@gmail.com
Bihar Office:-Satyendra Nagar,Aurangabad (BiharJharkhand)
Office:-31-Co-operative Colony,Bokaro Steel City, Bokaro (Jharkhand)
Contact:- 6206165107, 7295863300